THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

दूसरे चरण में जुड़े 1,468 लोगों के नाम

कोलकाता, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 142 विधानसभा सीटों के लिए 29 अप्रैल को मतदान होगा। इस दौरान भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तैनात केंद्रीय बलों को निर्देश दिया है कि वे भयभीत मतदाताओं की मदद के लिए तैयार रहें। उन्हें मतदान केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाएं। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाताओं की दूसरी पूरक सूची प्रकाशित की। वहीं, चुनाव आयोग ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में मतदाताओं की दूसरी पूरक सूची प्रकाशित की। इसे अपीलीय न्यायाधिकरणों द्वारा पहले की न्यायिक प्रक्रिया में अयोग्य पाए गए 27 लाख मामलों पर निर्णय लेने के बाद तैयार किया गया था। >12

वर्ष-31 अंक : 28 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.13 2083 बुधवार, 29 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'चुप रह, ई काम तोसे ना हो पाई'

वाराणसी महिला सम्मेलन में भोजपुरी में बोले पीएम मोदी, दिया बड़ा संदेश

वाराणसी, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पीएम नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि घरों में महिलाओं के अधिकारों को लेकर कई बार सुनाया जाता रहा है। काशी और आसपास के इलाकों में भी किसी भी मुद्दे पर कहा जाता है कि तू चुप रह, ई काम तोसे न हो पाई। यही सोच विपक्षी दलों का पीएम मोदी ने करार दिया। महिला सम्मेलन में गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री बनने के बाद तक किए गए कार्यों का जिक्र किया। यूपी में सपा सरकार के काल में बेटियों के घर से बाहर न निकलने की बात कही। आज यूपी में भाजपा की सरकार में बेटियों के साथ अपराध के मामलों में आरोपियों को पता है कि उनका क्या होगा। पीएम मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि परिवारवादी पार्टियों को महिलाओं के आगे आने से परेशानी है। उन्हें अपनी कुर्सी जाने का खतरा है। इसलिए, एक बार फिर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों ने लोकसभा में लाए गए महिला आरक्षण बिल का विरोध किया।

पीएम ने किया योजनाओं का जिक्र

पीएम मोदी ने महिलाओं को लेकर किए जा रहे कार्यों को लेकर कहा कि हमारी सरकार की नीतियों में निरंतर महिला कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2014 में आपने हमें सेवा का अवसर दिया तो देश में 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय बने। 30 करोड़ से ज्यादा बहनों के बैंक खाते खुले। 2.5 करोड़ से ज्यादा घरों में बिजली का कनेक्शन दिया गया। 12 करोड़ से ज्यादा घरों में नल से जल पहुंचाया गया। सरकार की अनेक बड़ी योजनाओं के केंद्र में बहनों-बेटियों को रखा गया है। हम बहनों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। पीएम मोदी ने देश में चल रही विकास योजनाओं का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि सुविधा और सुरक्षा का विश्वास देने के साथ-साथ हमने बहनों की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया है। पिछले 11 वर्षों में देश की करीब 10 करोड़ बहनें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। इन समूहों को लाखों रुपये की मदद मिल रही है, जिससे बहनें अपना काम कर रही हैं। ऐसे ही प्रयासों से 3 करोड़ बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के प्रवास पर मंगलवार को काशी पहुंचे हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। >12

'सिक्किम पूर्वी भारत का स्वर्ग'

गंगटोक, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम में 4,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सिक्किम को पूर्वी भारत का स्वर्ग बताते हुए प्रकृति प्रेमी पर्यटकों से राज्य के ऑर्किडेरियम का भ्रमण करने का आग्रह किया। गंगटोक में संबोधन के दौरान पीएम ने कहा कि सिक्किम एक भारत श्रेष्ठ भारत का सशक्त प्रतीक है, खासकर ऐसे समय में जब देश को धर्म और राजनीति के आधार पर बांटने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम की स्वच्छ सड़कें और शुद्ध हवा इस बात का प्रमाण हैं कि यहां के लोग प्रकृति संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और सरकार का मुख्य फोकस यहां कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है। >12

सबरीमाला मामला : सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

'धार्मिक संस्थानों में नियम जरूरी अराजकता के लिए जगह नहीं'

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमाला मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान बेहद अहम टिप्पणी की है। नौ जजों की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि किसी भी धार्मिक संस्थान के प्रबंधन के अधिकार का अर्थ अराजकता नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा कि हर संस्थान के कामकाज के लिए एक निश्चित व्यवस्था और मापदंड होने चाहिए।

प्रबंधन का अर्थ नियमहीनता नहीं :

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार और प्रबंधन के बीच एक संतुलन जरूरी है। पीठ में जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह सहित अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश शामिल हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, प्रबंधन के अधिकार का यह मतलब कतई नहीं है कि वहां कोई ढांचा ही न हो। हर चीज के लिए एक प्रक्रिया और नियम होने चाहिए। जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, चाहे दरगाह हो या मंदिर, वहां संस्थान से जुड़े कुछ तत्व होते हैं। पूजा का तरीका और कार्यों का एक क्रम होता है। किसी को तो इसे विनियमित करना ही होगा। ऐसा नहीं हो सकता कि हर कोई अपनी मनमर्जी करे। न ही यह संभव है कि बिना किसी नियंत्रण के द्वार हर समय खुले रहें। सवाल यह है कि प्रबंधन करने वाली संस्था कौन सी है?

संविधानिक सीमाओं का पालन अनिवार्य

अदालत ने यह भी साफ किया कि धार्मिक नियम संविधान के दायरे से बाहर नहीं हो सकते। जस्टिस अमानुल्लाह ने आगे कहा, नियम जरूरी हैं, लेकिन वे संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन नहीं कर सकते। व्यापक संविधानिक मापदंडों पर किसी भी तरह का भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। हर संस्थान के अपने मानक होने चाहिए और यह हर व्यक्ति द्वारा व्यक्तिगत रूप से निर्धारित नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान हजरत ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया की दरगाह से जुड़े वंशज पीरजादा सैयद अल्तमश निजामी की ओर से अधिवक्ता निजाम पाशा पेश हुए। उन्होंने तर्क दिया कि दरगाह एक ऐसी जगह है जहां संत को दफनाया जाता है। उन्होंने कहा, इस्लाम के भीतर संतों की स्थिति को लेकर अलग-अलग विचार हो सकते हैं।

थानों में सीसीटीवी फंड के इस्तेमाल पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

> केंद्र और राज्यों से मांगा हिसाब, बैठक के दिए निर्देश

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या आपको पता है कि देश भर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए मिले पैसों का राज्यों ने क्या किया? इस गंभीर सवाल पर अब देश की सबसे बड़ी अदालत, यानी सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट यह जानना चाहता है कि राज्यों को सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए जो भारी-भरकम फंड दिया गया था, उसका उपयोग सही जगह पर हुआ है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे को 6 मई को एक अहम बैठक बुलाने का निर्देश दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि इस बैठक में केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बड़े अधिकारी शामिल होंगे। अदालत का मुख्य मकसद यह जानना है कि थानों में कैमरों की कमी क्यों है और जो पैसे आवंटित किए गए थे, उनका क्या हुआ। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 13 मई को तय की है।

वैकल्पिक बंदरगाहों पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में इस्राइल और फलस्तीन से जुड़े मौजूदा संघर्ष ने पूरी दुनिया की सप्लाई चेन और व्यापार पर गहरा असर डाला है। इस संकट के बीच भारत सरकार ने देशवासियों और व्यापारियों को एक बड़ी राहत भरी खबर दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि लाल सागर और पश्चिम एशिया के इस भारी विवाद के बावजूद भारत में एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की कोई किल्लत नहीं होगी। >12

शशि थरूर ने माना महिला विरोधी है कांग्रेस : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को लेकर एक बड़ा दावा किया है। रिजिजू के अनुसार, शशि थरूर ने एक तरह से यह स्वीकार कर लिया है कि कांग्रेस पार्टी महिला विरोधी है।

यह बयान तब आया जब संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पास नहीं हो सका। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना था। रिजिजू ने क्या-क्या कहा :

किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद सत्र के बाद उनकी और थरूर की मुलाकात हुई थी। उस दौरान थरूर ने मुस्कुराते हुए रिजिजू से कुछ बातें साझा कीं। रिजिजू के मुताबिक, थरूर ने कहा था, कांग्रेस पार्टी भले ही महिला विरोधी हो सकती है, लेकिन कोई भी महिला शशि थरूर को महिला विरोधी नहीं मानेगी। रिजिजू ने कहा कि थरूर ने इस वाक्य के जरिए अपनी पार्टी की सच्चाई स्वीकार कर ली। रिजिजू ने आगे बताया कि उन्होंने थरूर के इस तर्क का जवाब भी दिया। उन्होंने थरूर से कहा, मैं इस बात से सहमत हूं कि कोई आपको महिला विरोधी नहीं कहेगा। लेकिन आपकी पार्टी निश्चित रूप से महिला विरोधी है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल दिखावे की राजनीति करती है। जब महिलाओं को वास्तविक अधिकार देने की बारी आई, तो कांग्रेस ने पीछे हटने का रास्ता चुना।

पटियाला के पास धमाका

रेल पटरी क्षतिग्रस्त एक शव बरामद

पटियाला, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस के अनुसार शंभू-अंबाला रेल पटरी के पास से एक अज्ञात शव मिला है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इसका संबंध हुए विस्फोट से है या नहीं। पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा ने बताया कि विस्फोट से रेल पटरियों को भी कुछ नुकसान पहुंचा है। यह घटना रात करीब 10 बजे मालगाड़ियों के लिए निर्धारित पटरियों के पास हुई। विस्फोट की खबर मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा ने पीटीआई को बताया, कम तीव्रता का एक विस्फोट हुआ है। एक अज्ञात शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला है। जब उनसे पूछा गया कि क्या मृतक की मौत विस्फोट के कारण हुई है, तो उन्होंने कहा, मामले की जांच जारी है।

यूएपीए के तहत शोपियां मदरसा गैर-कानूनी घोषित

महबूबा मुफ्ती ने बताया 'घोर अन्याय'

जम्मू, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। महबूबा मुफ्ती ने शोपियां में दारुल उलूम जामिया सिराज-उल-उलूम को गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक गैर-कानूनी संस्था घोषित किए जाने की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस कदम को समाज के वंचित वर्गों के साथ 'घोर अन्याय' बताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इस फैसले के छात्रों और संस्था से जुडे हाशिए पर पडे समुदायों पर पडने वाले असर को लेकर चिंता जताई है।

मुफ्ती ने तर्क दिया कि ऐसे कदमों का सबसे ज्यादा असर गरीबों और कमजोर लोगों पर पडता है, जिनमें से कई लोग शिक्षा और मदद के लिए इन्हीं मदरसों पर निर्भर रहते हैं। उन्होंने अधिकारियों से इस कदम पर फिर से

विचार करने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि वंचित वर्गों की सेवा करने वाली संस्थाओं के साथ व्यवहार करते समय निष्पक्षता और संवेदनशीलता बरतना जरूरी है। यूएपीए के तहत इस मदरसे को गैर-कानूनी संस्था घोषित किए जाने से इस क्षेत्र में एक बहस छिड गई है।

कई राजनीतिक आवाजें इसके व्यापक सामाजिक और शैक्षिक प्रभावों को लेकर चिंता जता रही हैं। हाई कोर्ट से आम आदमी पार्टी के लिए आई बड़ी खुशखबरी, अरविंद केजरीवाल बोले, 'स्वागत है।।।' पीपल्स कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद लोन ने भी 'एक्स' पर शोपियां में दारुल उलूम जामिया सिराज-उल-उलूम को बंद किए जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर की।

उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह कानूनों का इस्तेमाल 'सिर्फ बेसहारा लोगों' के खिलाफ कर रही है। सज्जाद लोन ने बताया कि 'शोपियां में दारुल उलूम जामिया सिराज-उल-उलूम को एक गैर-कानूनी संस्था घोषित करने का कदम बेहद चिंताजनक है। अब यह एक चलन बन गया है और यह खतरनाक है। चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने की रणनीति पहले भी काम नहीं आई है और अब भी काम नहीं आएगी। मुझे हैरानी होती है कि सारे कानून सिर्फ सबसे ज्यादा बेसहारा लोगों के लिए ही क्यों होते हैं?' लेकिन सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इस मदरसे पर लगे प्रतिबंध के मुद्दे को एक निचले स्तर की राजनीति का रूप दे दिया। उन्होंने पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी पर जम्मू-कश्मीर में यूएपीए कानून लाने का आरोप लगाया और इस तरह इस कानून के लागू होने के लिए उसी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया।

इस बीच, जामिया सिराज-उल-उलूम शोपियां के चेयरमैन मोहम्मद शफी लोन ने कहा कि इस संस्थान का जमात से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर से अपील की कि वे संस्थान को गैर-कानूनी घोषित करने के अपने फैसले पर फिर से विचार करें। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने न केवल जांच में सहयोग किया है।

वीडियो कॉल के बाद कॉन्स्टेबल ने खुद को गोली मारी,मौत

ग्वालियर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्वालियर में ड्यूटी पर तैनात कॉन्स्टेबल ने अपनी सर्विस गन से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। घटना सुबह 5 बजे एसएएफ की सेकेंड बटालियन के गेट की है। गोली की आवाज सुनकर साथी पहुंचे तो सिपाही घायल पड़ा था। उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना से पहले वह वीडियो कॉल पर अपने परिवार से बात कर रहा था। घटना स्थल पर फोरेंसिक और पुलिस टीम जांच में जुटी है। छतरपुर नौगांव निवासी एसएएफ कॉन्स्टेबल कुलदीप अनुरागी (40) की ड्यूटी सेकेंड बटालियन के गेट पर थी।

उसकी ड्यूटी रात 2 बजे से सुबह 6 बजे तक थी। सुबह करीब 5 बजे वह अपने परिवार से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। तभी गोली चलने की आवाज आई। पुलिसकर्मी पहुंचे तो वह घायल पड़ा था और पास ही उसकी गन पड़ी थी। सीने में गोली लगी थी। उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

मैं भी आपकी अदालत में पेश नहीं होऊंगा

केजरीवाल के बाद सिसोदिया का जस्टिस स्वर्णकांता को खत

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को पत्र लिखकर कहा कि वह आबकारी नीति मामले में उनकी अदालत में पेश नहीं होंगे। मामला दिल्ली के कथित शराब नीति से जुड़ा है। बता दें कि सिसोदिया से पहले पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी जस्टिस स्वर्णकांता को चिट्ठी लिखी थी। केजरीवाल ने चिट्ठी में दुखी मन से लिखा था कि मेरी जस्टिस स्वर्णकांता जी से न्याय मिलने की उम्मीद टूट गई है इसलिए मैंने महात्मा गांधी की तरह सत्याग्रह पर चलने का फैसला लिया है। अब वह खुद या वकील के जरिए जस्टिस स्वर्णकांता के सामने पेश नहीं होंगे। उन्होंने जस्टिस स्वर्णकांता के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की बात कही थी। अब मनीष सिसोदिया भी केजरीवाल की राह पर चल पड़े हैं। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें आबकारी नीति मामले की सुनवाई से जस्टिस शर्मा को अलग करने की मांग की गई थी। जिसके बाद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की चिट्ठी सामने आई है।

बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट में दिए हलफनामे में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के दोनों बच्चों का जिक्र करते हुए कहा कि जज के दोनों बच्चे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अधीन काम करते हैं। उनके दोनों बच्चे केंद्र सरकार के पैनल काउंसिल के रूप में काम करते हैं और उन्हें मामलों का आवंटन तुषार मेहता के माध्यम से होता है। केजरीवाल ने दलील दी है कि चूंकि सीबीआई की ओर से तुषार मेहता वकील हैं, इसलिए जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा उनके खिलाफ आदेश कैसे दे पाएंगी।

पाला बदलने के बाद बीजेपी से सिर्फ इन 2 नेताओं को फॉलो कर रहे राघव चड्ढा, कांग्रेस भी लिस्ट में

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को बीते दिनों उस वक्त बड़ी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था जब सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोवर्स में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। चड्ढा को बीजेपी में शामिल हुए आज पांच दिन हो जाएंगे। इस क्रम में यह भी सामने आया है कि वह अभी बीजेपी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को फॉलो करते हैं। समाचार लिखे जाने तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार चड्ढा इंस्टाग्राम पर कुल 70 लोगों और संस्थाओं को फॉलो करते हैं जिसमें विभिन्न न्यूज प्लेटफॉर्म्स के अलावा कुछ सियासी दल

भी शामिल हैं। सियासी दलों की बात करें तो चड्ढा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भी फॉलो कर रहे हैं। हालांकि उनकी लिस्ट में अभी तक भारतीय जनता पार्टी का आधिकारिक अकाउंट नहीं है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया साइट एक्स पर 713 लोगों और संस्थाओं को फॉलो करने वाले चड्ढा की लिस्ट में आम आदमी पार्टी का अधिकृत अकाउंट भी शामिल है।

नयागढ़ में सड़क हादसा

50 यात्रियों से भरी बस पलटी, 20 गंभीर रूप से घायल

भुवनेश्वर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के नयागढ़ जिले के बालूगांव क्षेत्र अंतर्गत चेदापड़ा के पास मंगलवार को एक यात्री बस पलट जाने से कम से कम 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस राकामा से नयागढ़ जा रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे बस सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना के सही कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि बस में करीब 50 यात्री सवार थे।

बस पलटते ही कई यात्री गिर पड़े और चीख-पुकार मच गई। हादसे में करीब 20 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि कई अन्य को मामूली चोटें आई हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में जुट गए। लोगों ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही फतेगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव व राहत कार्य शुरू कराया। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालने और घायलों को इलाज दिलाने के प्रयास जारी हैं। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

10 लड़कियों को शिकार बनाने का आरोपी शाहिद गिरफ्तार

कोल्हापुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। वो पहले लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाता, फिर भरोसा जीत उनके अश्लील वीडियो बना लेता। इसके बाद शुरू करता ब्लैकमेलिंग का खेल। महाराष्ट्र में कोल्हापुर के हातकणंगले तालुका के पुलाची शिरोली इलाके में शाहिद सनदी नाम के एक शख्स को गिरफ्तार हुआ है, जिसपर लड़की के साथ यौन उत्पीड़न कर, अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगा है।

आरोप है कि शाहिद अब तक 10 लड़कियों को अपना शिकार बना चुका है। शाहिद का गंदा खेल यूं ही चल रहा था, क्योंकि किसी भी लड़की ने बदनामी के डर से उसके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं की थी। लेकिन एक 20 वर्षीय पीड़िता ने रविवार रात हिम्मत जुटाई और राजारामपुरी पुलिस स्टेशन में शाहिद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

आतंकी साजिश नाकाम

ग्रेनेड और हथियारों के साथ पांच संदिग्ध गिरफ्तार, यूएपीए के तहत मामला दर्ज

श्रीनगर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीनगर शहर के खानमोह इलाके में पुलिस ने चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी पुलिस पोस्ट खानमोह (पीपी खानमोह) की टीम द्वारा नर्द संगरी क्षेत्र में की गई जांच के दौरान हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार लोगों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, दो मैगजीन, गोलियों के कुछ राउंड, आपत्तिजनक पोस्टर और छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। बरामद सामग्री के आधार पर मामला गंभीर माना जा रहा है। इस संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामला पंथाचौक पुलिस स्टेशन में दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए की गई नियमित चेकिंग का हिस्सा थी। फिलहाल मामले की जांच जारी है और अन्य संभावित कड़ियों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पेड़ से टकराई कार, हज यात्रियों को विदा कर लौट रहे 3 लोगों की मौत

छिंदवाड़ा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में आज (28 अप्रैल) सुबह एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है। नागपुर से हज यात्रियों को छोड़कर वापस लौट रहे एक परिवार की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। यह दुर्घटना सुबह लगभग 05:30 से 06:00 बजे के मध्य हुई, जिसमें तीन लोगों की मृत्यु हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, सिंगोड़ी का यह परिवार अपने परिजनों को हज यात्रा के लिए नागपुर छोड़कर वापस लौट रहा था। कार क्रमांक एमपी13-एजे-4849 जैसे ही छिंदवाड़ा मार्ग पर पहुंची, सुबह के वक्त अचानक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर ही चीख-पुकार मच गई।

दाऊद इब्राहिम का करीबी सलीम डोला को लाया गया भारत

मुंबई, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी माने जाने वाले सलीम डोला को भारत डिपोर्ट कर लिया गया है। खुफिया एजेंसियों के एक बड़े ऑपरेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से सलीम डोला को भारत लाया गया है। जहां अब उससे कड़ी पूछताछ की जाएगी। अंडरवर्ल्ड नेटवर्क को लेकर कई अहम खुलासे हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, सलीम डोला को आज सुबह एक विशेष विमान के जरिए दिल्ली के एयरपोर्ट पर लाया गया, जहां उसे औपचारिक रूप से डिपोर्ट किया गया।

फिलहाल सलीम डोला खुफिया एजेंसियों की कड़ी पूछताछ का सामना कर रहा है। बताया जा रहा है कि सलीम डोला को हाल ही में इस्तांबुल में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी

के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे इस्तांबुल से भारत डिपोर्ट किया गया। सूत्रों के अनुसार, शुरुआती पूछताछ के बाद सलीम डोला को मुंबई पुलिस को हैंडओवर किया जाएगा। इसके बाद उसे मुंबई ले जाकर आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

माना जा रहा है कि सलीम डोला से पूछताछ के दौरान अंडरवर्ल्ड नेटवर्क और उससे जुड़े कई अहम मामलों में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। मुंबई पुलिस भी सलीम डोला से पूछताछ करने वाली है।

आप विधायक मेहराज मलिक जेल से रिहा

बाहर आते ही बोले- 'जनता की आवाज उठाता रहूंगा'

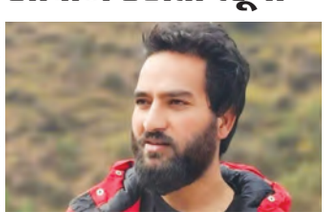

जम्मू, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। आप विधायक मेहराज मलिक को कठुआ जेल से मंगलवार को रिहा कर दिया गया जिसके बाद उन्होंने लोगों के मुद्दे उठाने का संकल्प दोहराया। यह रिहाई जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय द्वारा उनकी पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत की गई हिरासत को रद्द किए जाने के बाद हुई। मामले में न्यायालय ने कहा था कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी हिरासत आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं था और इसमें सोच-विचार की कमी पाई गई। कोर्ट ने आदेश देते हुए तुरंत रिहाई के निर्देश दिए थे।

जेल से बाहर आने पर समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया और फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। मलिक ने कहा कि वह अब पहले की तरह जनता की आवाज उठाते रहेंगे और उनके मुद्दों को मजबूती से सामने लाते रहेंगे। मलिक को पिछले साल सितंबर में सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों के चलते पीएसए के तहत हिरासत में लिया गया था और उन्हें कठुआ जेल भेजा गया था। बाद में उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपनी हिरासत को चुनौती दी थी। फिलहाल कोर्ट के फैसले के बाद मामले का कानूनी अध्याय समाप्त हो गया है,

29 आदिवासियों की 44 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्री का कब्जा

इंदौर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला प्रशासन पर 29 आदिवासी किसानों की पुश्तैनी जमीन लैंड यूज नियमों को नजरअंदाज कर उद्योग को लीज पर देने का आरोप है। किसानों का दावा है कि उनकी कृषि भूमि को गलत तरीके से नजूल भूमि घोषित कर दिया गया, जिससे 29 परिवार अब मजदूरी करने को मजबूर हैं। बेबस किसानों ने अब न्याय के लिए कोर्ट की शरण ली है। पूरा मामला पीथमपुर के पास काली बिल्लोद स्थित खसरा नंबर 278 की करीब 44 एकड़ की जमीन का है। 1976 में सरकार ने 29 अनुसूचित जनजाति (एसटी) के परिवारों को शासन की एक योजना के तहत यह जमीन अलॉट की गई थी। उस समय शासन ने इन परिवारों को वन भूमि पर काबिज मानते हुए पट्टे दिए थे।

पीजी में लगी आग: चौथी मंजिल से कूद गईं 50 युवतियां

बेंगलुरु, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। बेंगलुरु में रविवार की रात एक पीजी में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते यह पूरे बिल्डिंग में फैल गई और फिर युवतियों को अपनी जान बचाने के लिए 4 मंजिला इमारत से नीचे कूदना पड़ा।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में आग लगने के बाद मची अफरा-तफरी और दहशत देखी जा सकती है। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद जब युवतियों को जान बचाने का कोई दूसरा मौका नहीं दिखा, तो उन्होंने बिल्डिंग से छलांग लगा दी।

अधिकारियों के मुताबिक, आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक एलईडी बैनर की दुकान में लगी। इसके बाद वह तेजी से फैलती गई। बगल में ही पीजी की बिल्डिंग थी। कुछ ही मिनट में आग ने पूरी इमारत को अपने चपेट में ले लिया और किसी को भी संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना में किसी की जान नहीं गई और न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अब मामले की जांच की जा रही है कि इतनी तेजी से रिहाइशी इमारत में आग कैसे पहुंच गई।

कलमा पढ़ने से इंकार करने पर चाकू मारने के मामले पर सीएम देवेंद्र फडणवीस सख्त

कहा- एनआईए भी करेगी जांच

मुंबई, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मीरा रोड के नया नगर में दो सिक्योरिटी गार्ड्स पर धर्म पूछकर हमला करने की घटना को राज्य प्रशासन ने काफी गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर संज्ञान लेते हुए कहा कि एटीएस के साथ ही एनआईए भी इस घटना की जांच करेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपी का किसी प्रकार का जिहाद करना या कि किसी अन्य धर्म के व्यक्ति को मारना। यह सेल्फ रेडिक्लाइजेशन का मामला लगता है।

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि एटीएस और एनआईए जांच कर पता लगाएगी कि आरोपी कैसे इस प्रकार की मनोवृत्ति तक पहुंचा? क्या कोई और भी इस तरह की स्थिति में है? इन सबका पता लगाया जाएगा। सोलापुर में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने यह बात कही। फडणवीस ने कहा कि यह मामला "सेल्फ रेडिकलाइजेशन" का प्रतीत होता है। मुख्यमंत्री के अनुसार, आरोपी युवक के घर से कुछ किताबें और आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि यह युवक अमेरिका में रहता है और हाल ही में यहां आया था। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि वह कट्टरपंथ की ओर झुक गया था और उसके मन में "जिहाद" के नाम पर हिंदू समुदाय के लोगों पर हमला करने का विचार था, जिसके चलते उसने इस घटना को अंजाम दिया।

इस मामले की जांच फिलहाल एटीएस और एनआईए द्वारा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इन एजेंसियों को पूरा सहयोग दे रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जांच का दायरा केवल आरोपी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पता लगाया जाएगा कि उसके रेडिकलाइजेशन के पीछे कौन लोग या नेटवर्क सक्रिय थे। पूरे मामले की गहराई से जांच की जाएगी ताकि किसी भी संभावित साजिश का खुलासा हो सके।

'बंगाल में बांग्ला तो महाराष्ट्र में मराठी से दिक्कत क्यों?' टैक्सी चालकों के भाषा विवाद पर राउत

मुंबई, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा को अनिवार्य किए जाने के मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। इसी बीच अब इस मामले में शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह नियम किसी एक राज्य के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश में स्थानीय भाषा के सम्मान के लिए होना चाहिए। राउत ने कहा कि जैसे पश्चिम बंगाल में बांग्ला, गुजरात में गुजराती, कर्नाटक में कन्नड़ और पंजाब में पंजाबी भाषा जरूरी है, तो महाराष्ट्र में मराठी भाषा को अनिवार्य किए जाने से दिक्कत क्यों? उन्होंने कहा कि अगर महाराष्ट्र में स्थानीय भाषा को जरूरी बनाया जा रहा है तो इसमें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

उनके अनुसार, कुछ लोग वोट बैंक की राजनीति के कारण मराठी भाषा का विरोध कर रहे हैं, जो सही नहीं है। संजय राउत ने यह भी कहा कि यह नियम ड्राइवरों के खिलाफ नहीं बल्कि उनके अपने फायदे के लिए है। अपने बयान में राउत ने इस बात पर जोर दिया कि अगर ऑटो और टैक्सी चालक मराठी भाषा समझेंगे तो उन्हें स्थानीय लोगों से बातचीत करने और काम करने में आसानी होगी।

कश्मीर में फिर लौटेगा 370 का दौर

फारूक अब्दुल्ला के बयान से लग रहीं अटकलें

जम्मू, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर एक बार फिर राजनीति गर्मा गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि उनकी पार्टी का मुख्य एजेंडा प्रदेश में अनुच्छेद 370 की बहाली है ताकि यहां के लोगों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा की जा सके। फारूक अब्दुल्ला ने मध्य कश्मीर के बडगाम में एक जनसभा को संबोधित करते राज्य के लोगों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई जिसमें वर्ष 2019 में केंद्र द्वारा निरस्त किए गए अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस संघर्ष से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है'।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दोहरी सरकार प्रणाली केंद्र शासित प्रदेश के विकास के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की नींव उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और कश्मीर के शहीदों के बलिदान पर टिकी है, जिन्होंने लोगों की गरिमा, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार को डेढ़ साल बीत चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने चुनाव के तुरंत बाद

राज्य का दर्जा बहाल करने का जो वादा किया था उसे नहीं निभाया है। फारूक अब्दुल्ला का बयान जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय सम्मेलन के सांसद रुहुल्लाह मेहदी द्वारा राज्य सरकार पर अनुच्छेद 370 के मुद्दे और जम्मू-कश्मीर के संवैधानिक संरक्षणों के लिए संघर्ष को कथित तौर पर त्यागने के आरोपों के बाद आया है। गौर हो कि केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटा दिया था। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था।

अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर को एक विशेष राज्य का दर्जा देता था, जिसके तहत राज्य का अपना संविधान था और केंद्र का कुछ मामलों को छोड़कर कानून सीधे यहां लागू नहीं होते थे। इसके अलावा बाहरी व्यक्ति यहां जमीन भी नहीं खरीद सकता था।

मंत्री-आईएएस विवाद

मंत्री राकेश सिंह पर आईएएस शाह को धमकाने का आरोप, आईएएस एसोसिएशन को शिकायत

भोपाल, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। लोक निर्माण मंत्री राकेश पर स्मार्ट सिटी के सीईओ एवं आईएएस अधिकारी अरविंद सिंह के साथ कथित अभद्र व्यवहार और धमकाने के आरोप सामने आए। मामले को लेकर अरविंद शाह ने अपना पक्ष आईएएस एसोसिएशन के समक्ष रखा है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में मंत्री राकेश सिंह ने अरविंद शाह को अपने बंगले पर बुलाया था। आरोप है कि इस दौरान अधिकारी को करीब एक घंटे तक वहां रोके रखा गया और बातचीत के दौरान उनके साथ कथित तौर पर अपमानजनक व्यवहार किया गया। बताया जा रहा है कि इस घटनाक्रम से आहत अरविंद शाह ने पूरे मामले की जानकारी आईएएस एसोसिएशन को दी। इसके बाद एसोसिएशन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री से मुलाकात की।

मंत्री का कहना है कि आईएएस ने एक महिला कर्मचारी के साथ अभद्र व्यवहार किया और उनका फटकारा। आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव ने कहा कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी मुख्यमंत्री मोहन यादव को दी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

स्वयं में दैवी गुणों का आह्वान करो तो अवगुण भाग जायेंगे

सिंगापुर, टोक्यो और न्यूयॉर्क के समकक्ष विकसित होगा फ्यूचर सिटी : मुख्यमंत्री

> सीएम ने फ्यूचर सिटी पुलिस आयुक्तालय की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि महत्वाकांक्षी फ्यूचर सिटी को सिंगापुर, टोक्यो और न्यूयॉर्क के समकक्ष विकसित किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि नई नगरी के लिए भूमि अधिग्रहण के बदले किसानों के हितों की रक्षा करते हुए उन्हें उचित मुआवजा प्रदान किया जाएगा मुख्यमंत्री ने मंगलवार को फ्यूचर सिटी में फ्यूचर सिटी पुलिस आयुक्तालय की आधारशिला रखी।

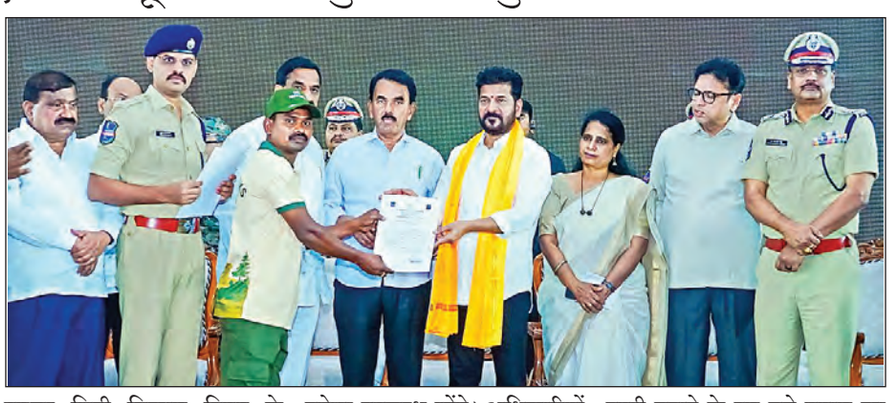

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग अपने गांवों को फ्यूचर सिटी की सीमा में शामिल करने का अनुरोध लेकर उनके पास आए थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्राम सभाएं आयोजित कर निवासियों की इच्छा के अनुसार गांवों को आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि फ्यूचर सिटी विकास निगम के कार्यालय का उद्घाटन 2 जून तक कर दिया जाएगा तथा जिन किसानों की भूमि गई है, उन्हें सरकार पूरा सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि किसी को कोई नुकसान न हो। उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गरीब और वंचित वर्गों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ देखें। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार फ्यूचर सिटी से ही समीक्षा बैठकें आयोजित करेगी और प्रत्यक्ष रूप से निवेश आमंत्रित करेगी। उन्होंने सभी से अपील की कि फ्यूचर सिटी को विश्व स्तरीय भव्य नगरी बनाने के इस बड़े प्रयास का समर्थन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाहरी परिधि मार्ग के निर्माण के समय भी कई लोगों ने संदेह व्यक्त किया था और विरोध किया था, किंतु आज यह देश की एक उत्कृष्ट संरचना बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने फ्यूचर सिटी परियोजना को लेकर असत्य प्रचार करने के लिए बीआरएस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कुछ लोग विकास कार्यों में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं, किंतु उनके प्रयास सफल नहीं होंगे। उन्होंने दोहराया कि फ्यूचर सिटी को वैश्विक निवेश के लिए सर्वोत्तम केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि देशभर में स्वीकृत सात तीव्रगति रेल परियोजनाओं में से तीन तेलंगाना को प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलुरू-हैदराबाद, शमशाबाद-पुणे तथा शमशाबाद-अमरावती-चेन्नई को जोड़ने वाली तीव्रगति रेल परियोजनाओं को भी स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे रंगारेड्डी जिला विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने माओवादी कार्यकर्ताओं से भी मुख्यधारा में लौटने की अपील करते हुए कहा कि सरकार उनके पुनर्वास, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था करने के लिए तैयार है।

हैदराबाद को चिकित्सा पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा : मंत्री

अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पर्यटन आयोजन जून में कराने के निर्देश

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने कहा कि हैदराबाद को चिकित्सा पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को जून माह में अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पर्यटन आयोजन कराने की तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन के प्रबंधन के लिए पर्यटन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। इस संबंध में मंत्री ने मंगलवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में स्वास्थ्य और पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में चिकित्सा पर्यटन के विकास के लिए उठाए जाने वाले कदमों तथा उससे होने वाले लाभों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मंत्री ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा हैदराबाद को चिकित्सा पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए दिए गए सुझावों का भी उल्लेख किया। दामोदर राजा नरसिम्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अब से प्रत्येक वर्ष हैदराबाद में कम से कम एक चिकित्सा पर्यटन आयोजन कराने का निर्णय लिया है और अधिकारियों को इस जून में पहले ऐसे आयोजन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने सुझाव दिया कि इस आयोजन में देश और विदेश के प्रमुख चिकित्सा तथा औषधि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। उन्होंने चिकित्सा पर्यटन से जुड़े निजी संगठनों को भी इस आयोजन में भागीदार बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अफ्रीका, एशिया, मध्य पूर्व सहित अन्य क्षेत्रों के देशों से प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने का सुझाव दिया। मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि हैदराबाद स्थित निजी एवं कॉरपोरेट अस्पतालों के साथ-साथ निम्स, टिम्स, उस्मानिया और गांधी जैसे सरकारी अस्पतालों का भी दौरा कराया जाए। राजा नरसिम्हा ने हैदराबाद में स्थापित किए जा रहे तीन टिम्स अस्पतालों में अंतरराष्ट्रीय रोगी सेवा विभाग स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने प्रत्येक अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय रोगियों के लिए पचास

शैय्याओं वाला एक समर्पित वार्ड बनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि देश और विदेश से आने वाले रोगियों से सरकारी अस्पतालों को राजस्व प्राप्त होगा, जिससे अस्पतालों का प्रबंधन सुदृढ़ होगा और स्थानीय नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। चिकित्सा भर्ती बोर्ड द्वारा सरकारी अस्पतालों में 2,322 नर्सिंग अधिकारी पदों की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करने की व्यवस्था की जाए।

14 वर्षीय सहरुदा का भरतनाट्यम अरंगेत्रम 2 मई को

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की 14 वर्षीय भरतनाट्यम नर्तक सहरुदा 2 मई को सुबह 11 बजे रवींद्र भारती में अपना अरंगेत्रम प्रस्तुत करेंगी। वह गुरु गायत्री अर्नाल्कर पलेशा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। सहरुदा हैदराबाद पब्लिक स्कूल में कक्षा 10 की छात्रा हैं और कई प्रतिभाओं की धनी हैं। वह कराटे में ब्लैक बेल्ट हैं, ऑयल पेंटिंग में रुचि रखती हैं और राष्ट्रीय स्तर की जूनियर मॉडल रह चुकी हैं। उन्होंने थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और बेल्जियम में मॉडल यूनाइटेड नेशंस तथा ब्राजील में सीओपी 30 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों में भी भाग लिया है।

वह विश्व स्तर पर प्रसिद्ध भरतनाट्यम संस्थान गायत्री गतिविद्या गुरुकुल से जुड़ी हैं, जहां 20 से अधिक देशों के छात्र प्रशिक्षण लेते हैं। उनकी गुरु गायत्री अर्नाल्कर पलेशा को भरतनाट्यम में 18 वर्षों से अधिक का अनुभव है और उन्होंने इस कला में उच्च शिक्षा भी प्राप्त की है। इस अरंगेत्रम में शावंती श्रीकर गायन, एम चंद्र कंठ मृदंगम, ए शिव कृष्ण स्वरूप वायलिन पर संगत देंगे। वहीं सुरभि और राधिका मेकअप तथा तारिकिता पोशाक की जिम्मेदारी संभालेंगी।

सीवी आनंद बने तेलंगाना के नए पुलिस महानिदेशक

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी सीवी आनंद को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। सीवी आनंद वर्तमान में राज्य के गृह विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वे हैदराबाद और साइबराबाद के पुलिस आयुक्त के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने तेलंगाना एंटी करप्शन ब्यूरो के महानिदेशक के पद पर भी काम किया है। उन्हें वर्ष 2002 में राष्ट्रपति वीरता पदक से सम्मानित किया जा चुका है। अपने करियर के दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मौजूदा डीजीपी बी शिवधर रेड्डी इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिसके बाद सीवी आनंद यह जिम्मेदारी संभालेंगे।

दत्तात्रेय ने कोविंद से भेंट की, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर चर्चा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार को यहां लोक भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात सौहार्द एवं आपसी सम्मान के वातावरण में संपन्न हुई। दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा की तथा अपने दीर्घकालीन संबंधों को स्मरण किया। कोविंद ने बताया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव पर गठित समिति, जिसकी अध्यक्षता उन्होंने की थी, अपनी रिपोर्ट भारत के राष्ट्रपति को सौंप चुकी है।

उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट अब संसद को भेज दी गई है, जहां एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया है, जो वर्तमान में इसकी समीक्षा कर रही है। कोविंद ने दत्तात्रेय के स्वास्थ्य एवं दैनिक गतिविधियों के बारे में भी जानकारी ली, जो उनके निकट व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाता है।

यह केंद्र नवाचार को बढ़ावा देगा : चंद्रबाबू नायडू

भारत की तकनीकी आकांक्षाओं को मिला बल : अश्विनी वैष्णव
गूगल ने विशाल कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र की आधारशिला रखी

विशाखापट्टनम, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गूगल ने मंगलवार को विशाखापट्टनम में अपने अब तक के भारत में सबसे बड़े निवेश के तहत एक विशाल कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र की आधारशिला रखी।

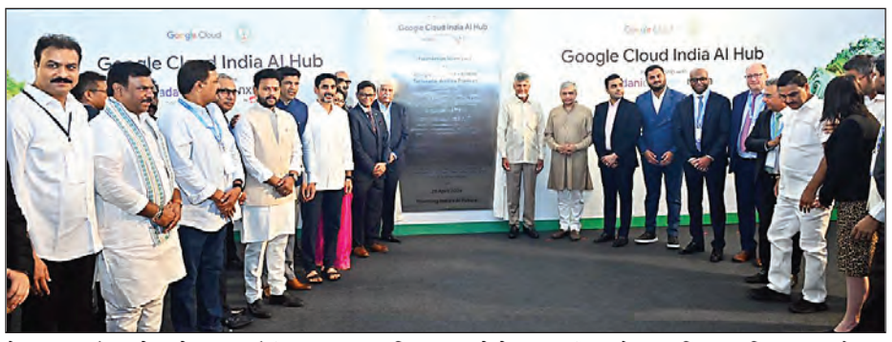

यह पहल देश के डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अवसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सरकार के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह परियोजना वर्ष 2026 से 2030 के बीच 15 अरब डॉलर के निवेश योजना का हिस्सा है, जिसे अदानी कॉनेक्स और एयरटेल की इकाई के सहयोग से विकसित किया जा रहा है। इसमें भारत का पहला गीगावाट स्तर का कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिसमें तीन आंकड़ा केंद्र परिसर शामिल होंगे। तर्लुवाडा में आयोजित आधारशिला कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू तथा मंत्री नारा लोकेश सहित गूगल, अदानी समूह और भारती उद्यम समूह के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका की वाणिज्य दूतावास की प्रतिनिधि लौरा विलियम्स, अदानी समूह के अध्यक्ष जीत अदानी, अदानी पोर्ट्स एवं विशेष आर्थिक क्षेत्र के प्रबंध निदेशक करण अदानी, गूगल वैश्विक अवसंरचना के उपाध्यक्ष बिकाश कोले, भारती उद्यम के उपाध्यक्ष राकेश मित्तल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। अश्विनी वैष्णव ने इस परियोजना को भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की आधारशिला बताते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी नेता बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि यह केंद्र नवाचार को बढ़ावा देगा, उच्च मूल्य वाले रोजगार सृजित करेगा तथा आंध्र प्रदेश को वैश्विक डिजिटल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। वहीं गूगल क्लाउड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थॉमस कुरियन ने इसे भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। इस परियोजना में अवसंरचना के साथ-साथ समुद्र के भीतर केबल संपर्क, स्वच्छ ऊर्जा का समावेशन तथा सामुदायिक पहल भी शामिल हैं, जिनमें जल संरक्षण, मत्स्य क्षेत्र का डिजिटलीकरण, महिला उद्यमिता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मिलित हैं। भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता शक्ति सम्मेलन के शुभारंभ के साथ इस पहल का उद्देश्य एक व्यापक औद्योगिक गलियारा विकसित करना है, जिससे स्थानीय उद्योगों तथा लघु एवं मध्यम उद्यमों को वैश्विक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ा जा सके। विशाखापट्टनम स्थित यह केंद्र कम विलंबता और उच्च प्रदर्शन वाली संगणना सुविधाएं प्रदान करेगा, जिससे व्यवसाय, नवप्रवर्तक और शोधकर्ता कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचार को विस्तार दे सकेंगे। इसके साथ ही गूगल द्वारा कौशल, व्यापार और तत्परता कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत निर्माण, वेल्डिंग और सुविधा संचालन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर एक हजार से अधिक स्थानीय युवाओं को डिजिटल अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए तैयार किया जाएगा।

वाहन पोर्टल में शुरूआती दिक्कतों के बाद सुधार

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में शुरू किए गए वाहन पोर्टल में शुरूआती तकनीकी समस्याओं के बाद अब स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही है। परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह सिस्टम जल्द ही पूरी तरह स्थिर हो जाएगा और लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। 23 मार्च को शुरू किए गए इस पोर्टल के माध्यम से अब तक 59,567 अस्थायी वाहन पंजीकरण किए जा चुके हैं। इसके अलावा 9,282 वाहनों का स्थायी पंजीकरण भी पूरा हो चुका है, जो सिस्टम में सुधार का संकेत है। अधिकारियों के अनुसार, पोर्टल को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की टीम लगातार सॉफ्टवेयर में सुधार कर रही है और समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा रहा है। उम्मीद है कि अगले एक महीने में सिस्टम पूरी तरह से ठीक हो जाएगा। फिलहाल करीब 40,000 अस्थायी पंजीकरण लंबित हैं, जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। पोर्टल के फैंसी नंबर नीलामी सिस्टम को भी अच्छा प्रतिसाद मिला है, जिसके तहत अब तक 1,262 विशेष नंबर आवंटित किए जा चुके हैं।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public that **Sri Arvind Kumar Agarwal, S/o: Jagdish Prasad Agarwal**, R/o: 3-4-94 to 812/1, Parnava Avenues, flat No. 302, Near CC Shroff Hospital, Barkatpura, Hyderabad was maintaining a current account with A/C No. 1066034651, Central Bank of India, Begum Bazar, Hyderabad and had been in possession of cheque books pertaining to the said account issued by the bank and the said account is inoperative since almost (10) years.
It is hereby informed that certain signed cheque leaves bearing No's 236702, 236703, 236709, 236710, 236738, 236743, 294404, 294419, 294421, 294427, 294429, 294430, 294437, 294444, 294447, 294449, 294451, 294453, 294455 to 294460, 294463 to 294465, 294467 to 294472 of current account with a/c No. 1066034651, Central Bank of India, Begum Bazar, Hyderabad and documents relating to the undersigned are not traceable/are out of the custody of the undersigned, and the undersigned has a bonafide apprehension that the same may be misused, manipulated or presented without authority.
It has already come to the knowledge of the undersigned that one such cheque has been misused and a false document has been created, and there is a reasonable apprehension that other cheque leaves and documents, may also be misused or fabricated.
It is further stated that Sri Purushottam Lal Goel, is involved in an existing criminal dispute and an FIR bearing No. 56/2023 under Sections 324 and 506 IPC is pending against him. In view of such strained relations, any claim based on cheque or document purportedly relating to the undersigned is false and disputed.
The general public is hereby cautioned not to accept, deal with, negotiate, or act upon any cheque(s), document(s), or instrument(s) purportedly relating to the undersigned, including any promissory note or receipt, as the same are disputed instruments. Any person dealing with such instruments shall do so at their own risk and responsibility.
If any person is in possession of any such cheque(s) or document(s), they are requested to verify the authenticity with the undersigned before acting upon the same.

Dinesh Jaiswal,
Vikas Raj Jaiswal, *Advocates*,
D.No.14-8-23, Chudi Bazar, Begum Bazar, Hyderabad-500012
Cell No: 9948087688

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Dilip Kumar Mondal, Father of No. 14658836W, Hav, Biplob Mondal, R/o, Dist : Murshidabad, West Bengal, changed my name from Dilip Kumar Mondal to Dilip Mondal vide Affidavit No. 466504 dt. 27.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Astra Sakhi Mondal, Mother of No. 14658836W, Hav, Biplob Mondal, R/o, Dist: Murshidabad, West Bengal, changed my name from Astra Sakhi Mondal to Astasakhi Mondal vide Affidavit No. 466502 dt. 27.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, SK Rita D/o Sri Kadthal Sudhakar R/o H.No.3-72/31/A, PJR Nagar, Khajaguda, Serilingampally, Hyd. TS. Changed my Name as KADTHAL RITHIKA.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA

गृह मंत्रालय भारत सरकार सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

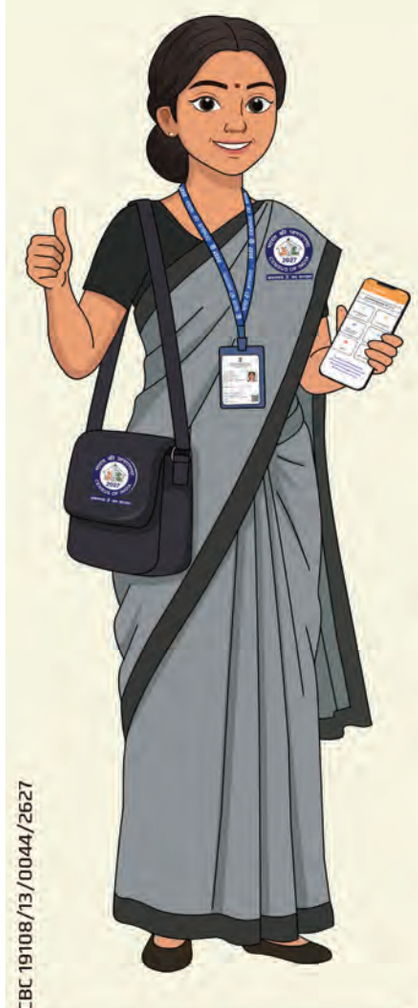

स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
- अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
- गोपनीयता सुनिश्चित
- जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है

स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
- मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
- OTP द्वारा सत्यापन करें
- स्व-गणना शुरू करें

अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
- जिला / पिनकोड चुनें
- क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
- मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
- सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है

क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
- सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
- सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा

क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?
नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है

यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?
प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है

क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?
हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC 19108/13/0044/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी

CensusIndia2027

नर्सरी से आठवीं तक के सभी स्कूलों का बदला टाइम, भीषण गर्मी के चलते लिया गया फैसला

गाजियाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भीषण गर्मी के चलते तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। हीट वेव को देखते हुए गाजियाबाद और नोएडा के स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने ये आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया है कि गाजियाबाद और नोएडा के यूपी बोर्ड, सीबीएससी, बोर्ड, आईसीएससी बोर्ड के कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के सभी स्कूल सुबह 7.30 से दोपहर 12:30 बजे तक ही खुलेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय छात्रों को दोपहर की भीषण गर्मी के चलते लिया गया है। स्कूलों के समय में हुए बदलाव का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने, पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दिन के सबसे गर्म समय के दौरान सभी बाहरी गतिविधियों को स्थगित करने को कहा गया है।

बिहार को बड़ा तोहफा

बिहटा में खुला एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर; मांझी का विपक्ष पर तंज-अब बताइए राज्य को क्या मिला?

बिहटा (पटना), 28 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहटा के सिकंदरपुर में मंगलवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार के नए प्रौद्योगिकी केंद्र का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विभागीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीप प्रज्जवलन के बाद शिलापट का अनावरण किया। इसके साथ ही मुजफ्फरपुर, रोहतास, दरभंगा और मुंगेर में एक्सटेंशन सेंटर भी खोले गए। उद्घाटन समारोह स्थल पर कई स्टॉल लगाए गए। सीएम और केंद्रीय मंत्री ने इनका निरीक्षण किया। इस केंद्र के बारे में बताया गया कि बिहार के युवाओं को रोजगार से जोड़ने में मदद मिलेगी।

खासकर एससी एवं एसटी वर्ग के लोगों को अपने कारोबार को शुरू करने एवं बढ़ावा देने में इससे मदद मिलेगी। उन्हें सरकारी लाभ के बारे में भी जानकारी मिलेगी। एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री मांझी ने इसकी सूचना साझा करते हुए विपक्ष पर तंज कसा था। अपने एक्स हैंडल पर उन्होंने लिखा, हमेशा अपने गया जी के लिए ख़ुशख़बरी सुनाते थे तो विरोधिया सब पूछता था बिहार को का मिला? लिजिए भाई अब बिहार के लिए भी खुशखबरी सुन लीजिए।

28 अप्रैल को दिन के 11 बजे, मतलब परसों सुबह 11 बजे पटना के बिहटा(सिकंदरपुर) में अपने मंत्रालय द्वारा अरबों की लागत से टेक्नॉलॉजी सेंटर का उदघाटन किया है। इसके साथ ही मुजफ्फरपुर, दरभंगा, रोहतास और सीएम के विशेष आग्रह पर मुंगेर में बना एक्सटेंशन सेंटर का उद्घाटन किया जा रहा है। मांझी ने आम जन से अपील की कि आप सब भी आईए आउर दोनों हाथ उठाकर कहिए, नरेंद्र मोदी संग चल पड़ा बिहार,जय हो मोदी सरकार।

तालाब में डूबने से 2 बच्चियों की मौत

नालंदा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सरमेरा मोहल्ले में शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गई। तालाब में डूबने से 2 बच्चियों की मौत हो गई। स्नान करने के दौरान हादसा हुआ है। मृतका की पहचान रामबली राम की पुत्री खुशबू कुमारी(14) और दुखन राम की बेटी राधा कुमारी(13) के तौर पर हुई है। घटना सरमेरा थाना क्षेत्र की है। राधा के चाचा श्याम सुंदर राम ने बताया कि गांव में पवन राम की बेटी की शादी थी। 'मड़वा' की रस्म के लिए महिलाएं तालाब में स्नान करने गई थीं। दोनों बच्चियां भी साथ चली गई रस्म के बाद बाकी लोग तो घर वापस लौट आए, लेकिन काफी देर तक खुशबू और राधा का कहीं पता नहीं चला।

अनहोनी की आशंका के चलते भारी संख्या में लोग तालाब की ओर दौड़े। स्थानीय युवाओं ने करीब तीन से चार घंटे के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला। आनन-फानन में अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। लेकिन जान नहीं बची।

नाबालिग को बंधक बनाकर गैंगरेप

किशनगंज, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। किशनगंज के पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र की नाबालिग को बंधक बनाकर रेप करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पहाड़कट्टा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है। प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद पुलिस घटना के अनुसंधान में जुट गई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार दो युवकों ने नाबालिग का अपहरण घर के पास से ही कर लिया था। उसके बाद उसे जबरन बंगाल के एक स्थान पर ले जाया गया।

वहां बेचने का प्रयास किया गया। लेकिन बेचने में असफल होने के बाद नाबालिग लड़की को एक घर में बंद कर रखा गया। वहां युवती के साथ दो आरोपियों ने जबरन रेप की घटना को अंजाम दिया। परिजन घटना की जानकारी मिलने पर पहाड़कट्टा थाना पहुंचे। मामले को लेकर पहाड़कट्टा थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई। आवेदन मिलने के बाद थाना में मामला दर्ज किया गया।

सीएम योगी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र, बोले

अब सिफारिश और रिश्वत देकर नहीं योग्यता से मिलती है नौकरी

लखनऊ, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते नौ साल में प्रदेश की छवि पूरी तरह बदल गई है। अब युवाओं को सिफारिश और रिश्वत लेकर नौकरी नहीं दी जाती है बल्कि उनकी योग्यता के आधार पर नियुक्ति होती है।

मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हाल में उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए चयनित प्रधान परिचालकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में सिर्फ 3000 पुलिस जवानों की ट्रेनिंग की क्षमता थी पर अब तक भी 60 हजार पुलिस जवानों का प्रशिक्षण प्रदेश के अपने पुलिस केंद्रों में हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट करता है कि अगर कार्य करने की इच्छाशक्ति हो तो और नीयत साफ हो तो परिणाम लाए जा सकते हैं।

विधायक पप्पू पांडेय को कोर्ट से राहत

भू-माफियाओं को संरक्षण मामले में गिरफ्तारी पर रोक

गोपालगंज, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कुचायकोट के जदयू विधायक अमरेंद्र कुमार पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय तथा उनके सीए राहुल तिवारी को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-तीन सह विशेष न्यायाधीश (सांसद-विधायक कोर्ट) राजेंद्र कुमार पाण्डेय की अदालत ने दोनों की गिरफ्तारी पर अगली सुनवाई की तिथि 7 मई तक रोक लगा दी है।

मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अदालत में प्रस्तुत केस डायरी का अध्ययन करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की। इस पर न्यायालय ने उनकी मांग स्वीकार करते हुए फिलहाल गिरफ्तारी पर रोक का आदेश जारी कर दिया। इससे विधायक और उनके सीए को अंतरिम राहत मिल गई है। बताया जाता है कि भू-माफियाओं को संरक्षण देने के आरोप में अदालत ने पहले दोनों के खिलाफ वारंट जारी किया था। इसको लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई थी। हालांकि, ताजा आदेश के बाद फिलहाल स्थिति स्थिर हो गई है।

वांटेड बीएसए जल्द घोषित होगी भगोड़ा

टीचर सुसाइड केस में है वांटेड

गोरखपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी टीचर सुसाइड केस में अब तक देवरिया की सस्पेंड बीएसए शालिनी श्रीवास्तव और क्लर्क संजीव सिंह जिन पर 25-25 हजार इनाम घोषित है पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस अब दोनों को भगोड़ा घोषित करने की तैयारी में है, इसके लिए जल्द ही कोर्ट में आवेदन देने की तैयारी करने के जुटी है। एनवीडब्ल्यू जारी होने के बावजूद दोनों कोर्ट में हाजिर नहीं हुए हैं। पुलिस ने अब आरोपियों की संपत्ति कुर्क कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कृष्ण मोहन ने लिखे गए सुसाइड नोट और वीडियो में बीएसए शालिनी श्रीवास्तव, क्लर्क संजीव सिंह और रिटायर प्रधानाध्यापक अनिरुद्ध सिंह पर नियुक्ति बहाली के नाम पर 16 लाख रुपये मांगने और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

पत्नी गुड़िया सिंह की तहरीर पर गुलरिहा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में रिटायर प्रधानाध्यापक अनिरुद्ध सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि बीएसए और क्लर्क अब भी फरार हैं। कारवाई के क्रम में पुलिस पहले दोनों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर चुकी थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 25-25 हजार रुपये कर दिया गया। इनकी गिरफ्तारी के चार टीमें लगातार कई जिलों में दबिश दे रही हैं, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं है।

रस्सी से गला घोंटकर मां और 2 बच्चों की हत्या

मुजफ्फरपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। एक महिला और उसके दो बच्चों की हत्या का मामला सामने आया है। कमरे में बेड पर तीनों के शव मिले हैं। घटना पानापुर करियात थाना क्षेत्र के शाहबाजपुर मठ के पास की है। मृतकों की पहचान मिठाई लाल की पत्नी रीता देवी (30), बेटी वैष्णवी (2 साल) और बेटा कन्हैया (3 माह) के तौर पर हुई है। सास का आरोप है कि गांव के कुछ लोगों से उनका विवाद है, जमीन को लेकर लड़ाई है। इसी वजह से मेरी बहू और पोते-पोती की हत्या की गई है। पहले भी मेरे बेटे को उन लोगों ने मारने की कोशिश की थी। इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी मौके पर पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि महिला और 2 बच्चों की मौत हुई है। फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। पुलिस हर पहलू से मामले की तफ्तीश कर रही है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

नेपाल से तस्करी के 25.70 क्विंटल विदेशी अखरोट जब्त

महराजगंज, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। ट्रक में छिपाकर नेपाल से भारत लाई जा रही 25.70 क्विंटल विदेशी अखरोट एसएसबी और सोनौली पुलिस ने थाना क्षेत्र के सीमा स्तंभ संख्या 517/2 के पास से बरामद किया है। ट्रक के साथ पकड़ा गया आरोपित चालक साहिब खान हरियाणा का रहने वाले हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे कस्टम को सिपुर्द कर दिया। आरोपित इसे दिल्ली ले जाने की फिराक में था। पुलिस क्षेत्राधिकारी नौतनवा अनिरुद्ध पटेल की निगरानी में दोपहर करीब 12 बजे सोनौली थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार मिश्र, एसएसबी 22वीं वाहिनी बी समवाय के सहायक कमांडेंट सैफवान एन। और उनकी टीम जांच कर रही थी। सूचना के क्रम में नेपाल सीमा से सटे करीब 10 मीटर भारतीय क्षेत्र में एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। जांच के दौरान ट्रक में विशेष रूप से तैयार किया गया एक गुप्त केबिन मिला, जिसमें 103 बोरियों में कुल 25.70 क्विंटल विदेशी अखरोट छिपाकर रखा गया था।

गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर, दूल्हे के भाई समेत 4 की मौत

हमीरपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। बारातियों से भरी ईको वैन को एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दूल्हे के भाई समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक चालक वैन को लगभग 100 मीटर तक घसीटता ले गया। यह घटना मौदहा कोतवाली क्षेत्र के छिरका गांव के पास एनएच-34 पर हुई। बताया जा रहा है कि सभी लोग एक ईको वैन में सवार होकर महोबा जिले में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी छिरका गांव के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक डंपर ने नियंत्रण खो दिया और वैन में टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया और वैन में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

बागेश्वर बाबा के साथ बैठेंगे तेजप्रताप यादव

वीडियो कॉल कर पूछा-बाबा थोड़ा मेरा राजनीतिक भविष्य क्या हो सकता है, इसे बताएं

पटना, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में एक दिलचस्प तस्वीर सामने आई है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे व जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे बागेश्वर बाबा संत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर सवाल करते नजर आ रहे हैं। मोबाइल पर उन्होंने यह बात की है। वीडियो में तेज प्रताप मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'बाबा मेरा थोड़ा राजनीतिक भविष्य देख लीजिए।' इस पर धीरेंद्र शास्त्री जवाब देते हैं, 'जब साथ बैठेंगे, तब विस्तार से बताएंगे।' तेज प्रताप कहते हैं, जी-जी साथ बैठेंगे। दोनों के बीच यह हल्की-फुल्की बातचीत अब राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गई है। यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि साल 2023 में जब धीरेंद्र शास्त्री का बिहार दौरा प्रस्तावित था, तब तेज प्रताप यादव ने इसका खुलकर विरोध किया था। उन्होंने उस समय बिहार को गांधी और बुद्ध की धरती बताते हुए ऐसे आयोजनों पर आपत्ति जताई थी और जरूरत पड़ने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी भी दी थी।

इतना ही नहीं, तेज प्रताप यादव ने पहले कई मौकों पर धीरेंद्र शास्त्री पर अप्रत्यक्ष रूप से तीखे बयान भी दिए थे और उनकी तुलना विवादित धार्मिक गुरुओं से की थी। ऐसे में अब दोनों के बीच वीडियो कॉल पर सहज बातचीत और राजनीतिक भविष्य को लेकर सवाल पूछना, उनके बदले रुख के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में तेज प्रताप यादव का रुझान धार्मिक गतिविधियों की ओर बढ़ा है। उन्होंने 'संत तेज प्रताप' नाम से सोशल मीडिया पर एक नया प्लेटफॉर्म भी शुरू किया है।

सपा की वजह से मिला पीड़ित परिवार को मुआवजा', अखिलेश यादव के नेता का बड़ा बयान

गाजीपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजीपुर के कटरिया गांव में नाबालिग लड़की की मौत के बाद मचे सियासी घमासान के बीच यूपी सरकार ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता राशि प्रदान की है। जिस पर समाजवादी पार्टी का बयान सामने आया है। सपा नेता ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पीड़ित परिवार को ये सहायता सपा की वजह से मिली है। उन्होंने मामले में सही कार्रवाई नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई।

सपा नेता और पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि गाज़ीपुर में हुई नाबालिग बेटी की मौत का मामला अगर ग़लत था तो सरकार ने पीड़ित परिवार को मुआवजा क्यों दिया और अगर घटना सही थी तो थाना इंचार्ज पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। सपा ने मांग की इस मामले में करंडा थानाध्यक्ष को तत्काल लाइन हाजिर किया जाए और उसके बाद केस की जांच कराई जाए। दरअसल गाजीपुर के कटरिया गांव में नाबालिग बेटी की मौत के बाद से सियासी घमासान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। 22 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के डेलीगेशन पर पथराव किया गया था जिसके बाद 47 लोगों के खिलाफ नामजद और 200 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें करीब 17 लोगों को जेल भी भेजा गया है। सपा नेता ने कहा कि करंडा थाना पुलिस ने लोगों पर जुल्म किया है और इस जुल्म के मूल में करंडा थाना अध्यक्ष है। यदि सब गलत था तो सरकार ने मुआवजा क्यों भेजा घटना सहित ही तो थाना इंचार्ज पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई यह प्रशासन का गैर जिम्मेदाराना हरकत है। जिन्हें जेल भेजा गया है वो कोई अपराधी नहीं है।

स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के 100 वर्ष पूरे सुरेश खन्ना ने कहा- ऑडिट को बनाएं अधिक प्रभावशाली

लखनऊ, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि डिजिटल युग में नवीन तकनीकों का उपयोग करते हुए आडिट को प्रभावशाली व समयबद्ध बनाने पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कर्तव्यनिष्ठा तथा समय प्रबंधन को किसी भी संस्था की सफलता का मूल आधार बताते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों से इन मूल्यों को अपनी कार्यसंस्कृति में शामिल करने की अपील की।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि वित्त मंत्री ने कहा कि लेखा परीक्षा विभाग लोकधन का सजग संरक्षक है। शासन की मंशा के अनुरूप स्वच्छ, समयबद्ध एवं पारदर्शी लेखा परीक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किए जाने पर बल दिया। समारोह में विभाग की एक सदी की यात्रा, पारदर्शी वित्तीय प्रशासन तथा लोकधन की

सुरक्षा में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिकाओं को रेखांकित किया गया। बताया गया कि स्थानीय निधि लेखा विभाग एक अप्रैल 1926 से वित्त विभाग के अधीन एक स्वतंत्र इकाई के रूप में कार्य कर रहा है। विभाग नगर निकायों, स्वायत्तशासी संस्थाओं एवं राज्य सहायता प्राप्त अन्य संस्थाओं की लेखा परीक्षा (आडिट) कर वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित कर रहा है। विभाग के आधुनिकीकरण एवं पेपरलेस आडिट प्रणाली की दिशा में उठाए जा रहे कदमों पर भी चर्चा की गई।

दिल्ली में हत्या, बिहार में सियासत

तेजस्वी-पप्पू ने सरकार को घेरा; नेता प्रतिपक्ष बोले- बिहारी होना अपराध?

पटना, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में खगड़िया निवासी जोमैटो डिलीवरी बॉय की हत्या के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। घटना को लेकर विपक्षी दलों के साथ-साथ कई जनप्रतिनिधियों और कलाकारों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और सरकार से जवाब मांगा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबा पोस्ट कर केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि देश में बिहारी होना ही अपराध जैसा बना दिया गया है। तेजस्वी ने दिल्ली में खगड़िया निवासी 23 वर्षीय युवक पांडव कुमार की हत्या को निंदनीय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहचान के आधार पर हिंसा की यह घटना बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। वहीं पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में

बिहार के लोगों के साथ लगातार अत्याचार की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। इधर भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव ने भी इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि देश की राजधानी में इस तरह की घटना होना बेहद दुखद है और इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए।

इस घटना के बाद प्रवासी बिहारियों की सुरक्षा और सम्मान का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। विपक्ष ने जहां इसे कानून-व्यवस्था और सामाजिक सोच से जुड़ा गंभीर मामला बताया है, वहीं सरकार की ओर से अब तक विस्तृत प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

यूपी चुनाव से पहले कांग्रेस में घमासान! पार्टी के युवा नेता राजा भैया ने पूर्व विधायक पर लगाए गंभीर आरोप

अलीगढ़, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच अलीगढ़ में कांग्रेस के अंदर ही रार शुरू हो गई है। यहां लंबे समय से कांग्रेस में युवजन सभा के प्रदेश सचिव राजा भैया ने कांग्रेस के ही पूर्व विधायक विवेक बंसल के द्वारा उनकी बात नहीं मानने पर उन्हें निष्कासित कराने के आरोप लगाए हैं जिसको लेकर अलीगढ़ की कांग्रेस पार्टी दो भागों में बंटती दिख रही है। राजा भैया ने पूर्व विधायक विवेक बंसल पर कांग्रेस को पीछे धकेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी वजह से अलीगढ़ में कांग्रेस आगे नहीं बढ़ पाई, उनके द्वारा अलग-अलग तरह के सिंडिकेट चलाए जा रहे हैं।

जब उन्होंने इसके विरोध में आवाज़ उठाई तो उन्हें प्रदेश सचिव पद से मुक्त करा दिया गया। राजा भैया ने कहा कि वो जल्द ही विवेक बंसल के काले चिट्ठे आला कमान के सामने रखेंगे। दरअसल पूरा मामला यूपी में एनसीईआरटी किताबों को लेकर चल रहे अभिभावकों विरोध के बाद शुरू हुआ। जब कांग्रेस युवा नेता राजा भैया ने भी इनका विरोध किया और एनसीईआरटी किताबों को जिले में लागू करने की मांग की।

'बालिगों के बीच सहमति से

लंबे समय तक बने शारीरिक संबंध बलात्कार नहीं', हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

प्रयागराज, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रेप केस में एक आरोपी की अग्रिम याचिका पर सुनवाई करते हुए बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि बालिगों के बीच सहमति से लंबे समय तक चलने वाला शारीरिक संबंध बलात्कार नहीं हो सकता है। कोर्ट ने इसे केस में दाखिल आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर करते हुए ये आदेश दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस राजीव लोचन शुक्ला की सिंगल बेंच ने ये आदेश दिया है। कोर्ट ने आरोपी को सशर्त अग्रिम जमानत देते हुए कहा कि वो पुलिस की जांच में सहयोग करेगा। कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं, जिसके बाद उन्होंने ये बड़ी टिप्पणी की है।

सुनवाई के दौरान याची के वकील ने कोर्ट ने दलील देते हुए कहा कि याची को बलात्कार केस में फर्जी तरीके से फंसाया गया है। जिसके बाद उन्होंने कोर्ट में अपनी सारी दलीलें रखीं कोर्ट ने सभी तथ्यों के आधार पर माना कि सहमित से बालिगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे फिजिकल रिलेशन को बलात्कार नहीं माना जा सकता है।

दरअसल ये मामला यूपी का आजमगढ़ जिले का है। यहां ये सिधारी थाने में उसके खिलाफ बलात्कार का केस दर्ज किया गया था। आरोपी याचिकाकर्ता ने थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करते हुए कोर्ट से अग्रिम जमानत देने की अपील की थी। याचिकाकर्ता ने बताया कि पीड़ित महिला एक विधवा है और उसका 15 साल का बेटा है। दोनों के बीच काफी लंबे समय से रिश्ता रहा। जिसके बाद वो अलग हो गए।

महिला ने उसके ख़िलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 173(4) के तहत एक अर्जी के आधार पर याची के खिलाफ रेप की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोर्ट ने इसे रेप केस मानने से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर की।

जयन्त चौधरी की नई सोशल इंजीनियरिंगः यूपी-उत्तराखंड चुनावों में रालोद का जातीय समीकरण, दो मई को हरिद्वार में जनसभा

लखनऊ, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव को देखते हुए राष्ट्रीय लोकदल ने नई सोशल इंजीनियरिंग का शिल्प गढ़ना शुरू कर दिया है। मेरठ के त्यागी बाहुल्य गांव ईकड़ी में एकता सभा करने के बाद जयन्त चौधरी दो मई को हरिद्वार में रैली करके दोनों राज्यों में सीटों पर अपनी दावेदारी बढ़ाएंगे। 14 राज्यों में संगठन बनाने के बाद जयन्त की नजर दोनों राज्यों पर विशेष रूप से टिकी है, जिसके जरिये रालोद ने प्रभावी जातियों पर पकड़ बढ़ाते हुए सहयोगी दल भाजपा से चुनाव में पहले से ज्यादा सीटें मांगने की कसरत तेज कर दी है। वर्ष 2024 में भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन करने के साथ ही रालोद ने सभी जातियों पर अपना प्रभाव बढ़ाने पर फोकस किया। बिजनौर में गुर्जर चेहरा चंदन चौहान को चुनाव में उतारा।

नए जातीय समीकरणों को गढ़ते हुए जयन्त ने मेरठ का जिलाध्यक्ष युवा ब्राह्मण चेहरा अनिकेत भारद्वाज को बनाया, जबकि बुलंदशहर में यह जिम्मा कश्यप समाज के कार्यकर्ता को दिया। पिछले दिनों जयन्त ने नोएडा में स्वतंत्रता सेनानी गुर्जर समाज के विजय सिंह पथिक को समर्पित कार्यक्रम में भाग लिया।

पिता नहीं बन पाया युवक तो पड़ोसी को ठहराया जिम्मेदार

दुमका, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डुमरसोल गांव में पिता नहीं बन पाने से नाराज पड़ोस के युवक ने 55 साल की विधवा पक्कू हेंब्रम को डायन मान लिया और अपने ही घर में उसकी लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव कब्जे में लेने के बाद आरोपित मुंशी टुडू को गिरफ्तार कर उसे मंगलवार की सुबह जेल भी भेज दिया गया। मुंशी की शादी 10 साल पहले हुई थी। उसका कहना है कि शादी के बाद से विधवा उसे हर बात में टोका करती थी। शादी के तीन साल बाद ही जब मुंशी पिता नहीं बन सका, तो उसकी पत्नी उसे छोड़ कर चली गई। पिछले साल उसके पिता की भी मौत हो गई।

इसके लिए वह विधवा महिला को दोषी मानता था। मुंशी को लगता था कि महिला डायन है, जिस कारण से उसका पूरा परिवार बर्बाद हो गया। महिला घर से निकलते ही टोक दिया करती थी, जिस कारण उसका कोई भी काम नहीं हो पता था। कई बार मना करने के बाद भी महिला ने टोका-टाकी बंद नहीं की। ऐसे में मुंशी ने तय कर लिया कि महिला को जान से मार देना है।

तेज गर्मी और लू से राहत

अगले चार दिनों तक बारिश

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को आने वाले चार दिनों तक भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने वाली है। मौसम में इस बदलाव के चलते जहां एक ओर तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, वहीं दूसरी ओर बारिश, आंधी और बिजली गिरने जैसी घटनाएं भी देखने को मिलेंगी। इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भी आंशिक सुधार होने की संभावना जताई गई है।

इस दिन "थंडरस्टॉर्म विद रेन, यानी गरज के साथ बारिश की स्थिति बनी रहेगी, हालांकि कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई। 29 अप्रैल को तापमान में हल्की गिरावट के साथ अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री रहने का अनुमान है। इस दिन सुबह, दोपहर और शाम- तीनों समय तेज हवाओं और बिजली के साथ आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। 30 अप्रैल को तापमान और नीचे आते हुए अधिकतम 38 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस दिन आंशिक बादल छाए रहने के साथ कहीं-कहीं गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। वहीं 1 मई को मौसम मुख्यतः साफ रहने का अनुमान है, लेकिन तापमान 40 डिग्री/24 डिग्री के आसपास बना रहेगा।

वहीं वायु गुणवत्ता की बात करें तो दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में एक्यूआई अभी भी मध्यम से खराब श्रेणी में बना हुआ है। दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 227, बवाना में 205 और कैंटोनमेंट क्षेत्र में 206 दर्ज किया गया। वहीं अशोक विहार (193), आया नगर (199) और चांदनी चौक (162) जैसे इलाकों में एक्यूआई मध्यम स्तर पर रहा।

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-3 में एक्यूआई 228 और नॉलेज पार्क-5 में 253 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। गाजियाबाद में स्थिति और चिंताजनक है, जहां इंदिरापुरम (214), लोनी (278), संजय नगर (228), वसुंधरा (225) और वेद विहार-लोनी (352) में एक्यूआई खराब से बेहद खराब स्तर तक पहुंच गया है।

बड़ी खुशखबरी

होर्मुज पार कर एलएनजी से लदा टैंकर जहाज आ रहा है भारत

तेहरान, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच फिहलाल युद्धविराम कायम है, लेकिन युद्ध कब शुरू हो जाएगा, ये कोई बता नहीं सकता। युद्ध की वजह से तेल की किल्लत हो सकती है, लेकिन भारत के लिए एक खुशखबरी है कि प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की पहली खेप सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर गई है। मार्च में अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद यह पहली घटना है, जब एलएनजी से लदा टैंकर जहाज ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार किया है। जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि 'मुबाराज़' नामक जहाज को भारत के आस पास देखा गया है।

यह जहाज, जिसमें मार्च में संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के दास द्वीप संयंत्र से एलएनजी भरी गई थी, युद्ध शुरू होने के बाद से खाड़ी क्षेत्र में फंसा हुआ था। लगभग 31 मार्च को इस जहाज ने सिग्नल भेजना बंद कर दिया था, लेकिन इस सप्ताह भारतीय जलक्षेत्र के पास फिर से दिखाई दिया, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारों में से एक में तनाव कम होने का संकेत देता है। आंकड़ों के अनुसार, मुबाराज़ चीन की ओर जा रहा है और मई के पहले सप्ताह में इसके भारत पहुंचने की संभावना है।

70 हजार के विवाद में हत्या, मां और तीन बेटों को फांसी की सजा

मुजफ्फरनगर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर के भौराकलां थाना क्षेत्र के खेड़ी सूंडियान गांव में किसान शेखर की हत्या के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने आरोपी मां और उसके तीन बेटों को फांसी की सजा सुनाई है। साथ ही 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह वारदात 17 जून 2019 को हुई थी। मामले के अनुसार कस्बा सिसौली निवासी राजबाला देवी अपने बेटे शेखर के साथ खेड़ी सूंडियान गांव में 70 हजार रुपये उधार मांगने गई थीं। आरोप है कि इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। आरोपियों ने पहले पथराव किया और बाद में लाठी-डंडों व ईंटों से हमला कर दिया।

गंभीर रूप से घायल शेखर की मौके पर ही मौत हो गई थी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि मृतक शेखर पर सात मुकदमे दर्ज थे और वह हिस्ट्रीशीटर था। साथ ही घटना के मोटिव और घटनास्थल को लेकर भी सवाल उठाए गए। हालांकि अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए चारों आरोपियों को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई और 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी

कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल; कैसे होगी सुरक्षा?

वॉशिंगटन, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा।

इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है। गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है,

जिनमें 'एंटी-डेफेमेशन लीग', 'अमेरिकन ज्यूइश कमेटी' और 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' शामिल हैं। एंटी-डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं। साल 2024 में ऐसी 9,354 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 1,702 घटनाएं यहूदी संस्थानों में हुईं। अमेरिकन ज्यूइश कमेटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 55 प्रतिशत यहूदियों ने डर के कारण अपनी दिनचर्या में बदलाव किया है।

इंडोनेशिया में भीषण रेल हादसा, मृतकों का आंकड़ा 14 तक पहुंचा

जकार्ता, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के बाहरी इलाके में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार सुबह इसकी पुष्टि की। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। सरकारी रेलवे कंपनी पीटी केरेटा एपी इंडोनेशिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबी रसीदिन ने बताया कि अब तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सभी शवों को पहचान और अन्य औपचारिकताओं के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। यह हादसा सोमवार को बेकासी तिमुर स्टेशन पर हुआ, जो जकार्ता के बाहर स्थित एक व्यस्त रेलवे स्टेशन है।

यहां एक लंबी दूरी की ट्रेन ने स्टेशन पर खड़ी कम्यूटर ट्रेन के पिछले डिब्बे में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि डिब्बों को भारी नुकसान पहुंचा और कई यात्री उसमें फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहतकर्मियों और आपातकालीन टीमों ने घायलों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। कई यात्रियों के घायल होने की भी खबर है, हालांकि घायलों की सटीक संख्या अभी सामने नहीं आई है।

टीवी होस्ट ने कहा

मेलानिया के चेहरे पर विधवा बनने का इंतजार करने वाली महिला जैसी चमक, ट्रंप बोले-इसे नौकरी से हटाओ

वाशिंगटन, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले टीवी होस्ट जिमी किमेल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने एबीसी चैनल से इस टीवी होस्ट को हटाने की मांग की है। बता दें कि ट्रंप ने जिमी किमेल के एक आपत्तिजनक मजाक को लेकर नेटवर्क एबीसी से उन्हें नौकरी से निकालने की मांग की है।

किमेल ने पिछले हफ्ते अपने शो 'जिमी किमेल लाइव' में एक व्यंग्यात्मक स्किट के दौरान मेलानिया ट्रंप के बारे में कहा था कि उनके चेहरे पर "विधवा बनने का इंतजार कर रही महिला जैसी चमक" है। यह टिप्पणी व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर से कुछ दिन पहले की गई थी। मेलानिया ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, "जिमी किमेल जैसे लोगों को हर शाम टीवी पर घर-घर घृणा और हिंसक बयानबाजी फैलाने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए।" राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी मेलानिया की इस बात का समर्थन करते हुए एबीसी से किमेल को तुरंत निकालने की मांग की।

मेयर चुनाव में भारतीय मूल की रिनी संपत का दावा मजबूत

अमेरिका हिंदू कोएलिशन ने भी किया समर्थन

वाशिंगटन, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। वाशिंगटन डीसी के मेयर चुनाव में भारतीय मूल की रिनी संपत का दावा बेहद मजबूत होता जा रहा है। रिनी संपत को अब अमेरिकन हिंदू कोएलिशन (एएचसी) ने भी अपना समर्थन दे दिया है। इससे उनकी दावेदारी और ज्यादा मजबूत हो गई है। वह डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से अभी प्राइमरी चुनाव लड़ रही हैं। भारत के तमिलनाडु राज्य में जन्मी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ रिनी संपत वाशिंगटन डीसी के मेयर (महापौर) पद के चुनाव में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

एएचसी ने डीसी के इस्कॉन मंदिर में रिनी संपत के समर्थकों की एक बैठक आयोजित की और उनको अपना सपोर्ट देने का ऐलान किया। बता दें कि रिनी 16 जून को डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव लड़ रही हैं। उनका मुख्य एजेंडा 'बुनियादी बातें ठीक करें' (आधारभूत समस्याओं को ठीक करना) और '(एक नया वाशिंगटन डीसी) बनाना है। एएचसी मेरीलैंड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकुर मिश्रा ने कहा, "हम अब केवल दर्शक नहीं रहे; हम एक संगठित और एकजुट मोर्चा बन चुके हैं, जो यह सुनिश्चित कर रहा है कि हमारे मूल्य और हमारे परिवार स्थानीय सरकार के उच्चतम स्तर पर प्रतिनिधित्व पाएं। रिनी की उम्मीदवारी ऐतिहासिक है, लेकिन हमारी एकता ही इसे एक स्थायी आंदोलन बनाएगी।" इस स्वागत समारोह में समुदाय के कई नेता मौजूद थे, जिनमें श्रीनिवास तातिपामुला, लक्ष्मी थलांकी, महेंद्र सापा और चित्रंजन नाथ शामिल थे।

हाईकोर्ट की फटकार के बाद आठ साल से लापता किशोरी केस में पुलिस की 'री-ओपन' जांच

गुमला, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला जिले में हाईकोर्ट की सख्ती के बाद आठ वर्षों से लापता किशोरी के मामले में पुलिस ने अब जांच की रफ्तार तेज कर दी है। डीजीपी के निर्देश और हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सोमवार को सदर थाना में आधा दर्जन से अधिक लोगों को बुलाकर पूछताछ की है। यह कार्रवाई चैनपुर अनुमंडल की एसडीपीओ श्रुति अग्रवाल के नेतृत्व में हुई। जिसमें खोरा जामटोली और आसपास के गांवों के कई लोगों से एक-एक कर पूछताछ की गई।

पुलिस टीम पुराने केस डायरी और रिकॉर्ड को फिर से खंगाल रही है। इस दौरान पूर्व अनुसंधान पदाधिकारी (आइओ) भी पूछताछ प्रक्रिया में शामिल किए गए, जिससे पहले की जांच में छूटे पहलुओं को समझा जा सके। हालांकि, अब तक लापता किशोरी के संबंध में कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2018 में गुमला के खोरा जामटोली गांव की 13 वर्षीय किशोरी अचानक लापता हो गई थी। मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद लंबे समय तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। इसके बाद पीड़िता की मां ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

जिसके बाद से यह केस न्यायालय की निगरानी में चल रहा है। हाल ही में हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने पुलिस की धीमी जांच पर नाराजगी जताते हुए 2 सप्ताह के भीतर ठोस प्रगति दिखाने का निर्देश दिया था। साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी गयी थी कि प्रगति नहीं होने पर मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जा सकती है। इसके बाद राज्य की डीजीपी ने गुमला पहुंचकर पूरे मामले की समीक्षा की और जांच को नए सिरे से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

टीसीएस धर्मांतरण केस की आरोपी निदा खान को क्यों नहीं मिलनी चाहिए जमानत? पुलिस ने कोर्ट में बताई ये वजह

नासिक, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। नासिक के टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) धर्मांतरण मामले में आरोपी निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। एसआईटी जांच में निदा खान और मामले के अन्य आरोपियों के खिलाफ कई चौंकानेवाली बातें सामने आई हैं। निदा खान, पीड़िता को अपने घर ले जाती थी और उसे जबरदस्ती नमाज पढ़ना और हिजाब पहनना सिखाती थी। पुलिस को इस मामले में 'मालेगांव पार्टी' के बारे में भी आरोपी से पूछताछ करनी है, जिसके जरिए आरोपी पीड़िता का नाम बदलने के लिए इस्तेमाल करने वाले थे। निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान कई ऐसे सवाल पुलिस ने उठाए, जिसकी वजह से बेल याचिका पर फैसला फिलहाल कोर्ट ने सुरक्षित रख लिया है। मामले की अगली सुनवाई 2 मई को है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि आरोपियों में से एक ने उसका यौन उत्पीड़न किया, अपनी शादी की बात छिपाई और कार्यस्थल पर उसके धर्म का अपमान किया, साथ ही उस पर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला। ऐसे में कोर्ट ने माना कि मामला गंभीर है, आरोपी नंबर 1 ने शादी का झांसा देकर पीड़िता का यौन शोषण किया। आरोपी नंबर 2 ने कार्यस्थल पर पीड़िता को धमकाया कि उसके और दानिश शेख के संबंधों के बारे में वह उसके घर बता देगा, और इस तरह शारीरिक सुख की मांग कर मोलेस्टेशन किया।

यूएन में अमेरिका की एक नहीं चली, 121 देशों के समर्थन से ईरान को मिला पद

वाशिंगटन, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में परमाणु अप्रसार संधि की एक महीने तक चलने वाली बैठक शुरू हो गई है। बैठक की शुरुआत में 34 देशों के प्रतिनिधियों को उपाध्यक्ष चुना गया। इनमें एक नाम ईरान का भी है। अमेरिका के भारी विरोध के बाद भी ईरान को एनपीटी के भीतर उपाध्यक्ष का पद मिला है। एनपीटी में एक अध्यक्ष और 34 उपाध्यक्ष हर 5 साल पर चुने जाते हैं। अध्यक्ष की कुर्सी इस बार वियतनाम को मिली है, जो चीन और रूस का करीबी माना जाता है।

अमेरिका ने इसे रोकने के लिए आखिरी वक्त तक ताकत लगाई, लेकिन 121 देशों के समर्थन से ईरान को यह पद मिल गया। ईरान का कहना है कि उसके नेता ने हमेशा परमाणु का विरोध किया।

उसको लेकर पूरी दुनिया में अमेरिका झूठ फैला रहा है। परमाणु अप्रसार संधि के अध्यक्ष हेंग वियत के मुताबिक गुट निरपेक्ष देशों ने ईरान का समर्थन किया। यूएई और अमेरिका जैसे देशों ने इसका विरोध किया, लेकिन वह कारगर साबित नहीं हो पाया। इसके बाद ईरान को एक उपाध्यक्ष की कुर्सी दी गई है। अमेरिकी शस्त्र नियंत्रण और अप्रसार ब्यूरो के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने अपने एक बयान में इसे एनपीटी के लिए अपमान बताया है। केव के मुताबिक ईरान लंबे समय से परमाणु अप्रसार नीति की प्रतिबद्धताओं के प्रति अपनी अवमानना प्रदर्शित किया है।

छात्र नितिन राज की मौत पर केरल में बवाल

दलित संगठनों का राज्यव्यापी हड़ताल, सड़कों पर दिखा असर

तिरुवनंतपुरम, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कन्नूर के डेंटल कॉलेज छात्र नितिन राज की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर मंगलवार को केरल में भारी उथल-पुथल रही। विभिन्न दलित संगठनों की ओर से बुलाए गए राज्यव्यापी हड़ताल के कारण पूरे प्रदेश में सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। राजधानी तिरुवनंतपुरम से लेकर कन्नूर तक प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने आवाजाही रोक दी। हड़ताल का असर सुबह से ही दिखने लगा है। राज्य के कई हिस्सों में कार्यकर्ताओं ने निजी और सार्वजनिक वाहनों को रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने कई जगहों पर दुकानों को जबरन बंद करवाया। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान दोपहिया वाहनों को निकलने की अनुमति दी गई। राज्य की राजधानी और कन्नूर जिले में प्रदर्शन का सबसे अधिक प्रभाव देखा गया। इस विरोध प्रदर्शन का आह्वान सोमवार को जस्टिस फॉर नितिन राज एक्शन काउंसिल सहित कुल 52 दलित संगठनों ने किया था। संगठनों ने सोमवार को जनता से सहयोग की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि किसी भी वाहन को जबरन नहीं रोका जाएगा और सभी आवश्यक सेवाओं को हड़ताल से मुक्त रखा जाएगा। हालांकि, मंगलवार को जमीन पर स्थिति इसके उलट दिखी और कई जगहों पर वाहनों को जबरन रोका गया। यह हड़ताल मंगलवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक के लिए घोषित की गई है।

कुचाई में झामुमो का कार्यकर्ता सम्मेलन संगठन विस्तार और जनगणना पर जोर

सरायकेला, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। खरसावां जिले के कुचाई स्थित आम बगान में झामुमो का बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन (खरसावां विस क्षेत्र) आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष डॉ शुभेन्दु महतो की अध्यक्षता आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), आगामी जनगणना, संगठन विस्तार जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही सम्मेलन में संगठन विस्तार और सरकार के क्रियाकलापों को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक हालात में संगठन की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ गई है।

उन्होंने बूथ से लेकर जिला स्तर पर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया, जिससे कार्यकर्ता हर स्तर पर प्रभावी भूमिका निभा सके। खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि पार्टी की असली ताकत बूथ स्तर के कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकर्ताओं की सक्रियता और एकजुटता से ही झामुमो की विचारधारा गांव-गांव तक पहुंचती है। उन्होंने सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन में पहुंचे कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची, जनगणना और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर लोगों को जागरूक करने की अपील की गई। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए काम किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष डॉ शुभेंदु महतो ने देश में प्रस्तावित जनगणना के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की।

जमीन माफियाओं पर डीआईजी का एक्शन, एक सप्ताह में मांगी पलामू प्रमंडल के तीनों जिलों से रिपोर्ट

गढ़वा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। समेत पूरे पलामू प्रमंडल में जमीन के काले कारोबार के जरिए खूनी खेल खेलने वाले माफियाओं और सफेदपोशों की अब खैर नहीं। पलामू प्रमंडल के डीआईजी किशोर कौशल ने भू-माफियाओं के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े 'मिशन मोड' ऑपरेशन का बिगुल फूंक दिया है। डीआईजी ने प्रमंडल के तीनों जिलों गढ़वा, पलामू और लातेहार के पुलिस कप्तानों को एक सप्ताह के भीतर सक्रिय भू-माफियाओं की रिपोर्ट सौंपने को कहा है। मिली जानकारी के अनुसार, इस निर्देश के मिलते ही गढ़वा पुलिस ने जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया है।

टीएमसी के कार्यकर्ता और नेता पश्चिम बंगाल का खराब कर रहे माहौल: दिलीप घोष

कोलकाता, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के भाटपारा में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि भाटपारा में पिछले कुछ समय से हिंसा का माहौल बना हुआ है। भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, वहां लगभग हर दिन गोलीबारी और बम धमाकों की आवाजें सुनाई देती हैं, लेकिन चुनाव के दिन स्थिति अलग होगी और लोग शांतिपूर्वक मतदान करेंगे।

इसी बीच टीएमसी सांसद मिताली बाग पर हुए कथित हमले को लेकर भी राजनीति गरमा गई है। दिलीप घोष ने इस घटना पर सवाल उठाते

हुए कहा कि यह हमला सहानुभूति हासिल करने के उद्देश्य से किया गया हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि यदि भाजपा हमला करना चाहती तो कई अन्य स्थानों पर ऐसा कर सकती थी, लेकिन उनकी पार्टी का उद्देश्य केवल शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे घरों से निकलें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें, जिससे राज्य में बदलाव संभव हो सके। भवानीपुर सीट को लेकर भी बयानबाजी तेज हो गई है। दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह उनका आखिरी दौर है और जनता अब परिवर्तन चाहती है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि डराने-धमकाने और हिंसा के जरिए चुनाव जीतने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होगा, क्योंकि लोग अब बदलाव के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इस बार ममता सरकार को भी पता चल गया है कि पश्चिम बंगाल में उनकी सरकार जा रही है और भाजपा सरकार आने वाली है, इसीलिए टीएमसी के नेता और कार्यकर्ता और परेशान दिख रहे हैं। 4 मई को रिजल्ट आने के बाद इन लोगों को इसका पता भी चल जाएगा। दूसरी ओर, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी टीएमसी सरकार पर विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाया।

उन्होंने कोलकाता मेट्रो परियोजना का उदाहरण देते हुए कहा कि चिंगरीघाटा क्षेत्र में कई वर्षों से मेट्रो कार्य अटका हुआ है, क्योंकि राज्य सरकार ने अनुमति नहीं दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में अदालतों का रुख भी किया गया, जहां से मेट्रो निर्माण के पक्ष में आदेश मिला। वैष्णव ने दावा किया कि आगामी चुनाव के बाद भाजपा सरकार बनने पर इन विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

वॉशिंग मशीन से करंट लगा, विवाहिता की हो गई मौत... सास ने जताया दामाद पर हत्या का शक

बेंगलुरु, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के गौडाहल्ली इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 30 वर्षीय एक महिला की वॉशिंग मशीन इस्तेमाल करते समय बिजली का झटका (करंट) लगने से मौत हो गई। हालांकि, पहली नजर में दुर्घटना दिखने वाली यह घटना अब एक संदिग्ध हत्या के मामले में तब्दील होती नजर आ रही है। मृतका के माता-पिता ने अपने दामाद पर बेटी की हत्या की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक महिला की पहचान सुजाता (30) के रूप में हुई है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 29 अप्रैल - 2026

भारत–न्यूज़ीलैंड व्यापार समझौता

करीब दो महीनों तक जारी तनावपूर्ण वार्ताओं के बाद अंततः भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बन ही गई। देखा जाए तो यह केवल आर्थिक घटना नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भारत की नई रणनीतिक सोच का संकेत है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं से गुजर रहा है और विश्व व्यापार संगठन की प्रभावशीलता भी पहले जैसी नहीं रह गई है। ऐसे दौर में द्विपक्षीय व्यापार समझौते भारत के लिए अवसरों के नए द्वार खोल सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इससे भारत के निर्यात को एक स्थिर और भरोसेमंद बाजार मिलेगा। विशेष रूप से कृषि, डेयरी, फल उत्पादन, शहद, एमएसएमई और नवाचार आधारित उद्योगों को इससे प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। भारतीय किसानों के लिए यह समझौता नई उम्मीद लेकर आया है, क्योंकि विविध जलवायु परिस्थितियों के कारण भारत कई प्रकार के कृषि उत्पादों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त रखता है। समझौते के तहत न्यूज़ीलैंड में भारतीय उत्पादों पर लगभग 95 प्रतिशत तक टैरिफ समाप्त होने की संभावना से भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी राहत मिलेगी। इससे भारतीय उत्पादों की कीमत बढ़ेगी और वैश्विक बाजार में उनकी पहुँच मजबूत होगी। साथ ही न्यूज़ीलैंड द्वारा अगले 15 वर्षों में भारत में लगभग 20 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को और गहराई प्रदान करेगी। यह समझौता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि सहयोग के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। न्यूज़ीलैंड की आधुनिक कृषि तकनीक और भारत की विशाल उत्पादन क्षमता मिलकर कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है। विशेष रूप से कीवी, सेब और शहद उत्पादन में भारतीय किसानों को नई तकनीक और बेहतर बाजार मिल सकता है। वर्तमान में यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारत लंबे समय से निर्यात के लिए मुख्य रूप से अमेरिका जैसे सीमित बाजारों पर निर्भर रहा है। आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता जोखिमपूर्ण हो सकता है। नए बाजारों की खोज भारत की आर्थिक रणनीति के लिए आवश्यक भी था। भारत को ऐसे ही व्यापार समझौते यूरोपीय संघ सहित अन्य विकसित देशों के साथ भी तेजी से करने चाहिए, ताकि निर्यात के नए अवसर तैयार हो सकें। भारत के पास फल उत्पादन और कृषि विविधता के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं, जिन्हें वैश्विक बाजार से जोड़कर देश की अर्थव्यवस्था को नई गति दी जा सकती है। हालाँकि इस समझौते की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत अपने उद्योगों और किसानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप कितना तैयार कर पाता है। यदि गुणवत्ता, उत्पादन क्षमता और निर्यात अवसंरचना में सुधार किया जाए, तो यह समझौता भारत की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार बन जाएगा। आवश्यकता इस बात की है कि भारत सरकार उद्योग जगत और कृषि क्षेत्र के साथ मिलकर निर्यात क्षमता को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए। यदि भारत नए व्यापारिक साझेदारों की तलाश जारी रखता है, तो वह वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत बना सकता है। निस्संदेह, भारत–न्यूज़ीलैंड व्यापार समझौता आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश को नए बाजारों, नए निवेश और नए अवसरों से जोड़ने की क्षमता रखता है। यही वह समय है जब भारत को इन अवसरों का पूरा लाभ उठाकर अपनी आर्थिक शक्ति को नई ऊँचाइयों तक छलांग लगा देना चाहिए।

पंजाब से शुरू हुआ 'आप' का काउंटडाउन?

योगेश कुमार गोयल

भारत की समकालीन राजनीति में शायद ही कोई घटना इतनी तेजी से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आई हो, जितनी राघव चड्ढा सहित सात राज्यसभा सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से आई है। राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों का भाजपा में विलय केवल एक खबर नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी के 15 साल के इतिहास का सबसे बड़ा 'ब्लैकआउट' है। भारतीय राजनीति के क्षितिज पर यह घटनाक्रम एक बड़े 'पॉलिटिकल अर्थक्वेक' के रूप में दर्ज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के 'पोस्टर बॉय' माने जाने वाले राघव चड्ढा सहित राज्यसभा के 7 सांसदों का एक साथ पाला बदलकर भाजपा में शामिल होना न केवल 'आप' के लिए एक अस्तित्वगत संकट है बल्कि यह देश की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाला घटनाक्रम भी है। यह सिर्फ दल-बदल नहीं बल्कि सत्ता, विचारधारा और राजनीतिक रणनीति के बीच गहरे संघर्ष का संकेत है। जब राज्यसभा में पार्टी के कुल 10 में से 7 सांसद (दो-तिहाई बहुमत) एक साथ अलग होकर भाजपा में विलय करने का निर्णय लेते हैं तो यह दलबदल नहीं, एक वैचारिक और संगठनात्मक विद्रोह का प्रतीक बन जाता है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय राजनीति 2027 के बड़े चुनावी चक्र की ओर बढ़ रही है। ऐसे में इस घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या 'आप' का 'पंजाब किला' अब ढ़हने के कगार पर है? क्या 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की पटकथा अभी से लिखी जा चुकी है? और सबसे बड़ा प्रश्न कि क्या यह 'आप' के पतन की शुरुआत है या फिर एक अस्थायी राजनीतिक झटका?

'आप' के अस्तित्व पर खड़ा सबसे बड़ा सवाल

आम आदमी पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक असहमति नहीं बल्कि लोकतंत्र पर सुनियोजित प्रहार करार दिया है। पार्टी नेतृत्व का स्पष्ट आरोप है कि केंद्रीय एजेंसियों के भय, दबाव और राजनीतिक प्रलोभनों के माध्यम से उसके सांसदों को तोड़ा गया, जिसे वह संस्थागत दुरुपयोग की श्रेणी में रखती है। यह आरोप भारतीय राजनीति में सत्ता बनाम विपक्ष की उस पुरानी बहस को फिर जीवित कर देता है, जहां नैतिकता और रणनीति आमने-सामने खड़ी दिखाई देती हैं। संवैधानिक दृष्टि से यह कदम और भी दिलचस्प हो जाता है। दलबदल विरोधी कानून की तकनीकी बारीकी (दो-तिहाई सदस्यों के एक साथ अलग होने की शर्त) का उपयोग करते हुए राघव चड्ढा के नेतृत्व में सात सांसदों का भाजपा में विलय यह संकेत देता है कि यह केवल भावनात्मक निर्णय नहीं बल्कि गहन कानूनी सलाह और रणनीतिक योजना का परिणाम था। सबसे गंभीर आघात वैचारिक स्तर पर है। जब भीतर से ही यह स्वर उठे कि पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है तो यह केवल संगठनात्मक संकट नहीं बल्कि पहचान के संकट का संकेत बन जाता है और यही चुनौती 'आप' के लिए सबसे कठिन परीक्षा है।

पंजाब की राजनीति और 2027 का रण

पंजाब की राजनीति में उठी यह हलचल महज दल-बदल नहीं बल्कि सत्ता समीकरणों के पुनर्गठन का संकेत है। इस विद्रोह का सबसे गहरा असर पंजाब की सियासत पर पड़ना तय है। राज्यसभा में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरे (हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, संजीव अरोड़ा और विक्रमजीत सिंह साहनी) का पार्टी से अलग होना 'आप' की उस सामाजिक पकड़ को कमजोर करता है, जो विविध वर्गों के प्रतिनिधित्व से बनी थी। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं बल्कि भरोसे और प्रभाव का क्षरण है। सबसे बड़ी चुनौती भगवंत मान के सामने है। यह उनके नेतृत्व और राजनीतिक संतुलन की सीधी परीक्षा है। राघव चड्ढ़ा को लंबे समय तक सरकार और संगठन के बीच रणनीतिक कड़ी माना जाता रहा, उनके हटने से यह संतुलन डगमगाता दिख रहा है। दूसरी ओर, भाजपा इस घटनाक्रम को अवसर में बदलने की कोशिश में है। भाजपा पंजाब में हमेशा से एक 'छोटा भाई' (अकाली दल के साथ) बनकर रही है लेकिन 7 सांसदों के आने से, जिनमें सिखों और उद्योगपतियों का प्रतिनिधित्व है, भाजपा अब 2027 में 'अकेले दम' पर सरकार बनाने का सपना देख रही है। अब तक सहयोगी राजनीति तक सीमित रही भाजपा अब पंजाब में स्वतंत्र शक्ति बनने की दिशा में आक्रामक कदम बढ़ाती दिख रही है और 2027 का रण अब पहले से कहीं अधिक खुला और अनिश्चित हो गया है।

क्या खत्म हो जाएगी 'आप'?

इतिहास गवाह है कि क्षेत्रीय दल जब ऐसे बड़े विद्रोह का सामना करते हैं तो अक्सर वे या तो बिखर जाते हैं या फिर सिमटकर रह जाते हैं लेकिन आप की स्थिति थोड़ी भिन्न है। इसका सबसे बड़ा कारण है अरविंद केजरीवाल का व्यक्तित्व। आम आदमी पार्टी का आधार अरविंद केजरीवाल की 'व्यक्तिगत ब्रांडिंग' पर टिका है। जब तक दिल्ली और पंजाब जैसे अहम राज्यों में उनका जनाधार सुरक्षित है, तब तक 'आप' का पूर्ण पतन लगभग असंभव प्रतीत होता है। इसके समानांतर, 'आप' की ताकत उसका विकसित कैडर ढांचा है। आप ने पिछले एक दशक में एक मजबूत कैडर तैयार किया है। हालांकि शीर्ष स्तर पर योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण और अब राघव चड्ढा जैसे प्रमुख चेहरों का अलग होना पार्टी को बड़ा झटका देता है लेकिन जमीनी कार्यकर्ता अब भी पार्टी की विचारधारा से जुड़े हैं। एक वैकल्पिक, जनोन्मुख और व्यवस्था-विरोधी नेता की केजरीवाल की छवि अब भी पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी बनी हुई है। राष्ट्रीय राजनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य में यह घटनाक्रम सत्ता-संतुलन को निर्णायक रूप से प्रभावित करता है। राज्यसभा में सात सांसदों के जुड़ने से भाजपा की स्थिति और सुदृढ़ हुई है, जिससे अब महत्वपूर्ण विधेयकों के पारित होने में उसकी छोटे दलों पर निर्भर रहने की बाध्यता कम हो गई है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन के लिए यह स्पष्ट झटका है क्योंकि 'आप' इस गठबंधन की मुखर आवाज रही है। सबसे गंभीर आघात 'आप' की वैचारिक विश्वसनीयता पर पड़ा है। जो पार्टी 'ईमानदार राजनीति' को अपनी पहचान मानती रही, उसी के भीतर से वैचारिक विचलन और आरोपों का उठना उसके नैरेटिव को कमजोर करता है। यह स्थिति नेतृत्व शैली पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है, लगातार बड़े चेहरों का अलग होना इस ओर संकेत करता है कि संवाद की कमी और निर्णय प्रक्रिया का केंद्रीकरण आंतरिक असंतोष को जन्म दे रहा है। राष्ट्रीय विस्तार की महत्वाकांक्षा पर भी इसका प्रभाव पड़ना तय है। दिल्ली और पंजाब से आगे बढ़ने की जो रणनीति थी, वह अब धीमी पड़नी तय है, विशेषकर तब, जब पंजाब, जो 'आप' का सबसे मजबूत गढ़ है, स्वयं इस राजनीतिक भूकंप के केंद्र में आ खड़ा हुआ है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि 7 सांसदों के जाने से आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी। राजनीति में रिक्तियां हमेशा भर दी जाती हैं। हालांकि यह निश्चित है कि आप अब अपनी सबसे कठिन अग्निपरीक्षा से गुजर रही है।

बंगाल के रण में यूपी के 'सिंघम' पर उठते सवाल

अजय कुमार

बंगाल विधानसभा चुनाव में 29 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले सूबे की सियासत में जबरदस्त उबाल आ गया है। इस बार विवाद के केंद्र में कोई राजनेता नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश कैडर के चर्चित आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा हैं, जिनकी तैनाती ने चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल पैदा कर दी है। दक्षिण 24 परगना जिले में पुलिस पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में तैनात अजय पाल शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है, जिसमें वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार जहांगीर खान के परिजनों और समर्थकों को सख्त लहजे में चेतावनी देते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद बंगाल से लेकर लखनऊ तक की राजनीति गर्मा गई है और चुनाव की निष्पक्षता पर सवालिया निशान खड़े होने लगे हैं।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब अजय पाल शर्मा को फाल्टा निर्वाचन क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों के दौरे पर भेजा गया। बताया जा रहा है कि उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के लोग मतदाताओं को धमका रहे हैं और डरा-धमकाकर वोट हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। जब शर्मा भारी सुरक्षा बल के साथ जहांगीर खान के आवास पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देख वह भी हैरान रह गए।

घर के बाहर पश्चिम बंगाल पुलिस के 14 जवान तैनात थे। नियमों के मुताबिक, जहांगीर को वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है जिसके तहत केवल 10 जवान तैनात होने चाहिए थे। अतिरिक्त चार जवानों की मौजूदगी पर शर्मा ने तत्काल स्थानीय पुलिस अधीक्षक से जवाब तलब किया। लेकिन बात सिर्फ जवानों की संख्या तक सीमित नहीं रही।

वायरल वीडियो में शर्मा को यह कहते सुना जा सकता है कि जहांगीर को समझा देना, लोगों को धमकाना बंद कर दे, वरना अच्छे से उसकी खबर लेंगे। उनकी इस कड़क आवाज ने जहां एक तरफ कानून व्यवस्था के समर्थकों को उत्साहित किया, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों ने इसे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करार दिया। जहांगीर खान, जिन पर यह पूरा विवाद केंद्रित है, दक्षिण 24 परगना की फाल्टा सीट से टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। 41 साल के जहांगीर की छवि क्षेत्र में एक प्रभावशाली नेता की है, लेकिन उनके विरोधियों, विशेषकर बीजेपी ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

बीजेपी का दावा है कि जहांगीर खान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के बेहद करीबी हैं और उन्हें अभिषेक का 'दाहिना हाथ' कहा जाता है। आरोप तो यहां तक हैं कि वह इलाके में एक बड़ा सिंडिकेट नेटवर्क चलाते हैं जो जमीन हड़पने, तस्करी और संगठित अपराधों में शामिल है। हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड में जहांगीर खान का दामन साफ दिखता है, उन पर कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है और उन्होंने अपनी संपत्ति करीब 2.1 करोड़ रुपये घोषित की है। बावजूद इसके, राजनीतिक हलकों में उन्हें 'भाईपो' (भतीजा) के हितों की रक्षा करने वाला सिपाही माना जाता है।

अजय पाल शर्मा की इस कार्रवाई पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश ने शर्मा को बीजेपी का 'टेस्ट किया हुआ एजेंट' करार देते हुए सोशल मीडिया पर लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने रामपुर और संभल जैसे इलाकों में जो प्रयोग किए थे, अब उन्हीं अधिकारियों को बंगाल भेजकर मतदाताओं को डराने की कोशिश की जा रही है।

अखिलेश यादव ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि ये अधिकारी जो 'अनरजिस्टर्ड अंडरग्राउंड सदस्य' की तरह काम कर रहे हैं, समय आने पर इनकी जांच होगी और इन्हें खोज निकाला जाएगा। टीएमसी ने भी अखिलेश के सुर में सुर मिलाते हुए शर्मा को 'मुठभेड़ विशेषज्ञ' और 'ठोक दो' संस्कृति का पोषक बताया। टीएमसी का तर्क है कि जिस अधिकारी पर खुद भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप लगे हों, उसे चुनाव आयोग ने निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कैसे तैनात कर दिया? पार्टी ने जनवरी 2020 की उस घटना का भी जिक्र किया जब शर्मा का तबादला रामपुर से उन्नाव कर दिया गया था और उनके खिलाफ सतर्कता जांच की सिफारिश की गई थी।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी अजय पाल शर्मा के समर्थन में मजबूती से खड़ी है। बीजेपी नेताओं का कहना है कि बंगाल में दशकों से चुनावी हिंसा और धांधली का बोलबाला रहा है, जिसे रोकने के लिए शर्मा जैसे 'सिंघम' छवि वाले अधिकारी की सख्त जरूरत थी।

पार्टी का मानना है कि जहांगीर खान जैसे लोग, जो सालों से लोगों को वोट डालने से रोकते आए हैं, अब एक ईमानदार अधिकारी की सख्ती से घबरा रहे हैं। बीजेपी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अभिषेक बनर्जी को फाल्टा से 89 प्रतिशत वोट इसीलिए मिले क्योंकि जहांगीर खान ने विपक्ष को बूथों तक फटकने नहीं दिया था। अब जब प्रशासन निष्पक्ष चुनाव कराने की कोशिश कर रहा है, तो टीएमसी बौखलाहट में निजी हमले कर रही है।जहांगीर खान ने खुद पर लगे आरोपों और शर्मा की चेतावनी पर पलटवार करते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या बताया है। खान का कहना है कि एक पुलिस पर्यवेक्षक का काम शांति व्यवस्था देखना होता है, न कि किसी उम्मीदवार के परिवार को घर जाकर धमकाना। उन्होंने इसे बीजेपी के पक्ष में किया जा रहा 'गैरकानूनी' काम करार दिया और साफ किया कि टीएमसी कार्यकर्ता इन धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। जहांगीर के मुताबिक, उन्हें घेरने की यह कोशिश इसलिए हो रही है क्योंकि बीजेपी को अपनी हार साफ नजर आ रही है।

इस पूरे प्रकरण ने चुनाव आयोग की भूमिका को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को बंगाल में तैनात करना एक सोची-समझी रणनीति मानी जा रही है ताकि स्थानीय प्रशासन पर सत्ताधारी दल का दबाव कम किया जा सके। अजय पाल शर्मा, जो 2011 बैच के आईपीएस हैं और वर्तमान में प्रयागराज में तैनात हैं, यूपी में अपनी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की छवि के लिए मशहूर हैं।

उनकी कार्यशैली अक्सर विवादों में रहती है, लेकिन आम जनता के बीच उन्हें एक न्यायप्रिय और कड़क अधिकारी के तौर पर देखा जाता है।

बंगाल की संवेदनशील धरती पर उनकी मौजूदगी ने निश्चित रूप से अपराधियों और चुनावी धांधली करने वालों के मन में खौफ पैदा किया है, लेकिन क्या यह कार्रवाई निष्पक्षता की सीमाओं में है या राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा, यह आने वाले चुनाव परिणाम और आयोग की रिपोर्ट तय करेगी। फिलहाल, फाल्टा की जमीन पर छिड़ी यह जंग अब व्यक्तिगत आरोपों से निकलकर संवैधानिक संस्थाओं की साख तक पहुंच गई है।

शहरों का ढांचा बनाने वाले मजदूर आज भी हाशिए पर खड़े हैं

कृति जैन

भोर की पहली किरण जब शहर की नींद पर धीरे से दस्तक देती है, उसी समय किसी निर्माण स्थल पर हथौड़े की चोटें नए कल की नींव रखने लगती हैं। यह ध्वनि केवल पत्थर नहीं तराशती, बल्कि उस भविष्य को गढ़ती है जिसे हम विकास के नाम से पहचानते हैं। धूल से सने, छालों से भरे ये हाथ ही वे अदृश्य निर्माता हैं, जिनकी मेहनत से कांच जैसी ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कों की रेखाएँ और उड़ान भरते एयरपोर्ट खड़े होते हैं। सुबह पाँच बजे चाय की भाप के बीच वे अपने बच्चों के सपनों को संवारते हैं, जबकि स्वयं शहर की रोशनी से दूर, तिरपाल के साए में रातें काटते हैं। उनकी थकान ही उनकी ताकत है—जीने की, बनाने की और टूटे सपनों को फिर से खड़ा करने की अदम्य जिद। 1 मई इस सच्चाई का स्मरण कराता है कि जिनके हाथों से दुनिया बनती है, उनकी आवाज़ कभी दबाई नहीं जा सकती-वह हर युग में उठती है और व्यवस्था की नींव हिला देने का सामर्थ्य रखती है।

ये मजदूर जिसे हम 'अनस्किल्ड' कहकर खारिज करते हैं, दरअसल सबसे जरूरी स्किल रखते हैं - वो स्किल जो मशीनें अभी सीख नहीं पाईं। ये लोग बिना तकनीक के भी प्रकृति के संकेत पहचान लेते हैं, सीमित संसाधनों में समाधान खोज लेते हैं और छोटी-सी सजगता से बड़े जोखिम टाल देते हैं। शहरों की ऊँचाइयाँ इन्हीं के परिश्रम से आकार लेती हैं, फिर भी वे व्यवस्था के किनारों पर ही खड़े रह जाते हैं। कोई तपती सड़क पर डिलीवरी करता है, कोई आग की लपटों में वेल्डिंग कर भविष्य गढ़ता है, तो कोई दूसरों के घरों में सेवा देकर जीवन को सहारा देता है। उनकी पहचान फिर भी केवल 'मजदूर' तक सिमटी रहती है। वास्तव में वे समाज की रीढ़ हैं- जिनके बिना आधुनिकता का ढांचा ढह सकता है, और अगर ये हाथ थम जाएँ तो स्मार्ट सिटी का सपना भी बिखर जाएगा।

विकास की ऊँचाइयों पर खड़ा आज का भारत, उन्हीं श्रमिक हाथों की नींव पर टिका है जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि अनौपचारिक क्षेत्र लगभग 12.81 करोड़ श्रमिकों को रोजगार देता है, जबकि निर्माण क्षेत्र में 90 प्रतिशत से अधिक कार्यबल असंगठित है। करीब 15 करोड़ प्रवासी मजदूर अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं और अनौपचारिक क्षेत्र कुल जीडीपी का लगभग 50 प्रतिशत योगदान करता है। ई-श्रम पोर्टल पर 31 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं। ये केवल आँकड़े नहीं, बल्कि उन अनगिनत कहानियों की गवाही हैं जहाँ पेट भरने के लिए कोई बिहार से दिल्ली, कोई उत्तर प्रदेश से मुंबई पहुँचता है। उनकी निःशब्द मेहनत ही देश की प्रगति का असली आधार है। अब एआई का युग है। हम स्मार्ट सिटी, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स की बात करते हैं, लेकिन एआई भी कहीं न कहीं श्रमिकों की स्किल पर ही निर्भर है। यह डिजाइन बना सकता है, ड्रोन नियंत्रित कर सकता है और डिलीवरी मार्ग सुधार सकता है, पर ईंट उठाना, वेल्डिंग करना या कठिन परिस्थितियों में काम पूरा करना आज भी मनुष्य के ही बस की बात है। एआई गिग वर्कर्स को बेहतर अवसरों से जोड़ रहा है और 2026 तक एआई-आधारित गिग अर्थव्यवस्था के 335 बिलियन डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। फिर भी, एआई थकान का अनुमान लगा सकता है, पर वह वह धैर्य और जिद नहीं दे सकता जो एक मजदूर बारिश में भी काम करते हुए दिखाता है। एआई मजदूरों का विरोधी नहीं, बल्कि सही उपयोग होने पर उनका सहयोगी बन सकता है।

मजदूरों का संघर्ष अब केवल वेतन या कार्य-घंटों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सम्मान, सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य की लड़ाई बन चुका है। गिग अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों युवा तपती धूप और ठंडी रातों में सेवाएँ देते हैं, फिर भी उन्हें पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती। महिलाएँ घरेलू कार्य से लेकर निर्माण स्थलों तक अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, लेकिन समान अवसर और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अभी भी गंभीर कमी है। 1 मई 2026 इन्हीं प्रश्नों-महिला सशक्तिकरण, कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय-पर केंद्रित है। इतिहास साक्षी है कि मजदूरों की एकजुटता ने बदलाव रचे हैं, चाहे 1886 का शिकागो हो या आज का भारत। उनकी चुप्पी भी एक गहरा प्रश्न छोड़ती है-क्या उनकी भागीदारी के बिना प्रगति संभव है?

हमें ऐसे समाज की आवश्यकता है जहाँ मेहनत को किसी वर्ग या दर्जे से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक मूल्य और गरिमा के आधार पर देखा जाए। जहाँ कोई बच्चा अपने पिता को मजदूर कहकर शर्मिंदा न हो, बल्कि पूरे गर्व से उनका सम्मान करे। नीतियाँ ऐसी हों कि एआई मजदूरों का सशक्त सहायक बने-उन्हें ऑनलाइन कौशल प्रशिक्षण, वास्तविक समय सुरक्षा निगरानी और न्यायसंगत आय की सुनिश्चितता दे। निर्माण स्थलों पर एआई-सहायता प्राप्त आधुनिक उपकरण श्रम का बोझ भले हल्का करें, लेकिन आत्मसम्मान और गौरव को कभी कम न करें। जब तक उनकी मुस्कान विकास की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बनती, तब तक हर उपलब्धि अधूरी ही रहेगी। श्रम की धड़कनों से गढ़ी यह दुनिया किसी एक दिन की पहचान नहीं मांगती, बल्कि निरंतर सम्मान चाहती है। इस 1 मई को केवल अवकाश न समझें, बल्कि उन हाथों को महसूस करें जो ईंट-पत्थर जोड़कर हमारे सपनों के शहर बनाते हैं। उनकी जीवन-कहानियों को सुनें, उनकी आवाज़ को मंच दें और उनके परिश्रम को वह स्थान दें जो वास्तव में उनका अधिकार है।

परदेस की भीड़ में खोती पहचान अब माटी पुकार रही...

सुरेश गांधी

पूर्वांचल की धरती, जहां कभी श्रम, संस्कार और सभ्यता की सुवास देश-दुनिया तक फैलती थी, आज एक गहरे अंतर्द्वंद्व से गुजर रही है। यह संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। गांवों की पगडंडियों से लेकर शहरों की चकाचैंध तक फैला यह 'पलायन-चक्र' अब नियति जैसा प्रतीत होने लगा है, जिसने बनारस, भदोही, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, गोरखपुर, मऊ, बलिया, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशांबी, चित्रकूट से लेकर अयोध्या तक के जनजीवन को गहरे तक प्रभावित किया है।

पूर्वांचल का आम जन, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग, आज भी दो जून की रोटी की तलाश में मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली जैसे महानगरों की ओर पलायन को विवश है। यह केवल रोजगार की खोज नहीं, बल्कि परिस्थितियों के सामने आत्मसमर्पण है। गांवों के खेत, खलिहान और पुश्तैनी घर धीरे-धीरे खाली होते जा रहे हैं, जबकि महानगरों की झुग्गियों और संकरे फ्लैटों में पूर्वांचल की अस्मिता सिमटती जा रही है। रेलवे स्टेशनों पर उमड़ती भीड़, ठसाठस भरी ट्रेनों के जनरल डिब्बे, यह दृश्य केवल यात्रियों का नहीं, बल्कि टूटते सपनों और बिखरती उम्मीदों का प्रतीक है। आवागमन के दौरान होने वाली दुर्व्यवस्था, अपमान और असुविधा उस पीड़ा को और गहरा कर देती है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। विडंबना यह है कि जिन महानगरों के निर्माण में पूर्वांचल के श्रमिकों का पसीना बहा है, वहीं उन्हें अक्सर 'बाहरी' कहकर उपेक्षा और तिरस्कार का सामना करना पड़ता है। संख्या बल में प्रभावशाली होने के बावजूद, सामाजिक विखंडन, जाति, उपजाति और छोटे-छोटे समूहों में बंटा समाज, उन्हें एकजुट शक्ति बनने से रोकता है। परिणामस्वरूप, वे केवल 'सस्ता श्रम' और 'वोट बैंक' बनकर रह जाते हैं। ऐसे निराशाजनक परिदृश्य के बीच 6 मई को मुंगरा बादशाहपुर की धरती पर आयोजित 'प्रवासी सम्मेलन' एक नई उम्मीद लेकर सामने आ रहा है। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि पूर्वांचल की चेतना को जगाने का प्रयास है, एक ऐसा मंच, जहां प्रवासी अपने अनुभव, संसाधन और सामर्थ्य को अपनी जड़ों से जोड़ने का संकल्प लेंगे।

इस सम्मेलन से प्रस्तावित 'प्रवासी फाउंडेशन' एक गैर-राजनीतिक, निष्पक्ष और दूरदर्शी पहल के रूप में उभर सकता है, जो केवल विमर्श तक सीमित न रहकर ठोस परिवर्तन का माध्यम बने। यह समय केवल समस्या गिनाने का नहीं, बल्कि समाधान की दिशा में ठोस कदम बढ़ाने का है, स्थानीय विकास का मॉडल, प्रवासियों की पूंजी, कौशल और अनुभव को गांवों में निवेश कर छोटे उद्योग, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं का विकास। संगठन की शक्ति, महानगरों में प्रवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूत नेटवर्क और सामूहिक आवाज। सांस्कृतिक पुनर्संयोजन, अपनी भाषा, परंपरा और पहचान को बचाए रखते हुए आधुनिक विकास की ओर बढ़ना।

यह समझना होगा कि महानगर केवल आजीविका दे सकते हैं, पहचान नहीं। पहचान की जड़ें गांवों में ही होती हैं, वहीं हमारी संस्कृति, हमारी अस्मिता और हमारी आत्मा बसती है। यदि आज भी हम संगठित नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी पहचान के लिए भटकेंगी। मुंगरा बादशाहपुर का यह सम्मेलन एक चेतावनी भी है और अवसर भी, अपने अतीत को बचाने और भविष्य को संवारने का। जागिए, जुड़िए और बदलिए। पूर्वांचल की माटी पुकार रही है, अब वक्त आ गया है कि हम केवल परदेस की रोशनी न बढ़ाएं, बल्कि अपने घर की लौ भी प्रज्वलित करें। इस विराट सम्मेलन के संयोजक अरुण उपाध्याय का कहना है कि पूर्वांचल का पलायन केवल आर्थिक मजबूरी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। मुंगरा बादशाहपुर का यह 'प्रवासी सम्मेलन' उसी पीड़ा को दिशा देने का प्रयास है।

फटाफट सर्वस्व स्वाहा

डॉ टी महादेव राव

आज के अखबार में पढ़ा रिश्वत लेते हुए पकड़ में आया राजस्व अधिकारी ने नोटों को निगल गया। कितना दुस्साहस। सारा कुछ परम ब्रह्म स्वरूप मानकर उसने निगल लिया होगा। रिश्वत खाया, रिश्वत लिया, रिश्वत स्वाहा किया जैसे वाक्य विन्यास में से रिश्वत को खाने की चीज बनाया गया है तो इसी प्रेरणा से उसने रिश्वत में लिए गए रुपयों को निगल लिया होगा। माल के प्रति लार टपकाने को और क्या कहा जा सकता है।

रिश्वत का मतलब है विशेष सेवाओं के लिए भरी जाने वाली अतिरिक्त राशि, यह रिश्वतखोरों का मूल वाक्य है। इसलिए स्वीकार किया, पाया, हासिल किया जैसे क्रिया सूचक विशेषण की व्याख्या करने की वे आशा करते हैं। रिश्वत का मतलब ही नीच, निकृष्ट, चोरी का काम है। इसके लिए आदर सत्कार की जरूरत है क्या? चोरी करना भी एक कला है। रिश्वत तो उससे बड़ी निपुणता है। सोना चुराते हुए हवाई अड्डे पर अपने शरीर के विभिन्न अंगों में इस तरह छुपा ला रहे हैं कि शरीर का जो धर्म शास्त्र है उसे उसके लिए सवाल है कि शरीर के इतने सारे गुणों को इस तरह इस्तेमाल किया जाना क्या संभव है?

स्मगलिंग के लिए या छुपाने के लिए या लूटने के लिए निपुणता और विज्ञान का ज्ञान होना क्या जरूरी है?सोना इधर-उधर करे तो स्मगलर, चोरी करने पर चोर कहते हैं। रिश्वत खोरों को हम कर्मचारी या अधिकारी कहते हैं। सारे लोग पराए धन से पर्व मनाने वाले परजीवी हैं। चोरी करना या रिश्वत लेना एक ही है लेकिन हम उसे किस दृष्टिकोण से देखते हैं यह निर्भर करता है और हम उसको क्या बोलते हैं उसका अलग किस्सा है।

रिश्वत के धन को जो बेहतरीन ढंग से छुपा सकता है वह श्रेष्ठ रिश्वतखोर है। इसमें छोटे प्राणी ही हाथ आते हैं लेकिन बड़े नेता बड़े साहब का कहीं भी वजूद बाहर नहीं आता। महानेताओं के लिए तो छिपाने के लिए विदेश हैं। विदेशों में विशेष स्वर्ग होते हैं, विशेष द्वीप होते हैं। ऊंची ऊंची इमारत और जमीन के नीचे पेटियां होती हैं, फार्महाउस होते हैं। रिश्तेदारों, सालों के रूप में बेनामी लोग भी होते हैं। बड़े सर हैं तो जमीन, भवन, इमारतें और वस्तु के रूप में रिश्वत पाकर उन्हें रिश्तेदारों के नाम पर कर देते हैं। सूटकेस स्वीकार करना हो तो निचले स्तर का स्टाफ कर देता होगा। रिश्वत के जन्म स्थान जो मेज पर काम करने वाले कर्मचारियों के पास इतनी सुविधाएं कहां? वहां खतरा ज्यादा और और सुविधा कम है। इस तरह मुंह में समा सकने वाले नोट हैं इसलिए उन्होंने निगल लिया। अगर यही काम नेता करें तो क्या उनका पेट फट नहीं जाएगा। तब वही नोटों को माला के रूप में पहनकर बने उन्हें सरकारी दर्द के साथ दफनाया जाता। नोटों से हाथ गीले हों उससे पहले शरीर को पसीने से गीला करना होगा। रिश्वत ग्रहण कार्यक्रम एक रहस्यमयी रिवाज़ है। मेज पर के अल्पिन को भी इसका पता नहीं होना चाहिए। पैसे लिए तो काम होना ही चाहिए। कागज पत्रों को हिलना ही चाहिए। अधिकारियों के रबड़ मोहरे पड़ने चाहिए। ड्यूटी पूरी होने पर भी सीट से चिपके रहना और समर्पित होना होगा।

भगवान नरसिंह का प्रकटोत्सव कल

भगवान नरसिंह के साथ गुरु ग्रह की भी करें विशेष पूजा

गुरुवार, 30 अप्रैल को भगवान विष्णु के चौथे अवतार भगवान नरसिंह का प्रकट उत्सव है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर यह पर्व मनाया जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु ने अपने उग्र रूप में नरसिंह अवतार लेकर भक्त प्रह्लाद की रक्षा की थी और हिरण्यकश्यपु का वध किया था।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नरसिंह अवतार आधा मानव और आधा सिंह के रूप में प्रकट हुआ था, जिसने यह संदेश दिया कि जब-जब धरती पर अत्याचार और अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतरित होकर धर्म की रक्षा करते हैं। इस वर्ष यह पर्व गुरुवार को पड़ने से इसका धार्मिक महत्व और भी बढ़ गया है। गुरुवार और नरसिंह प्रकट उत्सव के योग में गुरु ग्रह की भी विशेष पूजा करनी चाहिए, ऐसा करने से कुंडली के गुरु ग्रह से जुड़े दोष भी शांत हो सकते हैं।

नरसिंह भगवान के प्रकट उत्सव पर भक्त पूरे दिन व्रत रखते हैं और नरसिंह जी की विशेष पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस व्रत से भक्त के पापों का नाश होता है और जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं। ग्रंथों में लिखा है कि भगवान नरसिंह की पूजा करने से व्यक्ति को भय, रोग, शत्रु और तनाव से मुक्ति मिलती है। वैसे तो भगवान नरसिंह की उपासना पूरे भारत में की जाती है, लेकिन दक्षिण भारत में इस पर्व का विशेष महत्व है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में इस दिन बड़े स्तर पर धार्मिक आयोजन होते हैं। यहां भगवान नरसिंह के कई प्राचीन मंदिर हैं, जहां भक्त बड़ी संख्या में दर्शन करने पहुंचते हैं।

नरसिंह प्रकट उत्सव पर करें दान-पुण्य

नरसिंह जयंती पर व्रत-पूजा करने के साथ-साथ दान करने का भी विशेष महत्व है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन श्रद्धा के अनुसार अनाज, जल, तिल, कपड़े, धन, छाता दान करना चाहिए। अभी गर्मी का समय है, तो किसी मंदिर में भक्तों के लिए पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था कर सकते हैं। माना जाता है कि इस दिन किया गया दान कई गुना फल देता है और व्यक्ति के जीवन से दुख दूर होते हैं।

इस दिन सुबह जल्दी उठकर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए। कई श्रद्धालु तीर्थ स्नान करते हैं, लेकिन यह संभव न हो, तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इसके बाद घर में गंगाजल या गौमूत्र का छिड़काव करना चाहिए। भगवान की पूजा में पहले व्रत और दान करने का संकल्प लेना चाहिए। दिनभर संयम, शांति और भक्ति भाव से मंत्र जप करना चाहिए।

नरसिंह जयंती की मुख्य पूजा सूर्यास्त के समय की जाती है। मान्यता है कि इसी समय भगवान नरसिंह का प्रकट स्वरूप अधिक प्रभावशाली माना जाता है। भक्त स्नान के बाद पूजा स्थल को शुद्ध कर भगवान की आराधना करते हैं। पूजा में चावल के आसन पर कलश स्थापित किया जाता है और भगवान नरसिंह की प्रतिमा या चित्र को विराजमान किया जाता है। इसके बाद पंचामृत, दूध और गंगाजल से भगवान का अभिषेक किया जाता है। भगवान को पीले वस्त्र अर्पित करना शुभ माना जाता है। पूजा में चंदन, चावल, रोली, फूल, तुलसी दल और धूप-दीप का प्रयोग किया जाता है।

जीवन में सुख-शांति पाने के लिए क्या करें?

जब व्यक्ति अपनी चीजों से संतुष्ट नहीं होता और अधिक पाने के लिए दौड़ता रहता है, तो वह शांति खो देता है

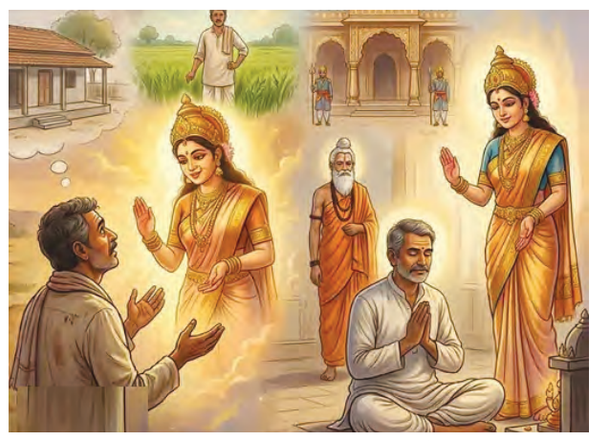

जो लोग असंतुष्ट रहते हैं, उनका मन कभी भी शांत नहीं हो सकता। सुख-शांति पाने के लिए जीवन में संतोष का होना बहुत जरूरी है। इस बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं। कहानी के अनुसार, पुराने समय में एक गरीब करीब किसान हमेशा संघर्ष और चिंताओं में घिरा रहता था। वह दिन-रात मेहनत करता, लेकिन फिर भी उसकी जरूरतें पूरी नहीं हो पाती थीं। गरीबी के कारण उसका मन हमेशा बेचैन रहता था और वह अपने जीवन से बहुत असंतुष्ट था।

एक दिन उसके गांव में एक प्रसिद्ध संत आए। किसान ने सोचा कि शायद संत उसकी समस्या का कोई समाधान दे सकते हैं। वह संत के पास गया और अपनी सारी परेशानियां विस्तार से बता दीं। संत ने उसकी बात ध्यान से सुनी और उसे एक विशेष मंत्र दिया। साथ ही उन्होंने उस मंत्र को जपने की विधि भी समझाई।

किसान ने संत के बताए अनुसार नियमित रूप से मंत्र जप शुरू कर दिया। कुछ ही दिनों में उसकी भक्ति और श्रद्धा से प्रसन्न होकर उसके सामने एक देवी प्रकट हुईं। देवी ने कहा कि मैं तुम्हारी भक्ति से खुश हूं, तुम जो चाहे वरदान मांग सकते हो।

किसान अचानक आए इस अवसर से हैरान रह गया। वह समझ नहीं पा रहा था कि उसे क्या मांगना चाहिए। उसने देवी से कहा कि वह अगले दिन अपना वरदान मांगेगा। देवी उसकी बात मानकर गायब हो गईं।

अब किसान के मन में तरह-तरह के विचार आने लगे। वह सोचने लगा कि उसके पास अच्छा घर नहीं है, इसलिए उसे घर मांग लेना चाहिए। फिर उसे लगा कि जमींदार बनना बेहतर होगा। कुछ देर बाद उसने सोचा कि जमींदार से भी बड़ा तो राजा होता है, इसलिए राजा बनने का वरदान मांगना चाहिए।

इसी उलझन में पूरा दिन निकल गया। रात भर वह सो नहीं सका। उसका मन कभी एक इच्छा पर टिकता, कभी दूसरी पर। ऐसे ही सोच-विचार करते हुए सुबह हो गई। सुबह होते ही उसके सामने देवी फिर प्रकट हुईं और वरदान मांगने को कहा।

किसान ने विनम्रता से कहा कि उसे ऐसा वरदान चाहिए जिससे उसका मन हमेशा भगवान की भक्ति में लगा रहे और वह हर परिस्थिति में संतुष्ट रह सके। देवी ने "तथास्तु" कहा और गायब हो गईं।

ये बात उस संत को मालूम हुई, जिसने उसे मंत्र दिया था। संत किसान के पास पहुंचे और उससे पूछा कि तुमने देवी से धन-संपत्ति क्यों नहीं मांगी।

किसान ने उत्तर दिया कि धन की इच्छा ने ही मैं बेचैन हो गया था, इसलिए मैंने सोचा कि जो धन अभी आया नहीं है, उसके आने के ख्याल से ही मैं बैचेन हो गया हूं, मुझे तो जीवन में शांति चाहिए, इसलिए मैंने देवी से वरदान में भक्ति मांगी है।

प्रसंग की सीख

संतोष सबसे बड़ी संपत्ति है

जीवन में असंतोष ही अधिकांश तनावों की जड़ है। जब व्यक्ति अपने पास जो है उसमें संतुष्ट नहीं होता, तो वह हमेशा अधिक पाने की दौड़ में मानसिक शांति खो देता है। संतोष का अर्थ प्रगति रोकना नहीं है, बल्कि वर्तमान को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना है।

निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें

किसान की तरह अगर हम हर विकल्प पर बिना स्पष्टता के सोचते रहेंगे, तो जीवन में भ्रम बना रहेगा। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले अपने लक्ष्य और प्राथमिकताओं को स्पष्ट करना जरूरी है।

इच्छाओं पर नियंत्रण रखें

अनियंत्रित इच्छाएं मन को अशांत कर देती हैं। एक इच्छा पूरी होती है, तो दूसरी जन्म ले लेती है। इसलिए जरूरी है कि हम यह समझें कि वास्तव में हमें क्या चाहिए और क्या सिर्फ क्षणिक आकर्षण है।

मानसिक शांति को प्राथमिकता दें

धन, पद या प्रतिष्ठा से ज्यादा महत्वपूर्ण मानसिक शांति है। यदि कोई उपलब्धि हमें तनाव देती है, तो वह दीर्घकालिक रूप से लाभकारी नहीं है।

आध्यात्मिकता और आत्मचिंतन अपनाएं

ध्यान, प्रार्थना या आत्मचिंतन से मन स्थिर होता है। इससे व्यक्ति अपने जीवन के उद्देश्य को बेहतर समझ पाता है और गलत प्राथमिकताओं से बचता है।

जीवन सरल और विचार उच्च रखें

जीवन जितना सरल होगा, उतना ही कम तनाव होगा। दिखावे और अनावश्यक प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाकर हम अधिक संतुलित जीवन जी सकते हैं।

वर्तमान में जीना सीखें

अक्सर लोग भविष्य की चिंता में वर्तमान को खो देते हैं। जीवन का वास्तविक आनंद वर्तमान क्षण में ही छिपा है- संतोष, स्पष्टता और मानसिक शांति। जब मन स्थिर होता है, तभी व्यक्ति सही निर्णय ले पाता है और जीवन को सही दिशा दे पाता है।

महाभारत: कर्ण का रहस्य खुलने पर क्यों कुंती से नाराज हो गई गांधारी, दी कौन सी उलाहना

कर्ण का जन्म किसी रहस्य की तरह था। महाभारत युद्ध के पहले तक ये रहस्य केवल दो लोगों को ही मालूम था-वो थे कुंती और कृष्ण। फिर कृष्ण ने खुद ही उस रहस्य को कर्ण के सामने जब अकेले में खोला तो भी इसका कोई असर नहीं पड़ा, क्योंकि कर्ण ने साफ कह दिया कि युद्ध तो वो कौरवों की ओर लड़ेंगे ही। जब महाभारत का युद्ध खत्म हो गया तो इस रहस्य का पता गांधारी को भी चला। तब वाकई विस्फोट जैसा हो गया।

गांधारी अपने सभी 100 पुत्रों को खो चुकी थीं। उनका क्रोध आसमान छू रहा था। वो तो पांडवों को भी श्राप देना चाहती थीं लेकिन महर्षि व्यास ने वहां पहुंचकर पांडवों को बचा लिया। हालांकि तब वह कुंती पर गुस्सा जरूर हुईं जब उन्होंने एक ऐसा राज उन्हें बताया, जो लंबे समय से उन्होंने छिपाकर रखा था। गांधारी ने नाराजगी में कुंती को ऐसा उलाहना दिया कि उनके पास कोई जवाब नहीं था। वो चुपचाप सुन ही सकती थीं। हालांकि कुंती की इस राज को जब युधिष्ठिर ने जाना तो वह बुरी तरह नाराज ही हो गए थे। आइए जानते हैं कि गांधारी ने महाभारत के बाद कुंती को क्या उलाहना दी थी। ये उन्हें क्यों दी गई थी। इस पर कुंती की प्रतिक्रिया क्या थी। दरअसल कुंती हमेशा से जानती थीं कि कर्ण उन्हीं का बेटा है। हालांकि कर्ण को जन्म देते ही उन्होंने उसका इसलिए त्याग कर दिया था, क्योंकि तब वह कुंवारी थीं।

दुर्वासा ऋषि ने क्या आशीर्वाद दिया

कुंती को विवाह से पूर्व ऋषि दुर्वासा ने आशीर्वाद दिया था, जिसके कारण कर्ण का जन्म हुआ। कथा के अनुसार, जब कुंती अपने दत्तक पिता कुंतिभोज के घर पर थीं, तो ऋषि दुर्वासा ने उनसे प्रसन्न होकर उन्हें एक मंत्र दिया था। इस मंत्र की शक्ति से वह किसी भी देवता का आह्वान करके अपने पास बुला सकती थीं। उनसे पुत्र प्राप्त कर सकती थीं। कौतूहलवश कुंती ने विवाह से पहले ही इस मंत्र का प्रयोग सूर्य देव का आह्वान करने के लिए किया, जिसके परिणामस्वरूप कर्ण का जन्म हुआ।

लोकलाज के डर से उन्होंने कर्ण को एक टोकरी में रखकर नदी में बहाया, जो अधिरथ सूत को मिली और उन्होंने कर्ण को बेटा समझकर पालापोसा। हालांकि कर्ण में हमेशा से एक खास किस्म की वीरता और तेज रहा।

कुंती ने ये रहस्य युद्ध के बाद बताया

दरअसल इसका रहस्योदघाटन भी महाभारत के युद्ध के तुरंत बाद भी उन्होंने नहीं किया बल्कि तब किया जबकि महाभारत के मृतकों का तर्पण उनके परिजन कर रहे थे। तभी सहसा शोकाकुल होकर कुंती अपने पुत्रों से बोलीं, अर्जुन ने जिनका वध किया है, तुम जिन्हें सूतपुत्र और राधा का गर्भजात समझते रहे, उस महाधनुर्धर वीरलक्षणों वाले कर्ण के लिए भी तुम लोग तर्पण करो। वो तुम्हारे बड़े भाई थे। सूर्य के औरस से मेरे गर्भ में कवच कुंडलधारी होकर वह जन्मे थे।

तब युधिष्ठिर भी बहुत नाराज हुए

ये सुनते ही पांडव पहले स्तब्ध रह गए फिर बहुत दुखी हुए। उन्होंने कहा हमें सौ गुना ज्यादा दुख हो रहा है। उस समय तो युधिष्ठिर ने कर्ण की पत्नियों के साथ मिलकर तर्पण कर दिया लेकिन बाद में अपनी मां से बहुत नाराज हुए। पहली बार अपनी मां को श्राप भी दिया।

उन्होंने अपनी माँ कुंती को उलाहना दिया कि "यदि तुमने यह बात पहले ही बता दी होती, तो हम कर्ण को सम्मान देते और यह युद्ध कभी होता ही नहीं!" भीम ने भी यह महसूस किया कि कर्ण को दुर्योधन के पक्ष में खड़ा करने की बड़ी गलती कुंती की ही थी। अर्जुन इस सच्चाई से अंदर तक हिल गए। उन्होंने कहा, "यदि मुझे पहले ही पता होता कि कर्ण मेरा भाई है, तो मैं उसके खिलाफ हथियार नहीं उठाता।" अर्जुन को इस बात का भारी दुःख हुआ कि उन्होंने अपने ही भाई को मार डाला।

गांधारी गुस्से से भभकी हुई थीं

इस बात को जब गांधारी ने जाना तो उनके अंदर पहले से ही अपने सभी पुत्रों को खोने का गुस्सा भभक रहा था। उन्होंने कुंती को उलाहना देने में एक क्षण की देरी नहीं लगाई। गांधारी ने कुंती को कर्ण के बारे में उलाहना देते हुए कहा था कि यदि कुंती ने कर्ण को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार कर लिया होता। यह बात पहले खुल गई होती, तो शायद युद्ध की भयंकरता को टाला जा सकता था।

गांधारी का मानना था कि कर्ण के पांडवों के साथ होने से कौरवों और पांडवों के बीच का संघर्ष कम हो सकता था, क्योंकि कर्ण एक महान योद्धा थे। उसका पांडवों के प्रति स्नेह भी था।

गांधारी ने कुंती पर क्या आरोप लगाया

गांधारी ने नाराज होते हुए कुंती पर यह आरोप लगाया कि उसने अपने सबसे बड़े पुत्र को छिपाकर एक बड़ा अपराध किया, जिसके परिणामस्वरूप इतना विनाश हुआ। कुंती ने इस उलाहने का जवाब बड़े संयम और दुख के साथ दिया।

कुंती ज्यादा जवाब नहीं दे पाई

दुखी कुंती ने तब गांधारी से कहा कि कर्ण को त्यागना उसका सबसे बड़ा दुख और कठिन फैसला था, जो उसने समाज के भय और अपनी अविवाहित स्थिति के कारण लिया। कुंती ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपने इस निर्णय के लिए हमेशा पश्चाताप करती रही। ये भी कहा कि भाग्य और कर्म का खेल ऐसा था कि शायद यह सब टाला नहीं जा सकता था। कुंती ने गांधारी के दुख को समझते हुए सहानुभूति दिखाई, लेकिन ये भी कहा, उसने जो किया, वह उस समय की परिस्थितियों में उसके लिए जरूरी था। ये पूरा संवाद महाभारत के "स्त्री पर्व" में है, जहां दोनों माताएं अपने-अपने दुख और फैसलों के बारे में बात करती हैं।

गांधारी-कुंती का तनाव

हालांकि महाभारत में गांधारी और कुंती के बीच तनाव कई अवसरों पर इसके अलावा भी देखने को मिलता है। द्रौपदी के स्वयंवर के बाद जब पांडव द्रौपदी को लेकर हस्तिनापुर लौटते हैं, तो गांधारी के मन में पुत्र दुर्योधन की हार और कुंती के पुत्रों की जीत को लेकर एक क्षुब्ध होने का भाव जरूर था। "आदि पर्व" और "सभापर्व" के संदर्भ इसे जाहिर करने के लिए काफी हैं।

जब द्रौपदी का चीरहरण होता है और पांडवों को वनवास पर जाना पड़ता है तब भी दोनों स्त्रियों के बीच तनाव था। कुंती इन सबसे बहुत नाराज थीं। वह बेटों के साथ वनवास तो नहीं गईं लेकिन उन्होंने गांधारी के साथ महल में रहने से भी इनकार कर दिया। इसकी जगह वह विदुर के साथ उनके घर पर रहीं। पांडव 14 साल वनवास में रहे। उसमें कभी कभार ही गांधारी और कुंती का मिलना होता था।

अंदर ही अंदर तनाव

– मातृत्व और पुत्र-प्रेम की प्रतिस्पर्धा को लेकर

– गांधारी चाहती थीं कि दुर्योधन राजा बने, जबकि कुंती जानती थीं कि युधिष्ठिर ही धर्म के अनुसार सही उत्तराधिकारी हैं।

– गांधारी अपने पुत्रों के प्रति पक्षपात रखती थीं। कुंती हमेशा चिंतित रहती थीं कि कौरव पांडवों के साथ अन्याय कर रहे हैं।

– कुंती चाहती थीं कि गांधारी अपने पुत्रों को रोकें, जबकि गांधारी अपने पुत्रों के प्रति अंधी थीं।

गांधारी ने कभी कुंती की बात नहीं मानी

जब पांडवों को जुए में छलपूर्वक हराकर वनवास भेजा गया, तब कुंती हस्तिनापुर में ही रहीं। इस दौरान उन्होंने गांधारी को कई बार समझाने की कोशिश की कि दुर्योधन को अधर्म के रास्ते से रोकें, लेकिन गांधारी ने हमेशा पुत्र-धर्म निभाया और दुर्योधन को खुलकर नहीं रोका। इससे कुंती को गांधारी से असंतोष था।

हालांकि महाभारत के युद्ध के बाद कुंती और गांधारी कुछ समय जाकर अपनापा हो गया। इसी वजह से जब धृतराष्ट्र और गांधारी वनवास के लिए जाने लगे तो वह भी उनके साथ विदुर को लेकर वन में चली गईं, जहां उनका निधन हुआ।

जिन लोगों के हाथ में होता है इन 5 में कोई भी एक शुभ चिह्न

राजा की तरह होती है लाइफ, धन-दौलत से भरी रहती तिजोरी

कुछ लोग जन्म के साथ राजा होते हैं यानि सभी प्रकार के भौतिक सुख और सुविधाओं से संपन्न होते हैं। उनकी तिजोरी हमेशा धन और संपत्ति से भरी रहती है। ऐसे लोगों की हथेली विशेष होती है। ऐसे लोगों की हथेली में कुछ ऐसे शुभ चिह्न होते हैं, जो इनकी सफलता और ऐशोआराम की जिंदगी की वजह होते हैं। सामुद्रिक शास्त्र में बताया गया है कि जिन लोगों के हाथों में शुभ चिह्न होते हैं, वे लोग राजा के समान जीवन व्यतीत करते हैं। सामुद्रिक शास्त्र से जानते हैं हथेली के शुभ चिह्नों के बारे में।

हाथ के शुभ चिह्न

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिस व्यक्ति के दाहिने हाथ में मछली, छत्र, हाथी, तालाब और अंकुश या फिर वीणा का चिह्न, इनमें से कोई भी एक चिह्न होता है, वह व्यक्ति इस संसार में एक राजा होता है। वह अपनी लाइफ को एक राजा की तरह जीता है।

जिस पुरुष के अंगूठे के बीच में यव यानि जौ के समान शुभ चिह्न होता है, वह व्यक्ति अपने जीवन में बहुत ही यश, धन, पद और प्रतिष्ठा प्राप्त करता है। यही जौ का चिह्न अंगूठे के मध्य में हो तो वह व्यक्ति अपने पूरे जीवन काल में सभी प्रकार के सुखों का भोग करता है।

ऐसे ही जौ का निशान किसी व्यक्ति के मध्यमा या फिर तर्जनी अंगुली के मूल में यानि जड़ में दिखाई दे, तो यह समझ लें कि वह व्यक्ति धनी और गुणी होने के साथ साथ बहुत प्रसिद्ध भी होता है। उनको पुत्र, जीवनसाथी, मकान, वाहन का भी सुख प्राप्त होता है।

सामुद्रिक शास्त्र में लिखा है कि जिस भी व्यक्ति की हथेली में या फिर पैर के तलवे में कमल, चक्र, मनुष्य, रथ, ध्वज, सिंहासन, डोली या घोड़ा में से कोई भी एक शुभ चिह्न हो तो उनके पास उत्तम लक्ष्मी का वास होता है। उसका घर धन और संपत्ति से भरा रहता है। यदि आपकी हथेली या पैर के तलवे में तिल का निशान है तो आप स्वयं को भाग्यशाली समझें। ऐसे लोगों के पास अपार धन होता है। उन लोगों के पास वाहन सुख भी होता है। वाहन की कोई कमी नहीं होती है। जिस व्यक्ति के हाथ में सूर्य, चंद्रमा, लता, आंख, अष्टकोण, त्रिकोण, मंदिर, हाथी, घोड़ा आदि में से कोई एक भी चिह्न हो तो ऐसे मनुष्य धनी और सुखी होते हैं। सूर्य का चिह्न व्यक्ति को तेजवान बनाता है, चंद्रमा का चिह्न हो तो व्यक्ति यशवान होता है, लता का चिह्न व्यक्ति के नाम को पूरे संसार में फैलाता है।

आंतरिक नेत्रों से ही संभव है दिशाभ्रम का समाधान

आंखों को आंखों से देखने के लिए भी आईना लगता है। मेडिकल साइंस हमारी आंखों को केवल देखने, दिखाने से जोड़कर चलता है। अध्यात्म विज्ञान कहता है, दो आंखें भीतर भी होती हैं। शंकर जी की तीसरी आंख की बात तो छोड़ ही दें, लेकिन हम मनुष्य भीतर की आंखों को देखने के लिए नेत्र बंद करें, मौन साधें और ध्यान की दिशा में चलें। तब एहसास होगा कि भीतर भी नेत्र हैं।

अब उनका क्या उपयोग? तुलसीदास जी ने दृश्य लिखा, काकभुशुंडि जी गरुड़ जी से कह रहे हैं– जब जेहि दिसि भ्रम होई खगेसा, सो कह पच्छिम उयउ दिनेसा। हे पक्षीराज, जिसे दिशा भ्रम होता है तब वह कहता है कि सूर्य पश्चिम में उदय हुआ है। दिशाभ्रम का अर्थ है– टोटल कन्फ्यूज्ड, दिग्भ्रम।

इसमें दाएं-बाएं, आगे-पीछे, अंदर-बाहर की समझ चली जाती है। भूत, वर्तमान और भविष्य का घालमेल हो जाता है। विज्ञान इसे डिमेंशिया, अल्जाइमर का नाम देता है। तो काकभुशुंडि जी ने संकेत दिया है कि दिशा भ्रम अच्छे-अच्छों को हो जाता है। इसका निपटारा आंतरिक नेत्रों से ही हो सकेगा।

हाई हील पहनकर 'लाल परी' बने अक्षय कुमार

देखकर हैरान रह गईं जैकलीन-भूमि; फराह खान ने किया सलाम

अक्षय कुमार के होस्ट वाला गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब खत्म हो चुका है। शो का फिनाले एपिसोड भी प्रसारित हो चुका है। फिनाले एपिसोड में फराह खान, भूमि पेडनेकर और जैकलीन फर्नांडीज गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान गेम के साथ-साथ तीनों ने अक्षय के साथ मिलकर जमकर मस्ती भी की। इस एपिसोड का एक वीडियो अब सामने आया है, जिसमें अक्षय हील्स पहनकर 'लाल परी' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं।

जैकलीन ने दी अक्षय को चुनौती, फिर एक्टर ने किया डांस

फिनाले एपिसोड के दौरान जैकलीन ने अक्षय द्वारा किए गए प्रैंक्स का बदला लेने के लिए एक चुनौती रखी। उन्होंने अक्षय को ऊंची एड़ी वाली हील्स पहनकर एक मिनट तक नाचने के लिए कहा। जैकलीन ने यह भी कहा कि अगर अक्षय बीच में ही रुक गए, तो उन्हें उनके खाते में 1 लाख रुपये जमा करने होंगे।

पहले तो अक्षय हिचकिचाए और बोले, 'पागल है क्या मैं पहनूं? मोच वोच आ जाएगी। मैंने कभी ऐसा नहीं किया, मुझे बहुत डर लगता है।' लेकिन फराह ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और आखिरकार जैकलीन की मदद से उन्होंने हील्स पहन लीं। इसके बाद अक्षय ने 'हाउसफुल 5' के गाने 'लाल परी' पर लाल हील्स पहनकर डांस किया और उन्हें हील्स में घूमते हुए भी देखा गया। बाद में फराह और भूमि भी उनके साथ शामिल हो गईं।

फराह ने किया अक्षय को प्रणाम

इसके बाद फराह ने अक्षय कुमार से कुछ डांस स्टेप्स करने को कहा, जिन्हें उन्होंने आसानी से कर दिखाया। एक मिनट का चैलेंज पूरा करने के बाद फराह उन्हें प्रणाम करती और ताली बजाती नजर आईं, जो साफ तौर पर उनकी तारीफों से भरी थीं। हील्स आखिरकार टूट गईं और अक्षय ने कहा, 'सारी औरतों को सलाम है, कैसे पहनते हो आप लोग।' अक्षय का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है अक्षय की 'भूत बंगला'

वर्कफ्रंट की बात करें अक्षय कुमार की हालिया रिलीज 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा भी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पार कर चुकी है। अक्षय की आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है। ये इस साल 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रीति जिंटा ने पेड पीआर पर कसा तंज

18 करोड़ के लोन वाली खबर पर दी सफाई, बोलीं- 'मनगढ़ंत खबरें फैलने लगी'

प्रीति जिंटा बॉलीवुड में बहुत कम नजर आती हैं, आईपीएल मैच के दौरान ही वह स्टेडियम में या फिर अपनी टीम पंजाब किंग्स के साथ दिखाई देती हैं। हाल ही में आईपीएल मैच के थोड़ी फुर्सत निकालकर प्रीति जिंटा ने अपने फैंस के कुछ सवालों के जवाब ट्विटर पर दिए। इन्हीं सवालों के बीच उन्होंने पेड पीआर को लेकर काफी कुछ कहा।

पेड पीआर टीम की मदद नहीं लेती हैं प्रीति जिंटा

एक फैन ने प्रीति जिंटा से पूछा, 'जब आप लोगों से सीधे बात करती हैं तो बिना किसी पीआर टीम की मदद के फैंस से गहरा जुड़ाव बनाती हैं। इस सवाल के जवाब में प्रीति लिखती हैं, 'मुझे ठीक से नहीं पता कि इस सवाल का जवाब कैसे दूं?

लेकिन सोशल मीडिया ने पूरा खेल ही बदल दिया है। इसके जरिए मुझे लोगों से सीधे जुड़ने का मौका मिलता है। मुझे पेड पीआर खरीदने का ज्यादा शौक नहीं है। इस तरह का ऑर्गेनिक जुड़ाव मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात है।'

वह आगे जवाब में लिखती हैं, 'इसका दूसरा पहलू यह है कि अब हर वो इंसान जिसके पास फोन और कैमरा है, वह पैपराजी बन सकता है। एक तरफ तो आपकी लगातार तस्वीरें खींची जा रही होती हैं और दूसरी तरफ लोग अब फॉलोअर्स, व्यूज और पेज पर लाइक्स खरीद सकते हैं (फिल्म इंडस्ट्री में भी बहुत से लोगों को ऐसा करते सुना है)। यह बहुत से लोगों के लिए बिजनेस बन गया है, लेकिन मैं इन्हें लेकर कोई राय नहीं बनाती हूं। बस यह मेरा तरीका नहीं है।'

सोशल मीडिया पर आग की तरह फैलती है फेक न्यूज

प्रीति जिंटा का मानना है कि सोशल मीडिया ने पॉजिटिविटी, नेगेटिविटी और कभी-कभी फेक न्यूज को भी एक बिल्कुल ही अलग लेवल पर पहुंचा दिया है। वह अपने ट्वीट में लिखती हैं, 'कुछ समय पहले मैं महाकुंभ मेले में गई थी। अचानक मेरे बारे में यह मनगढ़ंत खबरें फैलने लगीं कि मैंने 18 करोड़ का लोन लिया है, उसे चुकाया नहीं है, वगैरह-वगैरह। किसी ने इसके बारे में लिखा, दूसरे ने उस पोस्ट को कॉपी कर लिया और यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गई। आज तक मैंने कितनी ही बार यह कहा है कि यह फेक न्यूज है, लेकिन लोग अब भी मुझसे इसके बारे में पूछते हैं और सोशल मीडिया पर राजनीतिक पार्टियों से मेरे जुड़ाव को लेकर ताने कसते हैं। इसलिए सोशल मीडिया का एक खतरा यह भी है कि इस पर फेक न्यूज तेजी से फैलती है, नेगेटिविटी पैदा होती है। इसके बारे में भविष्य में बहुत सावधान रहने की जरूरत है। चाहे कोई सेलिब्रेटी हो या न हो।'

दो फिल्मों में नजर आएंगी प्रीति जिंटा

जल्द ही प्रीति जिंटा बड़े पर्दे पर भी नजर आएंगी। उन्होंने ही फैंस को बताया कि वह इस साल दो फिल्मों में नजर आएंगी। एक फिल्म में तो वह सनी देओल के साथ अभिनय कर रही हैं। सनी देओल के साथ उनकी फिल्म 13 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

एक्टर भरत कपूर का 80 साल की उम्र में निधन

'नूरी', 'गुलामी' और 'खुदा गवाह' जैसी फिल्मों में नजर आए थे

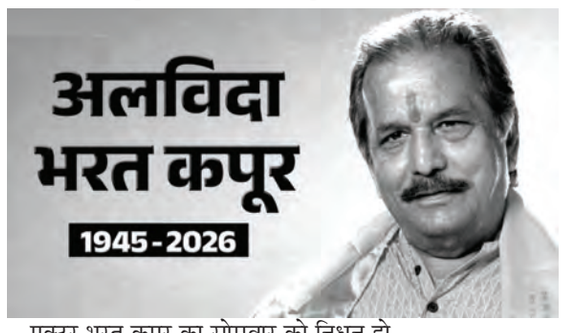

एक्टर भरत कपूर का सोमवार को निधन हो गया। 80 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई में अपने घर पर अंतिम सांस ली। उन्होंने लगभग चार दशकों के करियर में अमिताभ बच्चन स्टारर आखिरी रास्ता और खुदा गवाह समेत 200 से अधिक फिल्मों में काम किया था। उन्होंने नूरी, आखिरी रास्ता, बाजार, इनकार, राम बलराम जैसी फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाए थे। एक्टर अवतार गिल ने भरत कपूर के निधन की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि भरत कपूर पिछले दो-तीन दिनों से बीमार थे। वह घर पर ही थे और सोमवार दोपहर करीब 3 बजे उनका निधन हुआ। अवतार गिल ने कहा कि उन्हें शाम करीब 4 से 4:30 बजे भरत कपूर के बेटे का फोन आया था।

नूरी जैसी कई फिल्मों में काम किया

भरत कपूर ने 1972 में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में काम किया, जिनमें नूरी (1979), राम बलराम (1980), लव स्टोरी (1981), बाजार (1982), गुलामी (1985), आखिरी रास्ता (1986), सत्यमेव जयते (1987), स्वर्ग (1990), खुदा गवाह (1992) और रंग (1993) शामिल हैं।

भरत कपूर टीवी शो में भी नजर आए

भरत कपूर ने बरसात (1995), साजन चले ससुराल (1996) और मीनाक्षीः अ टेल ऑफ थ्री सिटीज (2004) जैसी फिल्मों में भी काम किया। वहीं, फिल्मों के अलावा उन्होंने टेलीविजन में भी काम किया। वह कैम्पस, परंपरा, राहत, सांस, अमानत, तारा, चुनौती और कहानी चंद्रकांता की जैसे शो में नजर आए।

'दांत टूटा, चेहरा सूज गया' स्प्लिट्सविला 16 की प्रतियोगी प्रीत के साथ हुआ हादसा

एमटीवी स्प्लिट्सविला सीजन 16 की प्रतियोगी प्रीत सिंह ने हाल ही में अपने साथ हुए एक हादसे के बारे में बताया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि मुंबई के एक क्लब में उनके साथ मारपीट हुई। इसके बाद उनका एक दांत टूट गया और आंखें सूज गईं।

इंस्टाग्राम पर प्रीत ने अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें देखा जा सकता है कि उनकी आंखें सूजी हुई हैं। कैप्शन में, उन्होंने विस्तार से घटना के बारे में बताया है। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा 'चेतावनी। मैंने हमेशा सुना है कि मुंबई लड़कियों के लिए सबसे सुरक्षित शहरों में से एक है। मगर, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह मेरा स्वागत इस तरह करेगा। जब मैं यह लिख रही हूं, तब भी मैं कांप रही हूं। मेरी आंखें सूजी हुई हैं। मेरे चेहरे पर चोट के निशान हैं। मैं अभी भी यह समझने की कोशिश कर रही हूं कि आखिर हुआ क्या।'

उन्होंने लिखा, 'मैं बस एक क्लब में अपनी दोस्त के साथ बैठी समय बिता रही थी, तभी अचानक एक लड़की चिल्लाने लगी और सवाल करने लगी कि हमें अंदर आने की इजाजत कैसे मिली। जो बात सिर्फ कहा-सुनी से शुरू हुई थी, वह जल्द ही एक भयानक घटना में बदल गई।'

उन्होंने आगे लिखा 'उस लड़की का एक दोस्त बीच में आया और उसने हमारे साथ मारपीट की। मुझे इतनी जोर से मारा गया कि मेरा एक दांत टूट गया और मेरा चेहरा सूज गया। जब लोगों ने बीच-बचाव किया, तब जाकर यह सब रुका। बाद में मुझे पता चला कि वह लड़की एक तथाकथित 'इन्फ्लुएंसर' है। मैं अभी भी सदमे में हूं कि ऐसी कोई घटना इतनी खुलेआम कैसे हो सकती है। किसी के भी साथ ऐसा नहीं होना चाहिए।'

'भूत बंगला' के 100 करोड़ कमाने पर इमोशनल हुईं वामिका गब्बी

प्रियदर्शन, अक्षय कुमार, एकता कपूर के साथ-साथ कास्ट व क्रू की आभारी हूं

वामिका गब्बी इन दिनों प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आ रही हैं। फिल्म में उनकी एक्टिंग के लिए उन्हें काफी सराहना मिल रही है। वहीं मूवी ने भी बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। एक्ट्रेस के करियर में ये उनकी पहली फिल्म रही, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की कमाई की है। इसी का आभार जताने के लिए वामिका ने एक खास नोट इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

100 करोड़ कमाने वाली वामिका की पहली फिल्म

वामिका ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'भूत बंगला' के सेट से कुछ बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें कास्ट और क्रू नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के जरिए उन्होंने फिल्म की सफलता का जश्न मनाया।

उन्होंने लिखा, 'मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन, अक्षय कुमार, एकता कपूर के साथ-साथ पूरी कास्ट और क्रू की मैं दिल से आभारी हूं, जिन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।"

कास्ट, क्रू से लेकर दर्शकों का किया धन्यवाद

उन्होंने आगे दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'और दर्शकों का इसे देखने, महसूस करने और धीरे-धीरे इसे और मुझे अपनाने के लिए धन्यवाद। यहां तक पहुंचने का हर कदम मैंने मेहनत से सीखा और महसूस किया है। यह तो बस शुरुआत है मैं आगे भी मेहनत करती रहूंगी, सीखती रहूंगी और आपको एंटरटेन करती रहूंगी हमेशा।'

'भूत बंगला' के बारे में

'भूत बंगला' 17 अप्रैल को रिलीज हुई थी। इसका डायरेक्शन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म हॉरर-कॉमेडी है। इसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, राजपाल यादव, परेश रावल, तबु, मिथिला पालकर, असरानी जैसे कलाकार शामिल हैं।

'डॉन 3 बंद नहीं होगी', फरहान अख्तर बोले- पर्दे पर जरूर दिखेगी कहानी

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता फरहान अख्तर की 'डॉन 3' पिछले काफी वक्त से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली 'डॉन 3' अपनी कास्टिंग को लेकर विवाद में फंस गई है। फिल्म में पहले रणवीर सिंह के लिए जाने और बाद में उनके फिल्म से बाहर होने के चलते, अब फरहान के प्रोडक्शन हाउस ने रणवीर पर हर्जाना देने का दावा किया है।

मामला प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया तक भी पहुंच चुका है। हालांकि, इस सबके बावजूद फरहान अख्तर का कहना है कि फिल्म बंद नहीं हुई है और ये ऐसी कहानी है, जिसे वो जरूर बनाना चाहते हैं। फरहान इस पूरे विवाद के दौरान सीख मिलने की भी बात कही।

मेरे लिए महत्वपूर्ण फिल्म है 'डॉन 3'

फरहान अख्तर ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल खासतौर पर चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने अप्रत्याशित की उम्मीद करना सीख लिया है। जब तक फिल्म बन न जाए, तब तक किसी भी बात को निश्चित नहीं माना जा सकता। 'डॉन 3' को एक महत्वपूर्ण फिल्म बताते हुए फरहान ने कहा कि फिल्म को बंद नहीं किया जाएगा। यह उन शानदार कहानियों में से एक है, जिसे मैं अब पर्दे पर उतारना चाहता हूं। यह क्रिएटिव रूप से मेरे लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है।

साल 2023 में फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें इस बार शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह लीड एक्टर के तौर पर शामिल हुए थे। रणवीर को फिल्म में लेने पर फरहान ने इसे एक नए युग की शुरुआत बताया था।

लेकिन फिल्म को लेकर विवाद तब शुरू हुआ, जब रणवीर सिंह ने फिल्म छोड़ दी। फरहान अख्तर के प्रोडक्शन बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट ने कथित तौर पर प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया से संपर्क किया है और दावा किया कि रणवीर के अंतिम समय में फिल्म छोड़ने से लगभग 40 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मेकर्स ने रणवीर से हर्जाने की मांग भी की है।

खबरों के अनुसार, रणवीर सिंह ने दावा किया कि उन्होंने स्क्रिप्ट से संतुष्ट न होने के कारण प्रोजेक्ट छोड़ा। उनकी ओर से बाद में ये भी आरोप लगाया गया कि फरहान अख्तर ऋतिक रोशन को फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन धुरंधर की सफलता ने उनका इरादा बदल दिया। हालांकि, ऋतिक रोशन इन दावों को खारिज कर चुके हैं। उनका कहना है कि उन्हें कभी भी 'डॉन 3' के लिए संपर्क ही नहीं किया गया।

2011 में आई थी 'डॉन 2', शाहरुख ने निभाई प्रमुख भूमिका

अमिताभ बच्चन की 1978 में आई कल्ट-क्लासिक फिल्म 'डॉन' का 2006 में फरहान अख्तर ने रीमेक बनाया। इसमें शाहरुख खान प्रमुख भूमिका में 'डॉन' के किरदार में नजर आए। इसके पांच साल बाद 2011 में फरहान 'डॉन' का सीक्वल 'डॉन 2' लेकर आए, इसमें एक बार फिर शाहरुख खान ही प्रमुख भूमिका में नजर आए।

दोनों फिल्मों में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। दोनों फिल्मों का निर्देशन भी फरहान अख्तर ने ही किया है। फिलहाल, विवादों के बीच भी दर्शक 'डॉन 3' का इंतजार कर रहे हैं। अब देखना ये है कि अगर ये फिल्म आगे बढ़ती है तो 'डॉन' के किरदार में कौन अभिनेता नजर आएगा?

30 साल बाद इस सुपरस्टार के साथ वापसी करेंगी तब्बू

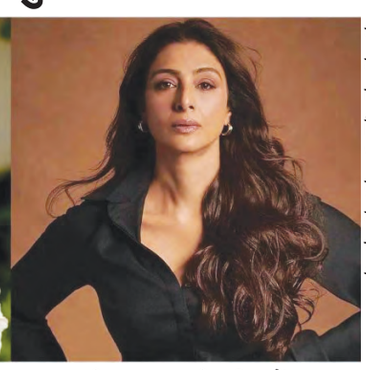

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन ने अपनी 100वीं तेलुगु फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। फिल्म का नाम फिलहाल 'किंग 100' है। अब फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू भी शामिल हो गई हैं। तब्बू इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। खास बात ये है कि इस फिल्म के जरिए दशकों बाद तब्बू और नागार्जुन एक साथ किसी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

तब्बू ने साझा की तस्वीर

तब्बू ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करते हुए फिल्म से खुद के जुड़ने और शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी। तब्बू ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें फिल्म के टाइटल वाला क्लैपरबोर्ड एक काली कुर्सी पर रखा हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'और हम शुरू करते हैं किंग100।' इसके साथ ही तब्बू ने हैशटैग में नागार्जुन का नाम लिखा है और मेकर्स को मेंशन किया है।

तीन दशक बाद साथ नजर आएंगे तब्बू और नागार्जुन

'किंग 100' के जरिए तब्बू और नागार्जुन लगभग 30 साल बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले नागार्जुन और तब्बू साल 1996 में आई रोमांटिक फिल्म 'निन्ने पेल्लादाता' में साथ नजर आए थे। अब दर्शक तीन दशक बाद दोनों को एक ही फिल्म में देखने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि, 'किंग 100' की कास्ट और क्रू व फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।

'भूत बंगला' में नजर आई हैं तब्बू

वर्कफ्रंट की बात करें तो तब्बू हाल ही में अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आई हैं। इस फिल्म में परेश रावल, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है।

वहीं नागार्जुन को आखिरी बार पिछले साल आई रजनीकांत की तमिल एक्शन फिल्म 'कुली' में देखा गया था। जबकि नागार्जुन की आखिरी हिंदी फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन - शिवा' है, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

काजोल और बेटी नीसा के बीच होते थे खूब झगड़े

गुस्से में एक्ट्रेस ने तोड़ा था फोन, मां-बेटी इन 5 तरीकों से संभालें हालात

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल और उनकी बेटी नीसा देवगन की तरह अगर आपके और आपकी टीनएज बेटी के बीच झगड़े हो रहे हैं, तो दोनों को कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। मां के तौर पर आपको पहले बेटी को सलाह देने से पहले उन्हें ध्यान से सुनें। वहीं बेटियों को चाहिए कि वे मां के लहजे पर ध्यान देने के बजाय उनकी फ्रिक को समझें।

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में बताया कि जब उनकी बेटी नीसा देवगन करीब 12 साल की थीं, तब दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। एक बार गुस्से में उन्होंने फोन भी तोड़ दिया था। मैं एक एक्सपर्ट के तौर पर समझना जरूरी है कि 12 से 17 साल की उम्र में, सबसे करीबी रिश्तों यानी बच्चों और माता-पिता के बीच भी तनाव आ सकता है।

इसकी वजह यह है कि टीनएज में बच्चों की सोच, भावनाएं और व्यवहार तेजी से बदलते हैं। इसका असर मां-बेटी के रिश्ते पर भी पड़ता है, जिससे दोनों को कभी-कभी उलझन, दुख और निराशा महसूस होती है। हालांकि, ऐसी स्थिति से निपटने के लिए मां और बेटी दोनों को धैर्य, समझ और आपसी बातचीत बनाए रखना बहुत जरूरी है।

दिमाग नहीं होता विकसित

सबसे पहले पेरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि टीनएजर्स का दिमाग इस वक्त में लगातार विकसित हो रहा होता है। ब्रेन का वह हिस्सा, जो सही-गलत समझने, गुस्सा कंट्रोल करने और दूसरों की बात समझने में मदद करता है, लगभग 25 साल तक पूरी तरह विकसित होता है। इसी वजह से कई बार बच्चा चीजों को अलग तरीके से समझ लेता है। मां की चिंता उसे आलोचना लग सकती है, साधारण सवाल पूछताछ जैसा महसूस हो

सकता है, और प्यार से बनाए गए नियम उसे रोक-टोक जैसे लग सकते हैं।

बच्चे बनाना चाहते हैं अपनी पहचानः इस उम्र मेंबच्चे अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं। एक लड़की भी अपने परिवार, खासकर मां से अलग खुद को समझने और पहचान बनाने की कोशिश करती है। ऐसे में जब मां उसे समझाती या सुधारती है, तो उसे लगता है कि उसकी आजादी छीनी जा रही है या उसे कंट्रोल किया जा रहा है।

इमोशन्स संभालने की नहीं होती क्षमताः इस उम्र में लड़कियां भावनात्मक रूप से बहुत संवेदनशील होती हैं। यह जिद या नाटक नहीं होता, बल्कि इसलिए होता है क्योंकि उनके इमोशन्स को संभालने की क्षमता अभी पूरी तरह विकसित नहीं होती। इसलिए जो बात मां को सामान्य लगती है, वही बात बेटी को बहुत ज्यादा बुरी लग सकती है।

प्यार की कमी नहीं होती है यह

मां और बेटी दोनों को यह समझना जरूरी है कि यह प्यार की कमी नहीं है। यह एक स्वाभाविक बदलाव है, जहां बच्चा बड़ा हो रहा होता है और अपनी अलग पहचान बनाना चाहता है। असल में, यह स्थिति जीव विज्ञान, मनोविज्ञान और विकास तीनों के टकराव का नतीजा होती है। इसीलिए इस स्थिति को मां और बेटी दोनों को ही बेहद सावधानी से स्थिति को संभालना चाहिए।

मदर्स इस स्थिति को कैसे संभालें:

पहले सुनें, फिर सलाह दें: टीनएजर्स को कोई भी बात समझाने ये गाइड करने से पहले उन्हें यह महसूस करना जरूरी है कि उनकी बात सुनी जा रही है। इसलिए कुछ भी कहने से पहले उन्हें ध्यान से सुनें।

जरूरी बातों पर ही सख्ती रखें: हर छोटी बात पर बहस जरूरी नहीं है। सिर्फ उन्हीं मुद्दों पर ध्यान दें जो सच में महत्वपूर्ण हैं।

भावनाओं को समझें: पहले बेटी की फीलिंग्स को समझने की कोशिश करें। मगर इस बात का यह मतलब कतई न निकालें कि आप उसकी हर बात से सहमत हैं, बस यह कोशशि इसीलिए है की इससे भरोसा बढ़ता है।

अपनी फीलग्सि ईमानदारी से बताएं: बेटियों से अपनी बात खुलकर कहें, लेकिन अपनी भावनाओं का बोझ बेटी पर न डालें।

माफी मांगना सीखें: अगर आपसे गलती हो जाए, तो उसे मान लें। इससे आप उसे भी जिम्मेदार और समझदार बनना सिखाती हैं।

बेटियों को समझनी चाहिए ये 5 बातें:

लहजे को नजरअंदाज करें: बेटियों को यह समझने की जरूरत है की कभी-कभी मां का बोलने का तरीका सख्त लग सकता है, लेकिन उनकी चिंता आमतौर पर सच्ची होती है।

शांति से स्पेस मांगें: इस वक्त में झगड़ा करने के बजाय आप मां से साफ और शांति से कहें कि आपको थोड़ा खुद के लिए वक्त चाहिए।

खुद से शेयर करें: अपनी छोटी-छोटी बातें खुद बताने से मां की चिंता और सवाल कम हो जाते हैं। इसीलिए कोशिश करें की उनसे शेयर करें।

धैर्य रखें: आपकी मां भी इस नए दौर को समझ रही हैं। उनके पास भी हर बात का जवाब नहीं होता, इसलिए उन्हें भी समय दें। झगड़े के बाद सुलह करें: अगर बहस हो जाए, तो बाद में 'सॉरी' कहना या मान लेना कि बात बिगड़ गई थी, बहुत जरूरी है। इससे दोनों के बीच भरोसा कायम होता है।

बातचीत जारी रहना है बेहद जरूरी

किशोरावस्था में मां-बेटी का रिश्ता मुश्किलों से टूटता नहीं है, बल्कि यह उसी तरह आगे बढ़ रहा होता है जैसा उसे होना चाहिए। इस समय होने वाले छोटे-छोटे मनमुटाव इस वक्त का अहम हिस्सा होते हैं। ध्यान रखें की जो परिवार मजबूत बनकर निकलते हैं, वे वो नहीं होते जो झगड़ों से बचते हैं, बल्कि वे होते हैं जो हर हाल में बातचीत जारी रखते हैं।

बच्चों को नाश्ते में चाय-बिस्कुट बिल्कुल न दें

बढ़ सकता है एनीमिया का खतरा, ये 5 जोखिम भी हैं शामिल

कभी बच्चों की जिद तो कभी जल्दबाजी में माता-पिता उन्हें नाश्ते में चाय और बिस्कुट दे देते हैं। लेकिन यही आदत धीरे-धीरे उनकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। यह स्नैक्स बच्चों को जरूरी पोषण नहीं देता और इससे एनीमिया (खून की कमी) का खतरा भी बढ़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स बच्चों के लिए हेल्दी और पौष्टिक नाश्ते के विकल्प चुनें।

आमतौर पर कई घरों में सुबह की शुरुआत चाय और बिस्कुट या हल्के स्नैक्स से होती है। जब बड़े ऐसा करते हैं, तो बच्चे भी यही आदत अपना लेते हैं। खास बातचीत में डॉक्टर गोपाल ने बताया की यह आदत बच्चों के लिए सही नहीं है। चाय और बिस्कुट से शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिलता। लंबे समय तक ऐसा नाश्ता करने से बच्चों की शारीरिक और मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और उनकी इम्यूनिटी भी कमजोर हो सकती है।

इसलिए जरूरी है कि बच्चों को हेल्दी नाश्ते के विकल्प दिए जाएं, जैसे वेजिटेबल पोहा, पनीर स्टफिंग वाला चीला और अन्य पौष्टिक चीजें। नीचे पेरेंट्स इसके बारे में विस्तार से समझ सकते हैं।

आखिर चाय-बिस्किट अनहेल्दी क्यों हैं?

सुबह का नाश्ता बच्चे के पूरे दिन की ऊर्जा, दिमाग के काम (कॉग्निटिव फंक्शन) और ओवरऑल हेल्थ के लिए बहुत जरूरी होता है। वहीं, चाय-बस्किटि में पोषण न के बराबर होता है। बस्किटि ज्यादातर मैदा, चीनी और अनहेल्दी फैट से बने होते हैं। इनमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल जैसे जरूरी पोषक तत्व लगभग नहीं के बराबर होते हैं। वहीं, चाय में भी कोई खास पोषण नहीं होता। ऐसे में चाय और बिस्कुट मिलकर सिर्फ 'खाली कैलोरी' देते हैं, जो पेट तो भरते हैं लेकिन शरीर को जरूरी ताकत और पोषण नहीं देते।

बढ़ता है एनीमिया का खतराः चाय में टैनिन नाम का तत्व होता है, जो शरीर में आयरन को सही तरीके से अवशोषित होने से रोकता है। अगर बच्चे रोज सुबह चाय पीते हैं, तो उनके शरीर में आयरन की कमी हो सकती है और आगे चलकर एनीमिया (खून की कमी) का खतरा बढ़ जाता है। इससे बच्चे की ग्रोथ और इम्यूनिटी दोनों पर बुरा असर पड़ सकता है।

चिड़चिड़ापन बढ़ सकता हैं: बिस्कुट में चीनी ज्यादा होती है, जिससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है और फिर अचानक गिर जाता है। इस उतार-चढ़ाव की वजह से बच्चे चिड़चिड़े हो सकते हैं, उनका ध्यान कम लगने की शिकायत हो सकती है और बार-बार कुछ अनहेल्दी खाने की इच्छा होने लगती है।

हेल्दी नाश्ते के आसान विकल्प

मूंगफली के साथ वेजिटेबल पोहा
दही के साथ होल व्हीट वेजिटेबल पराठा
दूध और फलों के साथ ओट्स दलिया
सांभर और नारियल की चटनी के साथ इडली
पनीर स्टफिंग वाला बेसन चिल्ला
होल ग्रेन टोस्ट के साथ उबले अंडे
मेवे और बीजों के साथ फ्रूट स्मूदी
सब्जियों के साथ उपमा
सादा या मीठा दलिया
दूध के साथ पीनट बटर या पनीर सैंडविच

सिजेरियन के बाद जल्द दूसरी प्रेग्नेंसी हो सकती है खतरनाक

डॉक्टर से जानिए कारण और सही समय

सिजेरियन डिलीवरी के बाद महिला के शरीर को पूरी तरह रिकवर होने में समय लगता है। अगर शरीर को पर्याप्त समय न मिले और जल्दी फरि प्रेग्नेंसी हो जाए, तो मां की सेहत पर असर पड़ सकता है और कई जोखिम भी बढ़ सकते हैं। इसी वजह से मैं बतौर डॉक्टर नर्धिारति अंतराल के बाद ही अगली गर्भावस्था की योजना बनाने की सलाह देती हूं।

मैंने कई ऐसे मामले देखे हैं जहां महिलाओं ने सिजेरियन डिलीवरी के बाद पर्याप्त समय नहीं दिया और जल्दी ही दूसरी बार प्रेग्नेंसी हो गई। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें प्लेसेंटा प्रीविया और प्लेसेंटा एक्रेटा जैसी जोखमिों का सामना करना पड़ा। इसलिए यह समझना बहुत जरूरी है कि सिजेरियन के बाद अगली गर्भावस्था की योजना बनाते समय कम से कम 18 से 24 महीने का अंतर रखना चाहिए। इससे गर्भाशय के अंदरूनी घाव ठीक से भर पाते हैं और महिला का शरीर पूरी तरह रिकवर हो जाता है। कपल्स को इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए और सोच-समझकर सही समय पर ही अगली गर्भावस्था की योजना

बनानी चाहिए।

गैप आखिर जरूरी क्यों हैं?

दो प्रसवों के बीच लगभग 2 साल का अंतर रखने की सलाह दुनिया भर की मेडिकल गाइडलाइंस और लंबे समय के क्लीनिकल अनुभव पर आधारित है। यह अंतराल गर्भाशय को पूरी तरह से मजबूत होने का अवसर देता है और अगली गर्भावस्था के दौरान जटिलताओं का जोखिम भी कम करता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि रिकवरी सिर्फ बाहरी घावों तक सीमित नहीं होती, बल्कि शरीर के अंदरूनी ऊतकों को ठीक होने में भी अधिक समय लगता है। इसके अलावा, इस अवधि में शरीर के पोषक तत्वों का संतुलन भी फिर से बेहतर हो जाता है, जिससे अगली गर्भावस्था मां और बच्चे दोनों के लिए अधिक सुरक्षित और स्वस्थ बन सकती है।

प्रेग्नेंसी में हो सकती हैं ये कॉम्प्लिकेशन्स

सी-सेक्शन के बाद अगर अगली गर्भावस्था के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता, तो कई कॉम्प्लिकेशन्स का खतरा बढ़ सकता है। इनमें सबसे गंभीर जोखिम गर्भाशय फटने यानी कि यूट्राइन रप्चर का होता है, जिसमें पुराने ऑपरेशन का घाव दबाव पड़ने पर कमजोर होकर फट सकता है।

यह एक इमरजेंसी मेडकिल स्थति होती है, जसिमें मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा हो सकता है। इसके अलावा प्लेसेंटा से जुड़ी समस्याएं जैसे प्लेसेंटा प्रीविया और प्लेसेंटा एक्रेटा का खतरा भी बढ़ सकता है।

पार्टनर शक करता है? बड़े कारण और भरोसा वापस लाने के आसान तरीके!

रिश्तों की नींव भरोसे पर टिकी होती है, लेकिन जब उसी भरोसे में दरार आने लगे तो रिश्ता कमजोर पड़ने लगता है। कई बार ऐसा होता है कि आपका पार्टनर आप पर शक करने लगता है, भले ही आपने कुछ गलत न किया हो। यह शक धीरे-धीरे रिश्ते में तनाव, लड़ाई और दूरी का कारण बन सकता है।

शक करने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे पिछला बुरा अनुभव, बातचीत की कमी या फिर आत्मविश्वास की कमी। अगर समय रहते इस समस्या को समझकर सुलझाया न जाए, तो यह रिश्ता टूटने तक की नौबत ला सकता है।

सही समझ और कुछ आसान उपायों से इस समस्या को दूर किया जा सकता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि पार्टनर क्यों शक करता है और आप कैसे इस शंका को खत्म करके अपने रिश्ते को फिर से मजबूत बना सकते हैं।

कई बार आपके पार्टनर के पिछले रिश्तों में धोखा मिला होता है, जिसकी वजह से वह आसानी से भरोसा नहीं कर पाते। यह उनका डर होता है, न कि आपकी गलती। ऐसे में धैर्य और समझ जरूरी है।

अगर आप अपने दिन, दोस्तों या योजनाओं के बारे में खुलकर बात नहीं करते, तो पार्टनर के मन में शंका पैदा हो सकती है। छोटी-छोटी बातें भी शेयर करना रिश्ते को मजबूत बनाता है।

कुछ लोग स्वभाव से ज्यादा सोचते हैं और छोटी बातों को बड़ा बना लेते हैं। आत्मविश्वास की कमी भी शक की बड़ी वजह बनती है। उनकी इनसिक्योरिटी उन्हें शक करने पर मजबूर कर देती है। आज के समय में सोशल मीडिया भी शक का कारण बन सकता है। ऑनलाइन एक्टिविटी, चैट्स या लाइक्स को लेकर गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं।

भरोसा वापस कैसे लाएं

भरोसा बनाने के लिए सबसे जरूरी है ईमानदारी और निरंतर प्रयास।

अपने व्यवहार में पारदर्शिता रखें। पार्टनर को समय दें। उन्हें यह महसूस कराएं कि वे आपके लिए खास हैं।

प्राइवेट और सरकारी वैक्सीन में क्या फर्क है?

बच्चों को समय-समय पर वैक्सीन लगवाई जाती है ताकि वे बीमारियों और इंफेक्शन से सुरक्षित रह सकें। लेकिन पेरेंट्स अक्सर कन्फ्यूजन में रहते हैं कि सरकारी या प्राइवेट वैक्सीन में से क्या बेहतर है। एक एक्सपर्ट के तौर मैं यह कहता हूं कि दोनों ही विकल्प सुरक्षित और प्रभावी हैं, और इनके असर में कोई अंतर नहीं होता।

अक्सर मुझसे कई पेरेंट्स यह सवाल करते हैं कि प्राइवेट और सरकारी वैक्सीन में क्या अंतर होता है और क्या सरकारी वैक्सीन कम असर करती है। बतौर डॉक्टर मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि दोनों ही वैक्सीन एक जैसे मानकों पर बनी होती हैं और समान रूप से असरदार होती हैं। इसलिए पेरेंट्स को किसी भी भ्रम में न पड़कर समय पर बच्चों का टीकाकरण करवाना चाहिए और जरूरत पड़ने पर पीडियाट्रिशियन से सलाह लेनी चाहिए।

वैक्सीन एक मेडकिल प्रोडक्ट है, जो लोगों को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए दिया जाता है। यह शरीर की इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, ताकि वह वायरस और बैक्टीरिया से लड़ सके। टीके में कीटाणुओं का कमजोर, मरा हुआ रूप, या उनसे मिलते-जुलते पदार्थ होते हैं। इससे शरीर बिना बीमार हुए ही एंटीबॉडी बनाना सीख जाता है और आगे चलकर बीमारी से बचाव करता है।

बच्चों को गंभीर और जानलेवा बीमारियों से बचाने का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण (वैक्सीनेशन) है। इससे खसरा, पोलियो, डिप्थीरिया और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों से बचाव होता है। ये बीमारियां कई बार जिंदगी भर की परेशानी, गंभीर दिक्कतें या यहां तक कि मौत का कारण भी बन सकती हैं। वहीं, छोटे बच्चों का इम्यून सिस्टम पूरी तरह मजबूत नहीं होता, इसलिए वे संक्रमणों से जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। ऐसे में टीके उन्हें इन बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

सरकारी और प्राइवेट टीकों में मुख्य फर्क उनकी उपलब्धता, कीमत और कवरेज का होता है। सरकारी टीके नेशनल वैक्सीनेशन कार्यक्रम के तहत लोगों को मुफ्त में उपलब्ध कराए जाते हैं। इनका उद्देश्य बच्चों को खतरनाक और जानलेवा बीमारियों से बचाना होता है, ताकि मौत और गंभीर बीमारियों के मामलों को कम किया जा सके। वहीं, प्राइवेट टीके निजी अस्पताल या क्लीनिक में मिलते हैं और इसके लिए पैसे देने पड़ते हैं। हालांकि, इनमें कुछ ऐसे टीके भी शामिल होते हैं जो सरकारी सूची में नहीं होते। कुछ प्राइवेट टीके ज्यादा बीमारियों से सुरक्षा देते हैं या खास और कम होने वाली बीमारियों से भी बचाव करते हैं।

भारत में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत कई जरूरी टीके फ्री में उपलब्ध कराए जाते हैं, जो बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाते हैं। इनमें बीसीजी, पोलियो (ओपीवी/आईपीवी), हेपेटाइटिस बी, पेंटावैलेंट वैक्सीन (डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटनेसऔर हेपेटाइटिस बी), रोटावायरस, खसरा-रूबेला (एमआर) और डीपीटी बूस्टर शामिल हैं।

माता-पिता भी होते हैं स्वार्थी, अपने फायदे के लिए चुनते हैं फेवरेट बच्चे

इन 3 तरीकों से खुद को संभालें

कई परिवारों में ऐसे मामले देखने को मिलते हैं, जहां पेरेंट्स बच्चों के साथ समान व्यवहार नहीं करते या किसी एक बच्चे को ज्यादा पसंद करते हैं। यह स्थिति दूसरे बच्चे के लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल हो सकती है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए बच्चों को सबसे पहले समस्या को स्वीकार करना चाहिए और फिर शांत तरीके से अपने माता-पिता से खुलकर बात करनी चाहिए।

आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि माता-पिता अपने सभी बच्चों से निस्वार्थ प्रेम करते हैं और सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं। लेकिन बतौर मनो चिकित्सक, मैं यह कहना चाहती हूं कि कई मामलों में वास्तविकता इससे अलग भी होती है। मैंने कई बार देखा है कि पेरेंट्स कभी-कभी अपनी जरूरतों या खास परिस्थितियों के कारण किसी एक बच्चे की तरफ ज्यादा झुकाव रख सकते हैं। मनोविज्ञान की भाषा में इसे 'माता-पिता का पक्षपात' कहा जाता है।

ऐसा पक्षपात बच्चों के आत्मविश्वास,भावनात्मक विकास और सिबलिंग्स के आपसी संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसलिए पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे अपने व्यवहार पर ध्यान दें और सभी बच्चों को समान प्यार, समय और सम्मान देने की कोशिश करें।

आखिर पेरेंट्स क्यों करते हैं पक्षपात?

माता-पिता कई कारणों से किसी एक बच्चे को ज्यादा पसंद कर सकते हैं। इनमें कभी-कभी यह जरूरतों पर निर्भर करता है। जैसे- जो बच्चा पढ़ाई में अच्छा हो, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो या भावनात्मक रूप से सहारा देता हो, उसे ज्यादा भरोसेमंद माना जा सकता है। वहीं, जो बच्चा बीमार हो, कमजोर हो या जिसे ज्यादा देखभाल की जरूरत हो, उसे भी ज्यादा ध्यान मिलता है।

लेकिन हर बार यह झुकाव सिर्फ प्यार की वजह से नहीं होता। कई बार यह अनजाने में भी हो जाता है।

माता-पिता उस बच्चे के ज्यादा करीब महसूस कर सकते हैं, जिसकी सोच, स्वभाव या रुचियां उनसे मिलती-जुलती हों। इस तरह धीरे-धीरे एक भावनात्मक जुड़ाव बन जाता है, जो बिना समझे ही किसी एक बच्चे की तरफ ज्यादा झुकाव पैदा कर सकता है।

कब पक्षपात अनजाने में होता है?

ज्यादातर मामलों में माता-पिता जानबूझकर अपने दूसरे बच्चों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते हैं। यह पक्षपात अक्सर अनजाने में ही होता है और समय के साथ बने मनोवैज्ञानिक पैटर्न से जुड़ा होता है।

उदाहरण के लिए, अगर किसी माता-पिता का बचपन कठिन रहा हो, तो वे अनजाने में एक बच्चे पर ज्यादा ध्यान देकर उस कमी को पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं।

इसी तरह, कुछ सांस्कृतिक सोच भी इसका असर डालती है, जैसे कुछ जगहों पर बेटों को बेटियों से ज्यादा प्राथमिकता देना।

कब पक्षपात जानबूझकर होता है?

कुछ स्थितियों में माता-पति कसिी एक बच्चे को पक्षपात जानबूझकर भी किया जा सकता है। ऐसा तब होता है जब माता-पिता भावनात्मक या आर्थिक मदद के लिए किसी एक बच्चे पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाते हैं। इससे परिवार में सही सीमाएं स्पष्ट नहीं रह पातीं और रिश्तों में असंतुलन पैदा हो सकता है।

पेरेंट्स के पक्षपात का बच्चों पर असर

भावनात्मक दूरी बढ़ सकती हैः परिवार में जो बच्चा आज्ञाकारी,खुलकर बोलने वाला या पढ़ाई में अच्छा होता है, उसे अक्सर पेरेंट्स की तरफ से ज्यादा सकारात्मक प्रोत्साहन मिलता है। वहीं जो बच्चा अंतर्मुखी, जिद्दी या पढ़ाई में कमजोर होता है, उसे कभी-कभी गलत समझ लिया जाता है या उस पर कम ध्यान दिया जाता है।

वहीं, समय के साथ यह स्थिति और मजबूत हो सकती है। 'पसंदीदा' बच्चा अच्छा प्रदर्शन करता रहता है, जबकि दूसरा बच्चा खुद को अलग महसूस करने लगता है या उसका व्यवहार बदल सकता है। इससे दोनों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ सकती है।

खुद पर संदेह बढ़ सकता हैः माता-पिता के पक्षपात का मनोवैज्ञानिक असर बहुत गहरा हो सकता है। जिन बच्चों को कम महत्व मिलता है, उनमें आत्मविश्वास की कमी आ सकती है। वे अक्सर खुद पर शक करने लगते हैं और यह महसूस कर सकते हैं कि वे पर्याप्त अच्छे नहीं हैं। ऐसी सोच उनके रिश्तों, करियर के फैसलों और मानसिक स्वास्थ्य तक पर भी नकारात्मक असर डाल सकती है।

रिलायंस में आने वाली है तगड़ी उछाल!

ग्लोबल ब्रोकरेज ने बढ़ाया टारगेट प्राइस, कहां से मिलेगा बूस्ट?

नई दिल्ली,28 अप्रैल(एजेंसियां)। मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एक बार फिर सुर्खियों में है। गोल्डमैन सैश और दूसरे कई ग्लोबल ब्रोकरेज ने रिलायंस का टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। हालांकि यह शेयर अपने पीक से करीब 15 फीसदी गिर चुका है। लेकिन जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कंपनी का ऑयल-टु-कमिकल्स बिजनेस प्रभावित हुआ था लेकिन अब यह बुरा दौर बीत चुका है। साथ ही जियो का आईपीओ भी रिलायंस के लिए बूस्टर का काम कर सकता है। गोल्डमैन सैश ने रिलायंस के शेयर के लिए बाय रेटिंग जारी रखते हुए इसका टारगेट प्राइस 1,910 रुपये कर दिया है। कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 1,365.95 रुपये पर बंद हुआ था। इसका 52 हफ्ते का टॉप 1,611.20 रुपये है। गोल्डमैन सैश का कहना है कि रिलायंस के ओ2सी बिजनेस पर दबाव का बुरा दौर अब बीत चुका है। साथ ही

जियो के आईपीओ की डेट भी करीब आ रही है और रिलायंस की इंटिग्रेटेड डाउनस्ट्रीम पोजीशनिंग को देखते हुए यह रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल्स सिस्टम की टाइट पोजीशन से सबसे ज्यादा लाभ कमाने की स्थिति में है।

जियो का आईपीओ

नोमुरा ने रिलायंस के शेयर को 1,640 रुपये का टारगेट दिया है। उसका कहना है कि जियो का आईपीओ नियर टर्म में रिलायंस के शेयर के लिए सबसे बड़ा कैटालिस्ट बन सकता है। रिलायंस अगले महीने जियो के आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर फाइल कर सकती है। नोमुरा ने कहा कि यह रिलायंस के साथ-साथ टेलीकॉम सेक्टर के लिए भी अहम उत्प्रेरक हो सकता है। Ambit ने भी जियो के आईपीओ को सबसे बड़ा कैटालिस्ट बताया है।

रिलायंस की चाल

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आ सकती है तगड़ी उछाल

गोल्डमैन सैश ने आरआईएल का टारगेट प्राइस 1,910 रुपये किया

नोमुरा ने रिलायंस के शेयर को 1,640 रुपया का टारगेट दिया

अपने पीक से 15 फीसदी गिर चुका है रिलायंस का शेयर

कहां तक जाएगी कीमत?

इस बीच सीएलएसए ने रिलायंस के शेयर को आउटपरफॉर्म रेटिंग देते हुए 1,800 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। मोर्गन स्टेनली ने 1,803 रुपये का टारगेट दिया है। इसी तरह जेपी मोर्गन ने 1,675 रुपये के टारगेट के साथ ओवरवेट रेटिंग बनाए रखी है। रिलायंस का शेयर 5 जनवरी को 1,611.20 रुपये पर पहुंचा था जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। लेकिन उसके बाद से इसमें काफी गिरावट आई है। अभी यह बीएसई पर मामूली गिरावट के साथ 1364.10 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

अनिल अंबानी समूह पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, 3034 करोड़ की संपत्ति जब्त; कुल आंकड़ा 19 हजार करोड़ के पार

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी के रिलायंस समूह से जुड़े मामलों की जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 3,034 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां जब्त की हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक चल रहे मामले के तहत की गई है। सूत्रों के अनुसार, यह संपत्तियां रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से संबंधित हैं। इनमें मुंबई में एक फ्लैट, महाराष्ट्र के खंडाला स्थित एक फार्महाउस, अहमदाबाद के साणंद क्षेत्र में जमीन के टुकड़े और आर-इंफ्रा के करीब 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं।ईडी ने यह कदम प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत उठाया है और इन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई जांच एजेंसी की चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा है।

कुल अटैच संपत्ति बढ़कर 19,344 करोड़ रुपये हुई

सूत्रों के मुताबिक, अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में अब तक अटैच की गई कुल संपत्तियों का मूल्य बढ़कर लगभग 19,344 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ईडी इस पूरे मामले में बैंक धोखाधड़ी और फंड के कथित दुरुपयोग की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कंपनियों के धन का उपयोग किन-किन तरीकों से किया गया और क्या इसमें नियमों का उल्लंघन हुआ है।

उतार-चढ़ाव के बाद टूटा बाजार; सेंसेक्स 417 अंक गिरा

निफ्टी 24000 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सेंसेक्स 417 अंक नीचे बंद हुआ। निफ्टी 24 हजार अंक के नीचे। एक्सिस बैंक में 3% और एचसीएल टेक में 2% की गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 416.72 अंक गिरकर 76,886.91 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995.70 पर आ गया।

रुपया डॉलर के मुकाबले 41 पैसे टूटकर 94.56 पर बंद हुआ

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 41 पैसे गिरकर 94.56 पर बंद हुआ।

मंगलवार को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी के निरंतर बहिर्वाह के कारण निवेशकों की भावनाएं आहत हुईं, जिसके चलते रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 41 पैसे गिरकर 94.56 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि चालू खाता घाटे (सीए) में संभावित वृद्धि और अस्थिर पूंजी प्रवाह को ध्यान में रखते हुए, रुपया पहले ही काफी तेजी से कमजोर हो चुका है।

इसके अलावा, विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने रुपये पर दबाव डाला, क्योंकि इस साल अब तक एफआईआई ने भारतीय इक्विटी से 19 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि निकाल ली है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.35 पर खुला, फिर इसमें गिरावट आई और यह दिन के दौरान 94.58 के निचले स्तर पर पहुंच गया, और अंत में 94.56 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 41 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया डॉलर के मुकाबले सिर्फ एक पैसे की बढ़त के साथ 94.15 पर बंद हुआ।

एनवीडिया जैसी कोई नहीं! पूरे जापान पर भारी जेंसन हुआंग की कंपनी, चीन कहीं नहीं है टक्कर में

नई दिल्ली,28 अप्रैल(एजेंसियां)। एआई का बढ़ता चलन ग्लोबल इकॉनमी को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया का मार्केट कैप हाल में 5 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया था। सोमवार को कंपनी का शेयर 4 फीसदी से अधिक तेजी के साथ नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 5.264 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। इसके साथ ही एमएससीआई ऑल कंट्री वर्ल्ड इंडेक्स में कंपनी का वेटेज 4.96 फीसदी पहुंच गया है जो इतिहास में उच्चतम स्तर के करीब है। एसीडब्ल्यूआई इंडेक्स ग्लोबल इक्विटी मार्केट का 85 फीसदी कवर करता है। इसमें लार्ज और मिड-कैप स्टॉक भी शामिल हैं। इस इंडेक्स में एनवीडिया का वेटेज दुनिया के तीसरे बड़े स्टॉक मार्केट जापान से भी ज्यादा पहुंच गया है। इसमें जापान का कंट्रीब्यूशन 4.94 फीसदी है। साथ ही कंपनी का कंट्रीब्यूशन फ्रांस और जर्मनी के कंबाइंड वेटेज से भी ज्यादा है। इस इंडेक्स में यूके की हिस्सेदारी 3.3 फीसदी, कनाडा की 3.09 फीसदी और चीन का कंट्रीब्यूशन 2.83 फीसदी है।

शेयरों में तेजी

कुछ साल पहले तक एनवीडिया को शायद ही कोई जानता था। लेकिन दुनिया में एआई का चलन बढ़ने से एनवीडिया के शेयरों में भारी उछाल आई है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि 2022 से कंपनी का मार्केट कैप 4.9 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। एनवीडिया की स्थापना जेंसन हुआंग ने की थी। हुआंग आज 179 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के आठवें बड़े रईस हैं।

कहां है रिलायंस

एनवीडिया मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। साथ ही यह 5 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। दुनिया की 10 सबसे बड़ी वैल्यूएबल कंपनियों में से आठ अमेरिका की हैं। एनवीडिया के बाद इस लिस्ट में गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 4.216 ट्रिलियन के साथ दूसरे नंबर पर है। इसके बाद ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, ऐमजॉन, ताइवान की टीएसएमसी, ब्रॉडकॉम, सऊदी अरामको, मेटा प्लेटफॉर्म्स और टेस्ला का नंबर है। भारत की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज 197.57 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में 87वें नंबर पर है।

रुपये की सेहत पर आरबीआई की 'पैनी नजर'!

जुलाई से लागू होंगे नए नियम, विदेशी बाजारों में होने वाले हर सौदे का होगा हिसाब

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। रुपये की मजबूती और विदेशी बाजारों में उसकी सही कीमत सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने बड़ा कदम उठाया है।अब ऑफशोर यानी विदेशों में होने वाले रुपये से जुड़े डेरिवेटिव सौदों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी।जुलाई 2027 से लागू होने वाले इन नए नियमों के तहत बैंकों को हर महत्वपूर्ण ट्रांजेक्शन की रिपोर्ट देनी होगी।यह कदम न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगा, बल्कि करेंसी मार्केट में जोखिम को समझने और नियंत्रित करने में भी मदद करेगा।रुपये की ग्लोबल ट्रेडिंग पर पकड़ मजबूत करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने एक अहम नियामकीय बदलाव की घोषणा की है।केंद्रीय बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे अपनी ग्रुप कंपनियों द्वारा किए गए ऑफशोर रुपये-आधारित डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की विस्तृत रिपोर्टिंग करें। यह व्यवस्था जुलाई 2027 से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी और 2028 तक पूरी तरह प्रभावी हो जाएगी।अब तक आरबीआई की निगरानी मुख्य रूप से घरेलू बाजारों तक सीमित थी, लेकिन नए नियमों के तहत विदेशी बाजारों खासकर नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड जैसे सेगमेंट में होने वाले सौदों को भी ट्रैक किया जाएगा।इससे रुपये की वास्तविक कीमत तय करने में पारदर्शिता आएगी और विदेशी बाजारों के प्रभाव को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा।आरबीआई के मुताबिक, इस कदम का मुख्य उद्देश्य फॉरेक्स मार्केट में डेटा की गुणवत्ता बढ़ाना और मूल्य निर्धारण को अधिक सटीक बनाना है।इसके लिए बैंकों को कॉन्ट्रैक्ट की नॉशनल वैल्यू, मैच्योरिटी, काउंटरपार्टी और करेंसी स्ट्रक्चर जैसी अहम जानकारियां साझा करनी होंगी।इससे यह समझना आसान होगा कि रुपये से जुड़ा जोखिम कहां उत्पन्न हो रहा है और किस तरह ट्रांसफर हो रहा है।बैंकों की ओर से उठाई गई ऑपरेशनल चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने कुछ राहत भी दी है।उदाहरण के तौर पर 1 मिलियन डॉलर से कम के नॉशनल वैल्यू वाले कॉन्ट्रैक्ट्स को रिपोर्टिंग से छूट दी गई है।इसके अलावा बैक-टू-बैक ट्रांजैक्शंस को भी इस दायरे से बाहर रखा गया है.रिपोर्टिंग की जिम्मेदारी केवल भारतीय इकाइयों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि ऑफशोर से जुड़ी पार्टियों को भी सीधे डेटा देने की अनुमति दी गई है।

मार्च 2026 में औद्योगिक उत्पादन 4.1% बढ़ा

विनिर्माण और खनन क्षेत्र से अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि (आईआईपी) ने वित्त वर्ष के अंत में सकारात्मक और स्थिर गति दिखाई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में औद्योगिक उत्पादन 4.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। गौरतलब है कि पिछले साल के समान महीने (मार्च 2025) में यह आंकड़ा 3.9 प्रतिशत पर था। सूचकांक में आई यह आंशिक लेकिन महत्वपूर्ण तेजी अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थिर और मजबूत दृष्टिकोण का संकेत देती है।

मैन्युफैक्चरिंग और माइनिंग में तेजी

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सबसे अधिक वेटेज रखने वाले मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई है। विभिन्न सेक्टर्स के प्रदर्शन से जुड़े मुख्य आंकड़े इस प्रकार हैं:

मैन्युफैक्चरिंग: इस सेक्टर में 4.3 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अंतर्गत आने वाले 23 में से 14 उद्योग समूहों ने सकारात्मक विकास दिखाया है। मुख्य रूप से बेसिक मेटल्स, मोटर वाहन और मशीनरी जैसे कोर और निवेश से जुड़े क्षेत्रों में लगातार मजबूती बनी हुई है। माइनिंग: माइनिंग सेक्टर ने भी इस अवधि के दौरान बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5.5 प्रतिशत का विस्तार दर्ज किया है। इलेक्ट्रिसिटी: इन सब के विपरीत, बिजली उत्पादन के मोर्चे पर सुस्ती देखने को मिली। इसमें मात्र 0.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसने समग्र उत्पादन की गति को थोड़ा सीमित कर दिया। निवेश और उपभोक्ता मांग के मिले-जुले रुझान घरेलू

मांग और बाहरी आर्थिक परिस्थितियों से मिल रहे मिश्रित संकेतों के बीच, उपयोग-आधारित आंकड़ों ने देश में मजबूत निवेश के सकारात्मक रुझान पेश किए हैं: कैपिटल गुड्स: पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 14.6 प्रतिशत का बड़ा उछाल आया है, जो देश में औद्योगिक क्षमता विस्तार और स्वस्थ निवेश मांग को साफ तौर पर दर्शाता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर: बुनियादी ढांचे और निर्माण से जुड़ी वस्तुओं के आउटपुट में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।कंज्यूमर गुड्स: उपभोक्ता क्षेत्र में मिले-जुले रुझान रहे। जहां कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (टिकाऊ वस्तुएं) में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, वहीं गैर-टिकाऊ वस्तुओं में केवल 1.1 प्रतिशत का मामूली इजाफा हुआ।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) आर्थिक गतिविधियों और आर्थिक स्वास्थ्य को मापने का एक प्रमुख पैमाना माना जाता है। मार्च के महीने में दर्ज की गई यह आंशिक तेजी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वित्तीय वर्ष के अंत में कारखानों की गतिविधियों में निरंतर गति बनी हुई है। कैपिटल गुड्स और मैन्युफैक्चरिंग में दर्ज की गई यह मजबूती नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश करते समय अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थिर विकास पथ की नींव रख रही है।

सोना 1629 गिरकर 1.50 लाख पर आया

ऑलटाइम हाई से 26 हजार सस्ता हो चुका; चांदी में आज 5,381 की गिरावट

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 28 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,629 रुपए घटकर 1.50 लाख रुपए आ गया है।

इससे पहले गुरुवार को यह 1.51 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 5,381 रुपए घटकर 2.38 लाख रुपए रह गई। चांदी की कीमत कल यानी 27 अप्रैल को 2.49 लाख रुपए थी। साल की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावसूली और ईरान जंग से गिरावट आई है।

शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 1.33 लाख

ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाख

मौजूदा स्थिति: उच्चतम स्तर से सोना 26 हजार सस्ता होकर अब 1.50 लाख/10 ग्राम आ चुका है।

चांदी में क्रैश: 3.86 लाख से 2.38 लाख तक

चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा और यह ऑल टाइम हाई से तेजी से नीचे आई है।

शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 2.30 लाख

ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 3.86 लाख

गिरावट का आंकड़ा: पिछले 89 दिन में चांदी 1.48 लाख गिरकर 2.38 लाख/किलो पर आई।

भारत ने 25 लाख टन अतिरिक्त गेहूं निर्यात को दी मंजूरी, मजबूत स्टॉक और बंपर पैदावार ने आसान की राह

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय ने देश से 25 लाख टन अतिरिक्त गेहूं के निर्यात की अनुमति देने के सरकार के फैसले को आधिकारिक तौर पर अधिसूचित कर दिया है। केंद्र सरकार ने 20 अप्रैल को देश में गेहूं के पर्याप्त स्टॉक और आगामी रबी सीजन में एक और मजबूत पैदावार की संभावनाओं को देखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया था।

निर्यात का बढ़ता दायरा और कुल आंकड़े

इस नई खेप की मंजूरी मिलने के बाद, देश से अब तक कुल 50 लाख टन गेहूं और 10 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को हरी झंडी मिल चुकी है। गौरतलब है कि सरकार ने इससे पहले इसी साल जनवरी महीने में 5 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी। इसके बाद, फरवरी में अतिरिक्त 5 लाख टन गेहूं उत्पादों और 25 लाख टन गेहूं को निर्यात के लिए मंजूर किया गया था।

नीतिगत स्थिति और डीजीएफटी की अधिसूचना

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अपनी हालिया अधिसूचना में नीतिगत स्थिति को साफ करते हुए कहा है, गेहूं की निर्यात नीति... प्रतिबंधित बनी हुई है। हालांकि, अतिरिक्त 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी जाती है। महानिदेशालय ने यह भी साफ किया है कि इस निर्यात के लिए विस्तृत नियम और प्रक्रियाएं एक अलग आदेश के जरिए जल्द ही अधिसूचित की जाएंगी। इसके अलावा, सरकार ने 13 मई, 2022 को जारी की गई अपनी पुरानी नीतिगत शर्त को भी बरकरार रखा है। इस शर्त के मुताबिक: भारत सरकार अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए गेहूं निर्यात की अनुमति दे सकती है। यह निर्यात संबंधित देशों की सरकारों के विशेष अनुरोध और

भारत सरकार की मंजूरी के आधार पर किया जाएगा। सबसे अहम बात यह है कि खाद्य सुरक्षा के तहत किया जाने वाला यह निर्यात, वर्तमान में मंजूर किए गए 25 लाख मीट्रिक टन के कोटे से अलग होगा।

कृषि उत्पादन और बंपर पैदावार का असर

निर्यात नीतियों में इस ढील के पीछे कृषि क्षेत्र के उत्साहजनक आंकड़े एक बड़ा कारण हैं। कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दूसरे अग्रिम

अनुमान के अनुसार:

फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के लिए देश का कुल गेहूं उत्पादन 120.2 मिलियन टन रहने का अनुमान है। उत्पादन में इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण बुवाई के रकबे में हुआ इजाफा है। साल 2026 के रबी सीजन के दौरान गेहूं की बुवाई का रकबा बढ़कर 33.41 मिलियन हेक्टेयर हो गया है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 32.80 मिलियन हेक्टेयर था।

आगे की राह

कुल मिलाकर, रबी सीजन में बढ़े हुए रकबे और 120.2 मिलियन टन उत्पादन के अनुमान ने घरेलू बाजार में अनाज की उपलब्धता को लेकर सरकार का भरोसा बढ़ाया है।

एक तरफ जहां देश का अपना खाद्य भंडार सुरक्षित स्थिति में है, वहीं दूसरी तरफ इस अतिरिक्त निर्यात मंजूरी से वैश्विक बाजार में भी भारतीय गेहूं की उपस्थिति मजबूत होगी और जरूरतमंद देशों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारत की भूमिका बनी रहेगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

सूर्योदय 05-55
सूर्यास्त. 18 -32

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष बुधवार 29 April 2026
तिथि - त्रयोदशी 19-51 रात्री तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - हस्त 00-16 रात्री तक उप चित्रा
योग - हर्षण 20-51 रात्री तक उप वज्र
करण - कौलव 07-19 तक उप तैतिल

विशेष: प्रदोष व्रत
सर्वार्थ सिद्धि योग 06-06 से

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष	मे	मेष......	05-07 बजे
चंद्र	कन्या	मे	वृष.....	06-51 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन..	08-51 बजे
बुध	मीन	मे	कर्क...	11-04 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह----	13-16 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या--	15-22 बजे
शनि	मीन	मे	तुला---	17-28 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक..	19-37 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु.....	21-51 बजे
			मकर...	23-58 बजे
			कुंभ...	01-48 बजे
			मीन....	03-27 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
12-14 से
13-49 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05-55 - 07-28	शुभ	उत्पात	18-32 - 19-59	अशुभ
अमृत	07-28 - 09-03	शुभ	शुभ.	19-59 - 21-24	शुभ
काल	09-03 - 10-38	अशुभ	अमृत	21-24 - 22-49	शुभ
शुभ	10-38 - 12-14	शुभ	चंचल	22-49 - 00-13	शुभ
रोग	12-14 - 13-49	अशुभ	रोग	00-13 - 01-38	अशुभ
उत्पात	13-49 - 15-24	अशुभ	काल	01-38 - 03-03	अशुभ
चंचल	15-24 - 16-59	शुभ	लाभ	03-03 - 04-27	शुभ
लाभ	16-59 - 18-32	शुभ	उत्पात	04-27 - 05-55	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आप अपने पेशेवर व्यवहार में आत्मविश्वास और संतुलन लाते हैं, अपनी उपस्थिति से सम्मान अर्जित करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको पंक्तियों के बीच की बात समझने और सहकर्मियों के सूक्ष्म संकेतों पर प्रतिक्रिया देने में मदद करता है। आपके कलात्मक कौशल रचनात्मक कार्यों में एक अनूठा स्पर्श जोड़ते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आपकी भावनात्मक अंतर्ज्ञान में वृद्धि हुई है, जो आपके करियर के निर्णयों का मार्गदर्शन करती है। सामंजस्य की भावना काम पर आपके रचनात्मक प्रयासों को बढ़ावा देती है, जो आपकी परियोजनाओं के माध्यम से चमकती है। हालाँकि तीव्र भावनात्मक जीवन और भावनात्मक संघर्ष पढ़ाई में संतुलन बनाए रखने की आपकी क्षमता को चुनौती दे सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आपका कार्य जीवन उत्साह ला सकता है, नई शुरुआत की चिंगारी जगा सकता है। अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें और अपनी परियोजनाओं को पोषित करें। विवरण पर ध्यान देकर, आपकी उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। विलक्षण कार्यों की अपेक्षा करें, और अपने अध्ययन या कैरियर में बदलावों को अपनाएँ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): जैसे-जैसे आत्मविश्वास आपके कार्यों को गति देता है, आपकी सामाजिक उपस्थिति और भी मज़बूत होती जाती है। स्वतंत्र निर्णय आपके मार्ग को आकार देते हैं, जिससे आप अपनी मौलिकता के साथ अलग नज़र आते हैं। तार्किक सोच आपकी योजना बनाने और अपने काम या पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने की क्षमता को बढ़ावा देती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपका स्वाभाविक आकर्षण और दृढ़ संकल्प आपके पेशेवर जीवन में ध्यान आकर्षित करता है। फोकस और प्रेरणा मजबूत है, और आप अपने आस-पास के माहौल को सुंदर बनाते हैं। फिर भी, एक सतर्क मानसिकता आपके दृष्टिकोण को परिष्कृत करने में मदद करती है। आशावाद को जिम्मेदारी के साथ संतुलित करें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज आपका करियर अंतर्ज्ञान और स्पष्ट सोच के सहज संतुलन द्वारा समर्थित है। मेष राशि में चंद्रमा आपकी प्रेरणा और उत्साह को बढ़ाता है, जबकि कर्क राशि में सूर्य आपको सहानुभूति के माध्यम से दूसरों से जुड़ने में मदद करता है। आप विचारों को अच्छी तरह से व्यक्त करते हैं, विकास और स्पष्टता दिखाते हैं। आपकी अंतर्दृष्टि आपको स्मार्ट, सार्थक निर्णयों की ओर ले जाएगी।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आप ऊर्जावान महसूस करते हैं और साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं, अपने करियर में रचनात्मक प्रेरणा का संचार करते हैं। नवाचार सहजता से प्रवाहित होता है, जिससे आपको नई अंतर्दृष्टि के साथ समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलती है। आपको निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आपको अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, हालांकि भावनात्मक ट्रिगर निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। अधिक ध्यान और विस्तार पर ध्यान उत्पादकता का समर्थन करता है। नए अवसर उत्पन्न हो सकते हैं, जो विविध अनुभव प्रदान करते हैं। हालाँकि, लापरवाही और असहिष्णुता से बचें, क्योंकि वे महंगी गलतियों का कारण बन सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आपकी रचनात्मकता और अनुशासन एक साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे आपको केंद्रित और उत्पादक बने रहने में मदद मिलती है। आप भावनात्मक रूप से असंगत महसूस कर सकते हैं, जो दूसरों के साथ आपके व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। सत्ता संघर्ष से बचें या टीम वर्क में अभिमान को हस्तक्षेप करने न दें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आपकी रचनात्मकता सबसे अलग है, जो आपको काम पर एक मजबूत छाप छोड़ने में मदद करती है। अपनी दिनचर्या में किसी भी व्यवधान को संतुलित करने के लिए अनुशासित और स्थिर रहें। आप आंतरिक तनाव या सख्त मानसिकता महसूस कर सकते हैं, इसलिए लचीला बने रहने पर ध्यान दें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): कार्यस्थल पर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन आपकी भावनात्मक अंतर्दृष्टि आपको उनका सामना शालीनता से करने में मदद करती है। आपका आकर्षण और ऊर्जा आपको दूसरों से अलग बनाती है, आपके कार्यों में नेतृत्व और उत्साह को बढ़ावा देती है। मज़बूत संचार सहज बातचीत को बढ़ावा देता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बीजेपी प्रभारी के 'बहरूपिया' और 'दोनों टांगे' वाले बयान पर सचिन पायलट का 'पलटवार'

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में इन दिनों जुबानी जंग अपने चरम पर है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल द्वारा कांग्रेस के कद्दावर नेता सचिन पायलट पर किए गए 'निजी हमले' ने प्रदेश का राजनीतिक पारा गरमा दिया है। अग्रवाल के 'बहुरूपिया' और 'दो नावों की सवारी' वाले बयान पर अब खुद सचिन पायलट ने चुप्पी तोड़ी है। मीडिया से मुखातिब होते हुए पायलट ने जिस अंदाज में जवाब दिया, उसने न केवल भाजपा प्रभारी को 'शिष्टाचार' का पाठ पढ़ाया, बल्कि यह भी संकेत दे दिया कि वे इन हमलों से विचलित होने वाले नहीं हैं।

पायलट से जब भाजपा प्रभारी के बयानों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, अग्रवाल जी से पहले कभी मेरी मुलाक़ात नहीं हुई। पता नहीं वे मुझसे इतना 'विशेष प्रेम' क्यों रखते हैं? अगर वे मुझे कहीं मिल गए, तो मैं उनसे जरूर पूछूंगा कि आखिर बात क्या है?पायलट ने स्पष्ट किया कि संगठन का काम करना और अपनी बात रखना ठीक है, लेकिन राजनीति में मर्यादा का होना अनिवार्य है।

सचिन पायलट ने बिना नाम लिए भाजपा के रणनीतिकारों को बड़ी सीख दी। उन्होंने कहाः

मर्यादा और स्तरः राजनीति में टीका-टिप्पणी का एक स्तर होना चाहिए। कीचड़ उछालने से किसी का भला नहीं होता।

सम्मान की राजनीतिः विरोधियों को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। लोकतंत्र में विरोधियों को सम्मान देना ही एक परिपक्व राजनेता की पहचान है।

मुद्दे बनाम व्यक्तिः राजनीति सैद्धांतिक, वैचारिक और मुद्दों पर आधारित होनी चाहिए। जो लोग मुद्दों पर चलते हैं, वही लंबे समय तक जनता के दिलों में जगह बना पाते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि कल ही पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी पायलट का बचाव करते हुए कहा था कि पायलट की दोनों टांगें अब कांग्रेस में ही हैं। अब खुद पायलट ने मोर्चा संभालते हुए यह साफ कर दिया है कि भाजपा के निजी हमले उनके लिए 'विशेष प्रेम' से ज्यादा कुछ नहीं हैं।

राजस्थान कांग्रेस में अब जिस तरह से एक-दूसरे का बचाव किया जा रहा है, वह भाजपा के लिए आने वाले उपचुनावों और राजनीतिक समीकरणों में चुनौती खड़ा कर सकता है।

क्या है विवाद की जड़?

दरअसल, भाजपा प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने पायलट के टोंक विधायक होने और उनकी राजनीतिक स्थिति पर तंज कसते हुए उन्हें 'बहुरूपिया' कहा था। उन्होंने यह भी कहा था कि पायलट का एक पैर कहाँ रहता है, यह किसी को नहीं पता।

मीडिया रिपोर्ट्स और वहां मौजूद सूत्रों के अनुसार, उनके भाषण के शब्दशः मुख्य अंश यहाँ दिए गए हैं:

बड़ी हैरानी की बात है... टोंक में आज एक 'बहुरूपिया' विधायक बन गया है। वह न तो टोंक का निवासी है और टोंक तो छोड़िए, वह आपके राज्य राजस्थान का भी निवासी नहीं है। क्या आप यह जानते हैं? वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

मैं भी उत्तर प्रदेश से आता हूँ और राजस्थान का प्रभारी हूँ, लेकिन मैं यहाँ विधायक बनने का सपना भी नहीं देख सकता। मैं उत्तर प्रदेश से भागा हुआ नेता नहीं हूँ; मैं यूपी का एक मजबूत नेता हूँ। आपने यहाँ कैसी परंपरा शुरू कर दी है? आप किसी भी राज्य से भेजे गए व्यक्ति को स्वीकार कर लेते हैं और उसे माला पहना देते हैं। उसकी वफादारी किसके प्रति है? न अपनी पार्टी के प्रति, न अपने मुख्यमंत्री के प्रति और न ही अपने कार्यकर्ताओं के प्रति। मुझे समझ नहीं आता कि आपने उसे विधायक कैसे बनने दिया। उनकी 'एक टांग कांग्रेस में रहती है और दूसरी टांग पता नहीं कहाँ रहती है'।

गहलोत की अनोखी अपील

जन्मदिन पर 'गिफ्ट' में मांगा पानी, बोले- जयपुर मत आना

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में लगातार बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप के बीच पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने जन्मदिन (3 मई) को लेकर खास अपील जारी की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों से आग्रह किया है कि वे इस बार जयपुर आकर जन्मदिन की बधाई देने के बजाय अपने-अपने क्षेत्रों में रहकर सेवा कार्य करें।

गहलोत ने कहा कि इस समय देश के कई हिस्सों, खासकर उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है और तापमान लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है। ऐसी स्थिति में लंबी दूरी तय कर जयपुर आना न सिर्फ असुविधाजनक है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने साफ कहा कि "कृपया 3 मई को जयपुर न पधारें, अपने स्थान पर रहकर समाजसेवा करें, यही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार होगा।"

उन्होंने अपने संदेश में आमजन से भी अपील की कि इस भीषण गर्मी में खुद का और अपने परिवार का विशेष ध्यान रखें। अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें और लू से बचाव के लिए पर्याप्त इंतजाम करें। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपने आसपास पशु-पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करने का आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने समाजसेवियों और संगठनों से विशेष रूप से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में प्याऊ (पानी की व्यवस्था) लगवाए जाएं, ताकि राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि इस समय सबसे बड़ा धर्म मानव सेवा है और यदि लोग उनके जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाएं, तो यह उनके लिए सबसे बड़ी खुशी होगी।

गहलोत ने यह भी संकेत दिया कि जब मौसम सामान्य होगा, तब वे सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से मिलने के लिए अलग से कार्यक्रम आयोजित करेंगे। फिलहाल प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य है। भीषण गर्मी के बीच आई इस अपील को जनहित में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है, जो न केवल लोगों को सतर्क रहने का संदेश देती है, बल्कि समाजसेवा के लिए भी प्रेरित करती है।

46 डिग्री की तपिश में जैसलमेर पर्यटन को लगी 'लू'! होटल खाली, पर्यटक भागे, व्यापार ठप

जैसलमेर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। जैसलमेरः रेगिस्तान की तपिश ने पर्यटन की रफ्तार को थाम दिया है। तापमान 46 डिग्री पार पहुंचते ही जैसलमेर का पर्यटन लू की चपेट में आ गया। सुबह सात से शाम सात बजे तक बाहर निकलना कठिन हो गया है।

लू के थपेड़े आग की लपटों जैसे महसूस हो रहे हैं और धोरों की रेत अंगारों की तरह तपने लगी है। पर्यटकों को आकर्षित करने वाले धोरों का नजारा अब झुलसाने वाला बन चुका है। पीले पत्थरों की हवेलियां तेज धूप में तपकर लालिमा लिए नजर आ रही हैं। ऐसे हालात में ठहराव लगभग थम गया है और शहर का पर्यटन सन्नाटे में बदल गया है।

पर्यटन कारोबार पर इसका सीधा असर दिख रहा है। स्थानीय लोग भी गर्मी से राहत पाने के लिए पहाड़ी क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। शिमला, लेह-लद्दाख, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, माउंट आबू और उदयपुर जैसे स्थानों पर जाने वालों की संख्या बढ़ रही है।

भीषण गर्मी ने साफ कर दिया कि जैसलमेर का पर्यटन पूरी तरह मौसम पर निर्भर है। तापमान बढ़ते ही चमकता उद्योग ठहराव में बदल जाता है और पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।

वरिष्ठ पर्यटन व्यवसायी सुमेर सिंह राजपुरोहित के अनुसार, जैसलमेर में मौसमी निर्भरता सबसे बड़ी चुनौती है। गर्मियों में गतिविधियां ठप हो जाना आर्थिक असंतुलन पैदा करता है। नाइट टूरिज्म, डेजर्ट सफारी के शाम और रात वाले मॉडल, इनडोर हेरिटेज अनुभव, संग्रहालय आधारित गतिविधियां और सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा देना जरूरी है।

एयर कनेक्टिविटी को सालभर बनाए रखने की रणनीति भी अहम है। यदि सीमित ही सही, लेकिन निरंतर पर्यटक आवागमन बना रहे, तो रोजगार और कारोबार को स्थिरता मिल सकती है। योजनाबद्ध नवाचार और निवेश से ही गर्मी के संकट को अवसर में बदला जा सकता है।

12 जिलों की प्यास बुझाने की दिशा में बड़ा कदम

उत्तरी नदियों का पानी पश्चिमी राजस्थान लाने की तैयारी तेज

जोधपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सिंधु जल समझौते के तहत रोके गए उत्तरी भारत के जल को पश्चिमी राजस्थान तक पहुंचाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। यह पानी जोधपुर सहित 10 जिलों में पेयजल व खेती-किसानी की तस्वीर बदल सकता है। हाल ही में मुख्यमंत्री के ओसियां दौरे पर इसे लेकर एक बार फिर मंथन हुआ। अब जल संसाधन विभाग में डीपीआर तैयार करवाने को लेकर उच्च स्तर पर विचार-विमर्श चल रहा है। प्रस्ताव में घग्गर, यमुना, सतलुज, रावी और अन्य नदियों के अतिरिक्त जल को डायवर्ट कर पश्चिमी राजस्थान तक लाने की व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार कराने की मांग की गई है। साथ ही माही नदी को लूणी से जोड़ने और नर्मदा नहर विस्तार का प्रस्ताव है। पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू हो चुकी है, अब पश्चिमी राजस्थान के लिए भी समान दृष्टि से कार्य होना चाहिए। इसको लेकर 60 से ज्यादा विधायकों ने हस्ताक्षर कर अपने पत्र दिए हैं। जालोर के रास्ते पश्चिमी राजस्थान में गुजरात से पानी लाने के लिए पहले से ही एक डब्ल्यूआरसीपी पर काम शुरू हो चुका है। इसके लिए प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, लेकिन इस रिपोर्ट पर जल संसाधन विभाग ने आपत्ति जताई है। ऐसे में डीपीआर पर काम फिलहाल धीमा है। संभावना है कि डब्ल्यूआरसीपी का यह दूसरा फेज भी प्री-फिजिबिलिटी चरण में जा सकता है।

एक्शन मोड में पुलिस, टामटिया मर्डर केस में छह संदिग्ध हिरासत में, फरार आरोपियों के लिए दबिश जारी

बांसवाड़ा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के मोटा गांव थाना क्षेत्र के टामटिया गांव में हुए युवक की हत्या के बाद उपजे तनाव के बीच अब हालात सामान्य हैं। गांव में शांति बनी हुई है, लेकिन पुलिस पूरी तरह सतर्क है। मृतक के परिजनों ने 12 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है, जबकि पुलिस ने 6 संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

टामटिया गांव में रविवार रात गोविंद पुत्र छगनलाल की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद गांव में भारी बवाल हुआ और आगजनी भी की गई थी। फिलहाल पुलिस की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रण में है और मंगलवार को मृतक का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मृतक के शव का बांसवाड़ा जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराया गया और मंगलवार सुबह शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने अंतिम संस्कार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा बल तैनात किए हैं। मृतक के पिता छगनलाल निनामा ने थाने में 12 लोगों के खिलाफ हत्या और हमले का मामला दर्ज कराया है। थाना अधिकारी रमेश पाटीदार ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर नानु उर्फ नानालाल, विजय, सुनिल, अनिल, रूपा, देवीलाल, गणेश, भरत, नरेश, हालिया, एक अन्य अनिल और हरीश डामोर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनमें से 6 लोगों को हिरासत में लिया गया है और बाकी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। मृतक की बहन और दूसरे पक्ष के युवक के बीच विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते रविवार रात झगड़ा बढ़ा और गोविंद की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के घरों पर हमला कर दिया, जिसमें आगजनी भी हुई और मकान, अनाज और वाहन जला दिए गए। घटना के बाद पहुंची पुलिस टीम पर भी ग्रामीणों ने पथराव किया और गांव में प्रवेश नहीं करने दिया। दमकल वाहनों को भी रोका गया, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए थे। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि मामले में तेजी से कार्रवाई की गई है।

ओवरटेक की कोशिश बनी जानलेवा

ट्रेलर-कार की भिड़ंत में दो की मौत

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण जिले के जमवारामगढ़ क्षेत्र में मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे-148 पर रायसर थाना क्षेत्र के बहलोड गांव के पास ट्रेलर और कार के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक छात्रा सहित तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में जान गंवाने वाले लोग उत्तर प्रदेश के निवासी बताए जा रहे हैं। वे खाटूश्यामजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बहलोड गांव के पास सड़क पर सामने से आ रहे ट्रेलर से उनकी कार की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दो लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दुर्घटना ओवरटेक करने के प्रयास के दौरान हुई। बताया जा रहा है कि कार चालक एक वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इसी बीच सड़क पर अचानक स्कूली बच्चे नजर आ गए। बच्चों को बचाने के प्रयास में चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे की सूचना मिलते ही रायसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने वाहनों को हटवाकर सामान्य कराया।

बर्तन बेचने वाले भी हो सकते हैं चोर

जयपुर में पकड़ी गई गुजरात की हाई-टेक गैंग

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या आपके घर या दुकान के आसपास भी कोई फेरीवाला पुराने कपड़े या बर्तन बेचने के बहाने चक्कर लगा रहा है? अगर हां, तो सावधान हो जाइए। जयपुर पुलिस ने गुजरात के भावनगर की एक ऐसी शातिर 'बंटी-बबली' गैंग का पर्दाफाश किया है, जो दिन में सेल्समैन बनकर रेकी करती थी और रात होते ही करोड़ों के माल पर हाथ साफ कर देती थी। पुलिस ने इस गैंग के चार चोरों और दिल्ली के एक खरीदार को गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की है।

रेकी का 'बर्तन वाला' फॉर्मूला

डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण के अनुसार, गिरोह का मुख्य सदस्य रोशन अपनी पत्नी भावना के साथ मिलकर शहर के अलग-अलग बाजारों में घूमता था। ये दोनों पति-पत्नी दिन में कपड़े और बर्तन बेचने का नाटक करते थे। इस दौरान इनका असली मकसद ग्राहकों को सामान बेचना नहीं, बल्कि ऐसी दुकानों को चिन्हित करना होता था जहां सुरक्षा में सेंध लगाई जा सके। 12 अप्रैल की रात इन्होंने सदर इलाके में स्थित विनायक ज्वैलर्स को अपना निशाना बनाया और शटर तोड़कर 14 किलो चांदी के बर्तन व आभूषण पार कर दिए।

चोरी के बाद यह गैंग दिल्ली फरार हो गई। गैंग के सदस्य मनोज ने दिल्ली के खरीदार मनीष हलवदिया से संपर्क किया और चोरी की 10.5 किलो चांदी महज 18 लाख रुपए में बेच दी। बाकी बची 3.5 किलो चांदी गिरोह के सदस्यों ने आपस में बांट ली। पुलिस ने जब तकनीकी इनपुट के आधार पर दिल्ली के गणेश विहार स्थित एक होटल में दबिश दी, तो वहां का नजारा देख दंग रह गए। खरीदार मनीष ने पकड़े जाने के डर से पूरी चांदी गलाकर उसकी सिल्लियां बना दी थीं और उन्हें होटल के कमरे में छिपा दिया था।

यह गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय है। जांच में सामने आया है कि इस गैंग के खिलाफ जयपुर के अलावा रेवाड़ी, भिवानी, सीकर और कोटपूतली सहित कई शहरों में दो दर्जन से ज्यादा चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस अब इन आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि शहर में हुई अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा किया जा सके और शेष चांदी बरामद की जा सके।

सुबह-सुबह धधका मोटर गैराज

आग की लपटों में समाईं कई गाड़ियां, बड़ा हादसा टला

नागौर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के व्यस्त मूण्डवा तिराहे पर मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक मोटर गैराज में अचानक भीषण आग लग गई। सुबह के समय लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और गैराज में खड़ी कई गाड़ियां इसकी चपेट में आकर जलकर खाक हो गईं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई और मौके पर मौजूद लोग अपनी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गैराज से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गैराज में खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहन जलते हुए नजर आए। धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था, जिससे पूरे इलाके में हड़कंपमच गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया और मौके पर दमकल की कई गाड़ियां भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। राहत की बात यह रही कि समय रहते आग बुझा दी गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में सबसे बड़ी चिंता गैराज के पास स्थित CNG-पेट्रोल पंप को लेकर थी।

मां ने ही ली अपनी 4 साल की बच्ची की जान, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अलवर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले के राजगढ़ थाना इलाके में 17 अप्रेल को 4 वर्षीय बच्ची गरिमा का गला दबाकर हत्या करने के आरोप में उसकी मां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी राजेश मीणा ने मंगलवार को बताया कि आरोपी महिला शीला घटनास्थल पर लाया गया और मौका तस्दीक की गई। महिला मेडिकल परीक्षण करवा लिया गया है।

मामले के अनुसार 17 अप्रेल को शीला ने पारिवारिक कलह के चलते अपनी चार वर्षीय पुत्री गरिमा की हत्या कर दी। बाद में अपने दोनों हाथों की नसें काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। राजगढ़ थाना प्रभारी राजेश मीणा के अनुसार, पुराना राजगढ़ गांव में संतोष सैनी की पत्नी शीला (35) अपनी बेटी गरिमा (4) और पुत्र यश (6) के साथ कमरे में सो रही थी। 17 अप्रेल सुबह करीब 6 बजे संतोष के बड़े भाई सूरज ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए आवाज लगाई। काफी देर बाद शीला ने दरवाजा खोला, तो शीला के दोनों हाथों से खून बह रहा था। गरिमा के गले पर रस्सी के निशान थे। सूरज अपनी पत्नी रेखा की मदद से गरिमा को राजगढ़ अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने गरिमा को मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में आरोपी महिला के जेठ सूरज सैनी पुत्र पप्पू उर्फ रामफूल सैनी ने राजगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया।

राजगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया है कि वह अपने भाई नीरज व संतोष के साथ एक ही मकान में रहता है। रिपोर्ट में उसने आरोप लगाया कि उसके छोटे भाई संतोष की पत्नी शीला सैनी ने अपनी बेटी गरिमा की गला दबाकर हत्या की है। यह भी बताया कि अक्सर दिन में गरिमा अपनी दादी के पास ही रहती थी। 16 अप्रेल की रात को भी वह अपनी दादी के पास सो रही थी। रात करीब 10 बजे शीला वहां आई और गरिमा को लेकर अपने कमरे में चली गई। बाद में उसकी हत्या कर दी।

पत्नी को बचाने कूदे पति-देवर की मौत, महिला गंभीर

भरतपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर संभाग के डीग जिले के कामा क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। घरेलू विवाद के चलते एक महिला ने कुएं में छलांग लगा दी। उसे बचाने के लिए पीछे-पीछे कूदे पति और देवर की डूबने से मौत हो गई, जबकि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है।

कामा क्षेत्र के जुरहरा थाना इलाके के बांदीपुर गांव निवासी 26 वर्षीय रविंद्र अपनी पत्नी महिंद्रा देवी और परिवार के साथ रहता था।

बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसी से नाराज होकर महिंद्रा देवी ने गुस्से में आकर गांव के कुएं में छलांग लगा दी।

पत्नी को बचाने के लिए रविंद्र तुरंत कुएं में कूद गया, लेकिन दोनों पानी में डूबने लगे। इस दौरान रविंद्र का छोटा भाई तेजू भी उन्हें बचाने के लिए कुएं में उतर गया, लेकिन वह भी डूबने लगा।

घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तीनों को बाहर निकाला। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें कामा अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने रविंद्र और उसके भाई तेजू को मृत घोषित कर दिया। वहीं महिंद्रा देवी की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है।

आदमखोर हुए आवारा कुत्तेः डेढ़ माह के मासूम को जबड़े में दबोचा, मां के संघर्ष के बाद भी नहीं बची जान

अजमेर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। पीसांगन क्षेत्र के कालेसरा गांव में आवारा कुत्तों के झुंड ने डेढ़ महीने के मासूम पर हमला कर दिया, जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों ने इसे पिछले 15 वर्षों में सबसे गंभीर डॉग बाइट का मामला बताया है।

झोपड़ी में घुसकर किया हमला

घटना 24 अप्रैल की रात की है। बच्चे की मां केलम (30) ने बताया कि वह झोपड़ी के बाहर खाना बना रही थी, जबकि उसका डेढ़ महीने का बेटा सावरा और 3 साल का बड़ा बेटा अरविंद अंदर सो रहे थे। इसी दौरान अचानक कुछ आवारा कुत्ते झोपड़ी में घुस गए और छोटे बच्चे पर हमला कर दिया। बड़ा बेटा कंबल ओढ़े होने के कारण बच गया।

मां ने दिखाई बहादुरी, बच्चे को छुड़ाया

मां केलम ने बताया कि जैसे ही बच्चे के रोने की आवाज सुनी, वह तुरंत अंदर दौड़ी। अंदर का दृश्य बेहद भयावह था—एक कुत्ता बच्चे को मुंह में दबाए हुए था और अन्य कुत्ते आसपास थे। मां ने करीब पांच मिनट तक संघर्ष किया और किसी तरह बच्चे को कुत्तों के जबड़े से छुड़ाया। इसके बाद वह खुद बच्चे के ऊपर लेट गई ताकि उसे और नुकसान न पहुंचे।

अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

घटना के बाद पिता मकरम तुरंत गांव पहुंचे और किराए की गाड़ी से बच्चे को अजमेर के जेएलएन अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने तत्काल सर्जरी कर इलाज शुरू किया, लेकिन हालत बेहद गंभीर थी और आखिरकार बच्चे की मौत हो गई। जेएलएन अस्पताल के पीडियाट्रिक विभाग के वरिष्ठ डॉक्टर लखन पोसवाल ने बताया कि बच्चे की नब्ज नहीं मिल रही थी और ब्लड प्रेशर इतना कम था कि रिकॉर्ड तक नहीं हो पा रहा था। दोनों किडनी ठीक से काम नहीं कर रही थीं और बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा गया। कई बार सीपीआर देने के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग की डॉक्टर गरिमा अरोड़ा ने बताया कि यह उनके 15 साल के करियर का सबसे खतरनाक डॉग बाइट केस है। बच्चे के पेट की परत पूरी तरह फट गई थी और आंतें बाहर आ गई थीं। सर्जरी कर आंतों को वापस डालकर पेट को कवर किया गया, लेकिन संक्रमण तेजी से फैल चुका था। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और गुस्से का माहौल है। लोगों ने आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं और तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

तेलंगाना में ईंधन की कोई कमी नहीं : आपूर्ति विभाग

नागरिकों से घबराहट में खरीदारी न करने की अपील

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग ने लोगों को आश्वस्त किया है कि तेलंगाना में ईंधन की बिल्कुल भी कमी नहीं है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे निराधार अफवाहों पर ध्यान न दें और सामान्य रूप से ही ईंधन की खरीद करें, क्योंकि सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त भंडार उपलब्ध रहेगा।

मंगलवार को जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि नागरिकों को निर्बाध रूप से ईंधन उपलब्ध कराने के लिए विभाग ने रविवार से राज्यभर में पेट्रोलियम आपूर्ति में 126 प्रतिशत की वृद्धि की है। यह त्वरित कदम उन स्थानीय पेट्रोल पंपों को स्थिर करने के लिए उठाया गया है, जो अचानक बढ़ी मांग के कारण दबाव में हैं। स्थानीय पेट्रोल पंपों पर अचानक बढ़ी भीड़ के पीछे तीन प्रमुख कारण बताए गए हैं। पहला, हाल ही में औद्योगिक डीजल की कीमत 150 रुपये प्रति लीटर होने के बाद वाणिज्यिक खरीदार सामान्य पेट्रोल पंपों से ईंधन भरवा रहे हैं, जहां कीमत 95 रुपये प्रति लीटर निर्धारित है। दूसरा, पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में आपूर्ति संबंधी समस्याओं के कारण सीमावर्ती जिलों खम्मम और निर्मल में अन्य राज्यों के खरीदार बड़ी संख्या में ईंधन खरीदने आ रहे हैं। तीसरा, चुनाव के बाद कीमतों में वृद्धि की अफवाहों के कारण आम नागरिकों द्वारा अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में ईंधन खरीद कर भंडारण किया जा रहा है, जिससे स्थानीय भंडार तेजी से घट रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए नागरिक आपूर्ति आयुक्त एम. स्टीफन रविंद्र ने तेल विपणन कंपनियों को बाजार में बड़े पैमाने पर ईंधन आपूर्ति करने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत 3,100 टैंकरों को राज्यभर में तैनात किया गया है और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया गया है। विभाग ने सभी पेट्रोल पंपों से हर तीन घंटे में भंडार की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं तथा दैनिक दूरभाष बैठकों के माध्यम से स्थिति की निगरानी की जा रही है। किसानों को निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष निर्देश दिए गए हैं, ताकि फसल कटाई और धान खरीद कार्य प्रभावित न हों। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। 27 अप्रैल तक राज्य में डीजल वितरण 151 प्रतिशत बढ़कर 7,348 किलोलीटर से 18,449 किलोलीटर हो गया है, जबकि पेट्रोल वितरण 95 प्रतिशत बढ़कर 5,883 किलोलीटर से 11,490 किलोलीटर पहुंच गया है। हैदराबाद में भी ईंधन आपूर्ति को सुदृढ़ करते हुए कुल 43 प्रतिशत वृद्धि की गई है। शहर में डीजल भंडार 46 प्रतिशत बढ़कर 3,393 किलोलीटर से 4,957 किलोलीटर तथा पेट्रोल भंडार 40 प्रतिशत बढ़कर 3,908 किलोलीटर से 5,466 किलोलीटर कर दिया गया है।

तिरुमला में 30 अप्रैल को नरसिंह जयंती एवं वेंगमाम्बा जयंती का आयोजन

तिरुपति, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला में 30 अप्रैल को नरसिंह जयंती तथा परम भक्त मातृश्री तारिगोंडा वेंगमाम्बा जयंती के पावन उत्सव मनाए जाएंगे। वैशाख माह में स्वाति नक्षत्र के आगमन पर श्री नरसिंह जयंती तिरुमला मंदिर में मनाई जाती है। इस अवसर पर श्री योग नरसिंह स्वामी की मूल मूर्ति का विशेष अभिषेक किया जाएगा। इसी क्रम में तिरुमला स्थित तारिगोंडा वेंगमाम्बा स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। सांयकाल में श्री मलयप्पा स्वामी की उत्सव मूर्तियां श्रीदेवी एवं भूदेवी के साथ नारायणगिरि उद्यान पहुंचेंगी, जहां उंजल सेवा संपन्न होगी। इसके उपरांत भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

छात्रा शिवर्ला धरनी को मंत्री कोमटिरेड्डी ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क, भवन एवं सिनेमा मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को मिर्यालगुडा की छात्रा शिवर्ला धरनी को सम्मानित किया, जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 की इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष (बायपीसी) परीक्षा में राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। धरनी, मिर्यालगुडा मंडल के यादगिरी और ज्योति की पुत्री हैं। वह एक अल्पसंख्यक गुरुकुल महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। उनकी इस उपलब्धि की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और लक्ष्य की स्पष्टता सफलता की कुंजी हैं तथा उनका प्रदर्शन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा। प्रोत्साहन स्वरूप कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने उनकी उच्च शिक्षा के लिए पचास हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। उनके चिकित्सक बनने के लक्ष्य की जानकारी मिलने पर मंत्री ने उनके शैक्षणिक भविष्य में निरंतर सहयोग का आश्वासन भी दिया। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वह भविष्य में और ऊंचाइयां प्राप्त करेंगी तथा अपने परिवार और समाज का नाम गौरवान्वित करेंगी।

खतरनाक स्तर पर पहुंचा 'आर्द्र-बल्ब' तापमान, स्वास्थ्य पर बड़ा खतरा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में भीषण गर्मी के साथ बढ़ी नमी ने हालात को और गंभीर बना दिया है। शहर में 'आर्द्र-बल्ब' स्थिति बन गई है, जिसमें शरीर अपनी गर्मी को नियंत्रित नहीं कर पाता और लू लगने का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। पिछले 24 घंटों में शहर का अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं 51 प्रतिशत आर्द्रता के कारण उमस काफी बढ़ गई है। इस स्थिति में पसीना ठीक से सूख नहीं पाता, जिससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता और अंदरूनी तापमान बढ़ने लगता है। विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मी और नमी का यह मिश्रण शरीर पर शुष्क गर्मी की तुलना में ज्यादा दबाव डालता है। थोड़ी देर बाहर रहने पर भी थकान, चक्कर और बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और हृदय या किडनी के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि लोग पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट वाले पेय पदार्थ लें, ठंडी और छायादार जगह पर रहें तथा जरूरत पड़ने पर शरीर को ठंडा रखने के उपाय अपनाएं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो लू लगने के मामले बढ़ सकते हैं।

सीएम से रेल यातायात सुगम बनाने हेतु भूमि आवंटन की मांग

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर बढ़ते यात्री दबाव को देखते हुए पहुंच मार्गों के विस्तार तथा पार्किंग सुविधाओं के लिए तत्काल भूमि आवंटित करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री को लिखे एक खुले पत्र में रेड्डी ने उल्लेख किया कि हैदराबाद के तीन प्रमुख रेलवे टर्मिनलकाचीगुडा, सिकंदराबाद और हैदराबाद डेक्कनपहले ही अत्यधिक दबाव में हैं, जिससे चेरलापल्ली को एक आधुनिक विकल्प के रूप में विकसित करना आवश्यक हो गया है। उन्होंने बताया कि 430 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित चेरलापल्ली टर्मिनल, जिसका उद्घाटन 6 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था, में रेल संचालन और यात्री संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि, अपर्याप्त सड़क संपर्क एक बड़ी बाधा बनकर उभर रहा है।

रेड्डी ने निम्नलिखित कार्यों की मांग की है, एफसीआई गोदाम मार्ग को 200 फुट तक चौड़ा करना, भारत नगर की ओर जाने वाली सड़क को 30 फुट से बढ़ाकर 100 फुट करना, ईसी नगर से एमएमटीएस संपर्क मार्ग को 700 मीटर लंबाई में 100 मीटर तक विकसित करना तथा स्टेशन भवन के पास 3 एकड़ और एमएमटीएस प्लेटफार्म के निकट 2.7 एकड़ भूमि पार्किंग एवं अन्य सुविधाओं के लिए उपलब्ध कराना। उन्होंने यह भी बताया कि रेलवे द्वारा 4 करोड़ रुपये जमा करने के बावजूद जलापूर्ति कनेक्शन उपलब्ध कराने में देरी हो रही है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के संदर्भ में रेड्डी ने कहा कि यह वर्तमान में 715 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकास के दौर से गुजर रहा है।

हमेशा आम लोगों के साथ खड़ी है कांग्रेस सरकार : मीनाक्षी नटराजन

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। छत्रपति शिवाजी महाराज सांस्कृतिक ट्रस्ट द्वारा जलपल्ली, हैदराबाद में मराठा भवन के पुनःनिर्माण कार्यों का उद्घाटन एआईसीसीसी की महासचिव व तेलंगाना कांग्रेस के प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने किया। इस मौके पर मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि कांग्रेस सरकार हमेशा आम लोगों के साथ खड़ी है।

तेलंगाना में मराठी समुदाय के विकास में कांग्रेस सरकार अपना योगदान देगी। उन्होंने कहा कि यह जनता की सरकार और आम लोगों की सरकार बिना भेदभाव के सबके कल्याण के लिए ठोस कदम उठा रही है। तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि तेलंगाना में रहने वाले हर समुदाय और समाज का ध्यान रखा जा रहा है। सरकार सबके साथ मजबूती से खड़ी है। कार्यक्रम में तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद आज देश का पसंदीदा शहर बन गया है। सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी ने कहा कि मराठा समुदाय हमेशा देश के विकास में अपना अहम योगदान दिया है। इस अवसर पर एआईसीसीसी के सचिव व तेलंगाना कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन सावंत ने कहा कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार मराठी भाषी समुदाय के साथ पूरी तरह खड़ी है। उन्होंने कहा कि जब तक वे प्रभारी हैं, तब तक उन्होंने स्वयं से यह संकल्प लिया है कि सरकार के माध्यम से सभी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। सचिन सावंत ने कहा कि तेलंगाना में बड़ी संख्या में कई पीढ़ियों से मराठी भाषी समुदाय के लोग निवास करते हैं। वे यहां के विकास में अहम योगदान दे रहे है। महाराष्ट्र की सीमा से तेलंगाना की सीमा लगी हुई है। रोजमर्रा व अन्य कार्यों के लिए दोनों राज्यों के लोगों का आवागमन होता रहता है। आयोजकों द्वारा कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किए जाने पर उन्होंने कहा कि इस आयोजन में पूरी कांग्रेस पार्टी और राज्य सरकार की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

जफरगढ़ किले के पास प्राचीन जैन बस्ती के अवशेष मिले

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जफरगढ़ किले के पास एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक खोज सामने आई है। कोठा तेलंगाना चरित्र ब्रुडम के सदस्य और वेलपुगोंडा निवासी समुद्रला राजू ने पतिगड्डा क्षेत्र में प्राचीन जैन बस्ती के अवशेष खोजे हैं। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष के समय के एक शिलालेख से पहले ही संकेत मिलता था कि इस क्षेत्र में एक किला, तालाब और जैन बस्ती मौजूद थी। यह शिलालेख वेलपुगोंडा पहाड़ी पर खुदा हुआ है, जिसे उस समय के प्रशासक शंकरगंडा रस ने बनवाया था।

अब तक इस इलाके में जैन मूर्तियों और कुछ अन्य अवशेष तो मिले थे, लेकिन जैन बस्ती का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला था। समुद्रला राजू की इस खोज से अब उस ऐतिहासिक संरचना के अस्तित्व की पुष्टि होती है। मिले अवशेषों में एक भव्य द्वार के हिस्से शामिल हैं, जिनकी बनावट काफी आकर्षक है। द्वार की चौखट पर सुंदर नक्काशी, हंसों की आकृतियां और रत्नों जैसे डिजाइन बने हुए हैं। इसके अलावा, द्वार के ऊपर भगवान महावीर की ध्यान मुद्रा में एक मूर्ति भी पाई गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज जफरगढ़ क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व को और मजबूत करती है। इसके साथ ही यहां राष्ट्रकूट काल से जुड़ी सप्तमातृका समूह की इंद्राणी और ब्राह्मी की मूर्तियां भी मिली हैं। इतिहासकारों के अनुसार, यह स्थल प्राचीन धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र रहा होगा।

पासपोर्ट के लिए 9 मई को विशेष अभियान, 4,000 स्लॉट जारी होंगे

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने बढ़ती मांग को देखते हुए 9 मई को विशेष पासपोर्ट अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य आवेदनों की प्रक्रिया को तेज करना और लोगों को जल्द अपॉइंटमेंट उपलब्ध कराना है। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी जे. स्नेहाजा के अनुसार, इस अभियान के तहत 4,000 ऑनलाइन स्लॉट जारी किए जाएंगे। आवेदक पासपोर्ट सेवा की वेबसाइट पर जाकर अपना अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। यह विशेष अभियान बेगमपेट, एमजीबीएस मेट्रो, रायदुर्ग, करीमनगर और निजामाबाद के पांचों पासपोर्ट सेवा केंद्रों पर चलाया जाएगा। इनमें से हैदराबाद के तीन केंद्रों पर 3,100 स्लॉट और करीमनगर व निजामाबाद में 900 स्लॉट उपलब्ध कराए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में पासपोर्ट अपॉइंटमेंट के लिए 8 से 10 दिन का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन इस अभियान के बाद यह समय घटकर 5 से 7 दिन हो जाएगा। कार्यालय ने यह भी बताया कि ई-चिप वाले पासपोर्ट जारी किए जा रहे हैं, जबकि पुराने पासपोर्ट अपनी अवधि पूरी होने तक मान्य रहेंगे। पासपोर्ट से संबंधित किसी भी समस्या के लिए आवेदक ईमेल या दिए गए फोन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

क्षेत्रीय रिंग रोड परियोजना में देरी की आशंका, निविदा की समय सीमा आज समाप्त

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के उत्तरी हिस्से के निर्माण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि बुधवार को समाप्त हो रही है। सड़क एवं भवन विभाग इस बात को लेकर चिंतित है कि प्रक्रिया समय पर पूरी हो पाएगी या इसमें फिर देरी होगी। इस परियोजना की समय सीमा पहले ही दो बार बढ़ाई जा चुकी है। आरआरआर के उत्तरी भाग को 5 मार्च 2021 को केंद्र सरकार की मंजूरी मिली थी। यह परियोजना भारतमाला योजना के तहत संगारेड्डी से चोटुप्पल तक राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित की जानी है, जिसका कार्यान्वयन एनएचएआई द्वारा किया जाएगा। हाल ही में केंद्र सरकार ने परियोजना के स्वरूप में बदलाव करते हुए इसे एक्सप्रेसवे के बजाय सामान्य राष्ट्रीय राजमार्ग बना दिया, जिससे इसकी गति सीमा 130 किमी प्रति घंटा से घटाकर 100 किमी प्रति घंटा कर दी गई।

एनएचएआई ने छह लेन निर्माण के लिए 11 नवंबर 2025 को निविदाएं आमंत्रित की थीं। यह परियोजना पांच हिस्सों में बांटी गई है और इसकी अनुमानित लागत 8,535 करोड़ रुपये है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। राज्य सरकार इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण लागत का 50 प्रतिशत वहन करेगी। इसके लिए 2026-27 के बजट में 1,525 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। दक्षिणी हिस्से की बात करें तो वहां काम अभी धीमी गति से चल रहा है। राज्य सरकार ने इसके लिए एक समिति का गठन किया था और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का काम भी जारी है। हालांकि, भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों और भू-स्वामियों ने विरोध जताया है। सरकार ने दक्षिणी मार्ग के विकल्पों को मंजूरी दे दी है, लेकिन अभी भी केंद्र सरकार से अंतिम स्वीकृति का इंतजार है। अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट तैयार होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिणाम चाहे जो भी हो, बच्चों को अपनाएं : पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दसवीं कक्षा के परिणाम घोषित होने के परिप्रेक्ष्य में हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, भारतीय पुलिस सेवा ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से महत्वपूर्ण अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा परिणाम किसी भी विद्यार्थी के जीवन की दिशा निर्धारित नहीं करते, बल्कि यह जीवन की लंबी यात्रा का एक छोटा सा मोड़ मात्र है। उन्होंने हाल ही में इंटरमीडिएट परिणामों के बाद कुछ विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं पर गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि कम अंक आने या असफलता के कारण जीवन समाप्त करना किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि इससे परिवारों को अपूरणीय दुःख ही मिलता है।

महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा इंटरमीडिएट विद्यार्थियों की आत्महत्या से संबंधित मामलों की विस्तृत जांच के दौरान पीड़ित अभिभावकों से बातचीत में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। आयुक्त ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे यह समझें कि असफलता सफलता की पहली सीढ़ी होती है, न कि जीवन का अंत। उन्होंने विशेष रूप से अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं का बोझ बच्चों पर न डालें, जिससे वे मानसिक दबाव में आ जाएं। उन्होंने कहा कि परिणाम चाहे जो भी हो, अभिभावकों को अपने बच्चों को स्नेहपूर्वक अपनाना चाहिए और उनमें आत्मविश्वास भरना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अंकों से अधिक बच्चों का जीवन और उनकी मुस्कान महत्वपूर्ण है।

आयुक्त ने अभिभावकों से यह भी आग्रह किया कि परिणाम घोषित होने के बाद वे बच्चों के व्यवहार पर विशेष ध्यान दें। यदि वे अकेले या मौन दिखाई दें, तो उनके साथ रहकर उनका हौसला बढ़ाएं। आवश्यकता पड़ने पर अपने अन्य कार्यों को स्थगित कर उनके साथ समय बिताएं और उनके मन में उत्पन्न भय को दूर करें। उन्होंने शिक्षकों से भी इस समय विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर यह विश्वास दिलाने का आह्वान किया कि असफलता अस्थायी होती है और भविष्य में अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पढ़ाई में पीछे रहने वाले अनेक लोगों ने कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त की है। आयुक्त ने कहा कि परीक्षा से अधिक मूल्यवान जीवन है और प्रत्येक विद्यार्थी के पीछे एक परिवार होता है, जो उनके लिए चिंतित रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि किसी भी प्रकार की चिंता होने पर वे अपने अभिभावकों या निकट संबंधियों से खुलकर बात करें और प्रतिकूल परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हों।

टीजी जेनको को अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन मिला

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विद्युत उत्पादन निगम को गुणवत्ता, दक्षता और सतत सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई है। निगम ने प्रतिष्ठित गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन प्राप्त किया है।

यह प्रमाणन राज्य के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के हाथों मंगलवार रात्रि प्रदान किया गया। ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल की उपस्थिति में निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हरीश ने यह प्रमाण पत्र ग्रहण किया। यह सम्मान एक स्वतंत्र प्रमाणन संस्था द्वारा किए गए व्यापक लेखा परीक्षण के पश्चात प्रदान किया गया। इस प्रक्रिया के अंतर्गत लेखा परीक्षण दल ने निगम के सभी विभागों और कार्यप्रणालियों का गहन निरीक्षण किया। विशेष रूप से मानक प्रक्रियाओं के अनुपालन, विभागीय कार्य निष्पादन, कार्यों की प्रभावशीलता, संस्थागत लक्ष्यों की प्राप्ति तथा गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के क्रियान्वयन का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। सभी विभागों द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का पालन किए जाने की पुष्टि के उपरांत यह प्रमाणन प्रदान करने की स्वीकृति दी गई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि निगम द्वारा प्रदान की जा रही उच्च गुणवत्ता की सेवाओं तथा सुदृढ़ प्रबंधन प्रणाली का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन निगम की कार्यकुशलता को और सुदृढ़ करेगा तथा आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में नई जिम्मेदारियां भी निर्धारित करेगा। कार्यक्रम में दक्षिणी विद्युत वितरण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जीतेश वी. पाटिल तथा प्रमाणन संस्था के प्रतिनिधि शिवैया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

दूसरे चरण में ...

यह प्रकाशन राज्य में महत्वपूर्ण दो चरणों वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण से ठीक एक दिन पहले हुआ, जिसमें केवल 1,468 नामों को ही मंजूरी दी गई। इसके साथ ही दूसरी पूरक सूची में न्यायिक निर्णय प्रक्रिया के दौरान न्यायिक अधिकारियों द्वारा मंजूरी दिए गए छह नामों को अपीलीय न्यायाधिकरणों द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था।

गौरतलब है कि अपीलीय न्यायाधिकरणों की पहली पूरक सूची, जो 22 अप्रैल को प्रकाशित हुई थी। पश्चिम बंगाल चुनावों के पहले चरण से एक दिन पहले, जो 23 अप्रैल को होना था, उसमें केवल 136 नामों को मंजूरी दी गई थी और दो नाम हटा दिए गए थे। पश्चिम बंगाल में इस साल 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद, 60 लाख से कुछ अधिक नामों को न्यायिक निर्णय के लिए भेजा गया था, जिसका संचालन 732 न्यायिक अधिकारियों द्वारा किया गया था, जिनमें पड़ोसी झारखंड और ओडिशा से 100-100 अधिकारी शामिल थे।

पहले चरण का मतदान शांतिपूर्ण रहा :

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के एक सूत्र ने बताया, 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान में मतदान केंद्र पूरी तरह शांतिपूर्ण रहे। हालांकि, कुछ मतदाताओं ने मतदान के लिए जाते समय धमकाने की शिकायत की। दूसरे चरण के मतदान में इस समस्या को दूर करने के लिए चुनाव आयोग ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि केंद्रीय बलों की एक टुकड़ी को तैयार रखा जाए ताकि धमकाए गए मतदाताओं की मदद की जा सके और उन्हें मतदान केंद्रों तक पहुंचाया जा सके।

उन्होंने आगे कहा कि दूसरे चरण में, चुनाव आयोग का ध्यान केवल बूथ स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ही नहीं है, बल्कि मतदाताओं को डराने-धमकाने की घटनाओं को समाप्त करने पर भी है, विशेष रूप से दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर उपखंड के प्रशासनिक क्षेत्र में इस क्षेत्र में चुनावी हिंसा के रिकॉर्ड को देखते हुए।

'सिक्किम पूर्वी भारत ...

सिक्किम के 50 वर्ष पूरे4000 करोड़ की विकास परियोजनाओं की मिलेगी सौगात

सिक्किम के राज्यत्व के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य में भव्य समापन समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। यह ऐतिहासिक अवसर सिक्किम के लिए बेहद खास माना जा रहा है, जहां विकास और उत्सव दोनों का संगम देखने को मिलेगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री करीब 4,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात राज्य को देंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी। यह दौरा हिमालयी राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है, जो आने वाले समय में विकास की नई दिशा तय कर सकता है।

'चुप रह, ई ...

इसके बाद नरेंद्र मोदी बरेका के लिए रवाना हुए। बरेका इंटर कॉलेज मैदान में जनआक्रोश महिला सम्मेलन के मंच पर पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और महिलाएं दिखीं। पीएम मोदी ने कार्यक्रम मंच से 6332 करोड़ रुपये की 163 परियोजनाओं की सौगात दी।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम मंच से बनारस-पुणे और अयोध्या-मुंबई दो नई अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी बरेका इंटर कॉलेज मैदान में जनआक्रोश महिला सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस दौरान वे महिला अधिकारों की चर्चा करते दिखे।

अध्यक्ष ने सरकार के कार्यों का किया जिक्र :

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन सम्मेलन में कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश की आधी आबादी को वह सम्मान दिया है। पूर्ववर्ती सरकारें यह नहीं दे सकीं। नितिन नवीन ने कहा कि कि महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। काशी की विशेषता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल एक शहर या भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है। जिस प्रकार मां गंगा भारतीय संस्कृति को सिंचित करती हैं, उसी प्रकार देश की महिलाएं परिवार और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

वैकल्पिक बंदरगाहों पर ...

इसके साथ ही, भारत के व्यापार को रुकने से बचाने के लिए सरकार सऊदी अरब के जेद्दा जैसे वैकल्पिक बंदरगाहों के इस्तेमाल पर भी गंभीरता से विचार कर रही है।

पेट्रोलियम मंत्रालय और कपड़ा मंत्रालय ने साझा रूप से इस पूरे मामले पर देश को अहम अपडेट दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा और कपड़ा मंत्रालय के व्यापार सलाहकार बिपिन मेनन ने साफ किया है कि भारत ने आयात प्रभावित होने के बावजूद अपनी घरेलू गैस सप्लाई को 100 प्रतिशत सुरक्षित कर लिया है। सरकार ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह में आकर घबराहट में गैस या पेट्रोल की ज्यादा खरीदारी न करें। माल ढुलाई के लिए नए रास्तों की तलाश तेज कर दी गई है ताकि देश के निर्यातकों को कोई आर्थिक नुकसान न हो।

क्या ओलंपिक में दिखेगा भारतीय फुटबॉल का दम

पीएम मोदी ने युवाओं में भरा जोश; फीफा विश्वकप के लिए जगाई दिलचस्पी

गंगटोक, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल को नई दिशा देने की कोशिश के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगटोक में युवा खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलकर बड़ा संदेश दिया। पीएम ने बच्चों से कहा कि उन्हें सिर्फ खेलने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ओलंपिक में खेलने के लक्ष्य के साथ मेहनत करनी चाहिए। उनके इस संदेश ने युवाओं में नया जोश भर दिया और भारतीय फुटबॉल के भविष्य को लेकर उम्मीदें बढ़ा दीं।

साथ ही फीफा विश्व कप 2026 का जून में आगाज होना है। उससे पहले पीएम मोदी के इस पहल ने भारतीय फैंस के अंदर इस टूर्नामेंट को लेकर दिलचस्पी भी जगा दी है। भारत में क्रिकेट के साथ-साथ फुटबॉल के भी काफी फैंस हैं और पीएम मोदी ने उन्हें अब फुटबॉल चुनने के लिए प्रेरित किया है। पीएम मोदी के ऐसा करने से फीफा विश्व कप जैसे बड़े

मंचों पर भारत की मौजूदगी को लेकर भी नई चर्चा शुरू हो गई है।

बच्चों संग खेला फुटबॉल

सिक्किम दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने स्थानीय किशोर लड़के-लड़कियों के साथ फुटबॉल खेला। इस दौरान उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों के साथ समय बिताया और कुछ गोल भी किए। कभी उन्होंने राइट विंग से तो कभी सेंटर फॉरवर्ड से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। उन्होंने गोल करने के लिए दाएं और बाएं पैर का बखूबी इस्तेमाल भी किया। एक वीडियो में पीएम कहते हैं, 'मुझे क्या आपलोग फुटबॉल खेलना सीखाएंगे। ऐसा तो नहीं कि आपलोग मुझे हरा देंगे।'

युवाओं को दिया बड़ा मंत्र

प्रधानमंत्री ने मैच के बाद युवा खिलाड़ियों से कहा, 'खेलने के लिए सिर्फ अभ्यास काफी नहीं है। मैच होना चाहिए। इससे हम सीखते हैं। हममें जुनून पैदा होता है। आने वाले दिनों में इसे लोकप्रिय बनाना है। आपको पता होगा भारत ओलंपिक (2036) की मेजबानी हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उस समय तक आपलोग परिपक्व खिलाड़ी बन जाएंगे। इसलिए आप सभी को अभी से बेहतर करना का प्रयास करना चाहिए और अपनी तैयारी ओलंपिक खेलने के उद्देश्य से तैयारी करिए।

भारतीय फुटबॉल के लिए संकेत

पीएम मोदी के इस संदेश को भारतीय फुटबॉल के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। युवाओं को बड़े मंचों के लिए तैयार करने की बात ने खेल जगत में नई ऊर्जा भरी है। इससे पहले पीएम ने अपने एक्स अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, 'गंगटोक की एक प्यारी सुबह, सिक्किम में अपने नन्हे दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलने का मजा ही कुछ और है।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'इन युवाओं के साथ फुटबॉल का एक जबरदस्त सेशन।' प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों को फुटबॉल पर अपना ऑटोग्राफ भी दिया।

विकास परियोजनाओं का भी शुभारंभ

पीएम 27 अप्रैल की शाम को गंगटोक पहुंचे थे। उनका मंगलवार का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। बच्चों के साथ समय बिताने के बाद प्रधानमंत्री गंगटोक स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे। वह पालजोर स्टेडियम में सिक्किम के राज्य स्थापना के 50वें वर्ष के समारोह के समापन समारोह में भाग लेंगे, जहां वे राज्य भर में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शुभारंभ और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे। ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचे, संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं, और इनका उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है।

आरसीबी की टॉप-2 में एंट्री, नेट रन रेट में पंजाब को भी पछाड़ा, दिल्ली का बुरा हाल

आईपीएल 2026 की अंक तालिका

स्थान	टीम	मैच	जीते	हारे	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
1	पंजाब	7	6	0	1	13	+1.333
2	आरसीबी	7	5	2	0	10	+1.101
3	हैदराबाद	8	5	3	0	10	+0.815
4	राजस्थान	8	5	3	0	10	+0.602
5	सीएसके	7	3	4	0	6	+0.118
6	दिल्ली	7	3	4	0	6	-0.184
7	गुजरात	7	3	4	0	6	-0.790
8	मुंबई	7	2	5	0	4	-0.736
9	लखनऊ	7	2	5	0	4	-1.277
10	केकेआर	7	1	5	1	3	-0.879

मुंबई, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के 39वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को बुरी तरह हराते हुए नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली की टीम महज 75 रनों पर सिमट गई, जिसे आरसीबी ने सिर्फ 6.3 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया. इस धमाकेदार जीत के बाद पॉइंट्स टेबल में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम अब टॉप-2 में पहुंच गई है और पंजाब किंग्स के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं.

पॉइंट्स टेबल में आरसीबी को जबरदस्त फायदा

दिल्ली कैपिटल्स को हराने के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने आठ मैचों में छठी जीत हासिल की. अब उसके 12 पॉइंट्स हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गई है. वहीं, नेट रन रेट की बात की जाए तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का एनआरआर +1.919 हो गया है, इस सीजन में बाकी टीमों के मुकाबले सबसे ज्यादा है. दूसरी ओर, दिल्ली की टीम को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा. इस हार के साथ दिल्ली के आठ मैचों में पांचवां मुकाबला गंवा दिया और उनके पॉइंट्स 6 ही हैं. इसके साथ-साथ उनका नेट रन रेट -1.060 तक गिर गया है.

वहीं, पंजाब किंग्स पहले स्थान पर बनी हुई है. उसने 7 मैच खेले हैं और 6 अपने नाम किए हैं. वहीं, 1 मैच बारिश में धुला है. यानी पंजाब किंग्स ने अभी तक कोई मुकाबला नहीं हारा है और वह 13 पॉइंट्स के साथ सबसे आगे है. लेकिन आरसीबी अब उसके काफी करीब पहुंच गई है. ऐसे में पंजाब के लिए उनका अगला मुकाबला काफी अहम होगा. वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद 8 मैचों में 10 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है. राजस्थान रॉयल्स के भी 8 मैचों में 10 पॉइंट्स हैं और वह चौथे नंबर पर चल रही है.

थॉमस कप क्वार्टर फाइनल में भारत

ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया, विमेंस टीम का ग्रुप स्टेज में खत्म हुआ अभियान

होर्सेंस, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। डेनमार्क के होर्सेंस में ग्रुप-ए के दूसरे मैच में भारतीय मेन्स टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से क्लीन स्वीप किया।

इससे पहले भारत ने पहले मैच में कनाडा को 4-1 से हराया था। अब बुधवार को भारत का सामना टॉप सीड चीन से होगा, जिससे ग्रुप-ए की टॉप टीम तय होगी। मैच की शुरुआत लक्ष्य सेन ने की। पेरिस ओलिंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य ने एप्रैम स्टीफन सैम को 21-14, 21-16 से हराकर भारत का खाता खोला। दूसरे सिंगल्स में एशियाई चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांढ को 26 मिनट में 21-8, 21-6 से हराकर स्कोर 2-0 किया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पक्की की जीत

भारत की स्टार डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने तीसरा मैच जीतकर अजेय बढ़त दिलाई। एशियन गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट जोड़ी ने रिज्की हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराया। इस जीत से भारत का क्वार्टर फाइनल में पहुंचना पक्का हो गया।

इस मैच के लिए भारतीय टीम में एक बदलाव किया गया था। किदांबी श्रीकांत की जगह ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय को मौका मिला। प्रणय ने अपने पहले मैच में ऋषि होंडा भूपति को 21-11, 21-17 से हराकर भारत को 4-0 से आगे किया। आखिरी डबल्स में हरिहरन अमशकरुनन और एमआर अर्जुन ने एंडिका रामादियानस्याह और एप्रैम सैम को 21-12, 21-10 से हराकर क्लीन स्वीप पूरा किया। पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है, जबकि भारतीय महिला टीम का उबर कप सफर समाप्त हो गया। ग्रुप-A के आखिरी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन चीन ने भारत को 5-0 से हराया।

मुकाबले की शुरुआत पीवी सिंधु और वांग झी यी के बीच कड़े मुकाबले से हुई। पहले गेम में सिंधु 18-12 से आगे थीं, लेकिन वांग ने वापसी कर मैच जीत लिया। इसके बाद विश्व नंबर-2 चेन यू फी ने इशारानी बरुआह को सीधे गेम में हराकर चीन की बढ़त मजबूत की और जीत लगभग तय कर दी।

डबल्स मुकाबलों में भी चीन का दबदबा रहा। लियू/तान और लुओ/झांग की जोड़ियों ने अपने मैच जीतकर क्लीन स्वीप दिलाया। भारत ने ग्रुप स्टेज में 3 मुकाबलों में 1 जीत और 2 हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गया। भारत ने 2014 और 2016 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

कोहली आईपीएल में 9 हजार रन बनाने वाले पहले बैटर

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के 39वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 9 विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली की बल्लेबाजी फ्लॉप रही। टीम ने पावरप्ले का सबसे कम स्कोर बनाया। दिल्ली की पारी 75 रन पर ढेर हो गई। जवाब ने बेंगलुरु ने 81 गेंद रहते टारगेट हासिल कर लिया। 23 रन बनाकर नाबाद रहने वाले विराट कोहली आईपीएल इतिहास में 9 हजार रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए।

दिल्ली ने पावरप्ले में 6 विकेट खोकर मात्र 13 रन बनाए। यह आईपीएल इतिहास में पावरप्ले का सबसे कम स्कोर है। दूसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स हैं, जिसने 2009 में आरसीबी के खिलाफ 2 विकेट खोकर 14 रन बनाए थे।

दइस मैच में दिल्ली ने सिर्फ 7 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे। इसके बावजूद यह आईपीएल में सबसे कम रन में 5 विकेट गंवाने का रिकॉर्ड नहीं है। कोच्चि टस्तकर्स केरल की टीम 2011 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ सिर्फ 6 रन पर 5 विकेट गंवा बैठी थी। अब कोच्चि टस्कर्स और डेक्कन चार्जर्स दोनों टीमों लीग से बाहर हो चुकी हैं।

भुवनेश्वर कुमार ने डीसी के खिलाफ पहले ओवर में ही डेब्यूटेंट साहिल पारख को क्लीन बोल्ड कर दिया। ये 29वीं बार है, जब उन्होंने आईपीएल में पहले ओवर में ही विकेट लिया हो। वे इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। टॉप पर ट्रेंट बोल्ट हैं, जिन्होंने 32 बार यह कारनामा किया है।

दिल्ली के खिलाफ भुवनेश्वर ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए। उन्होंने आईपीएल 2023 के बाद पावरप्ले में अब तक 32 विकेट लिए हैं। वे इस मामले में ट्रेंट बोल्ट के साथ नंबर एक पर हैं। बोल्ट ने भी 32 विकेट लिए हैं। मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी ने पावरप्ले में 28-28 विकेट लिए हैं।

भुवनेश्वर ने आईपीएल में 25 बार 3+ विकेट लिए

भुवनेश्वर ने दिल्ली के खिलाफ 3 ओवर में 5 रन देकर 3 विकेट लिए। आईपीएल में उन्होंने 20वीं बार 3 या उससे ज्यादा विकेट लिए। इस लिस्ट में जसप्रीत बुमराह नंबर एक पर हैं, जिन्होंने 25 बार यह स्पेल डाला है। लसिथ मलिंगा ने 19 बार 3+ विकेट लिए हैं और तीसरे नंबर पर हैं।

दिल्ली कैपिटल्स 16.3 ओवर में 75 रन पर ऑलआउट हो गई। यह आईपीएल में तीसरी बार है, जब दिल्ली की टीम 75 या उससे कम स्कोर पर ऑलआउट हुई। आरसीबी इस मामले में नंबर-1 पर हैं, जो 4 बार 75 या इससे नीचे ऑल आउट हुई है।

विराट कोहली 9 हजार रन पूरे करने वाले पहले आईपीएल बैटर बने। उनके नाम 9012 रन हो गए हैं। दूसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिनके नाम 7183 रन हैं।

बेंगलुरु ने दिल्ली के खिलाफ 76 रन का लक्ष्य 81 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। यह आईपीएल में गेंद बाकी रहने के हिसाब से दूसरा सबसे बड़ा रनचेज रहा। इस लिस्ट में पहले स्थान पर मुंबई इंडियंस है, जिसने 87 गेंद रहते चेज किया था, जबकि बेंगलुरु दूसरे स्थान पर है।

विराट कोहली ने दिल्ली के खिलाफ अपने रन 1172 तक पहुंचा दिए। हालांकि इस लिस्ट में पहला स्थान भी उनके ही नाम है, जहां उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 1174 रन बनाए हैं, जबकि दिल्ली के खिलाफ उनका यह रिकॉर्ड दूसरा सबसे ज्यादा है।

बेंगलुरु ने दिल्ली को 21वीं बार हरा दिया। एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस के नाम हैं, जिसने कोलकाता के खिलाफ 25 जीत दर्ज की हैं, जबकि 21 जीत के साथ कई टीमें दूसरे स्थान पर हैं।

भारतीय महिला टीम ने 1-4 से गंवाई टी-20 सीरीज

साउथ अफ्रीका ने आखिरी मैच 23 रन से जीता

बेनोनी, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम का साउथ अफ्रीका दौरा हार के साथ खत्म हुआ है। बेनोनी में सीरीज के पांचवें और आखिरी टी-20 में साउथ अफ्रीका ने भारत को 23 रन से हराया। इस जीत से मेजबान टीम ने सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। 'फ्रीडम डे' पर साउथ अफ्रीका की जीत की स्टार कप्तान लॉरा वोल्वार्ट रहीं, जिन्होंने नाबाद 92 रन बनाए। भारत को 156 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम 20 ओवर में 132 रन ही बना सकी। साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट के लिए यह सीरीज ऐतिहासिक रही। उन्होंने 5 मैचों में 330 रन बनाए, जो किसी भी बाइलेटरल टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा हैं।

उन्होंने न्यूजीलैंड की अमेलिया केर (276 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा। वोल्वार्ड्ट ने चार बार 50+ स्कोर बनाए। आखिरी मैच में उन्होंने 30 गेंदों में फिफ्टी और 56 गेंदों में 92* रन बनाकर टीम को 155 तक पहुंचाया।

एक समय साउथ अफ्रीका का स्कोर 14 ओवर में 97/3 था और टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में कसी गेंदबाजी की। दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह ने 2-2 विकेट लेकर मिडिल ऑर्डर को झकझोरा।

मेजबान टीम ने 49 रन में 6 विकेट गंवाए। दीप्ति ने एनेरी डर्कसन और एनेके बॉश को आउट किया, जबकि रेणुका ने क्लो ट्रायोन और नादिन डी क्लार्क के विकेट लिए।

156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। स्मृति मंधाना को आराम दिए जाने के बाद शेफाली वर्मा के साथ अनुष्का शर्मा ओपनिंग करने उतरीं, लेकिन टीम ने 38 रन पर 3 विकेट गंवाए। शेफाली (10), जेमिमा (7) और अनुष्का (15) जल्दी आउट हो गईं।

भारती फुलमाली ने 40 रन बनाकर उम्मीद जगाई, लेकिन साथ नहीं मिला। ऋचा घोष 25 रन बनाकर नाबाद रहीं, पर टीम लक्ष्य से दूर रही। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले यह सीरीज भारत के लिए 'वेक-अप कॉल' रही। पूरी सीरीज में भारतीय गेंदबाज पावरप्ले में विकेट लेने के लिए संघर्ष करते दिखे। फील्डिंग भी चिंता रही, जहां भारत ने 12 कैच छोड़े।

हालांकि, दीप्ति शर्मा का फॉर्म में लौटना और अनुष्का शर्मा का आत्मविश्वास सकारात्मक पहलू हैं। अब भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेगी, जो वर्ल्ड कप की तैयारी का आखिरी पड़ाव होगा।

युजवेंद्र चहल की प्रीति जिंटा से ओपनिंग बैटिंग की डिमांड

खेल डेस्क, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के शानदार प्रदर्शन के बीच, स्पिनर युजवेंद्र चहल ने टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा से एक मैच में ओपनिंग करने की मांग की, जिसका प्रीति ने मजेदार जवाब दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन इस सीजन में शानदार रहा है। टीम ने अब तक 7 मैचों में 6 जीत दर्ज की है, जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टीम ने आईपील इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज भी पूरा किया। टीम के लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद, प्रीति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फैंस से बातचीत करने का फैसला किया। उन्होंने फैंस से सवाल पूछने को कहा, जिस पर चहल ने अपनी इच्छा जाहिर की। चहल ने लिखा, 'मैम, एक मैच में बैटिंग ओपनिंग करने का मौका मिल जाए तो।'

इस पर प्रीति जिंटा ने जवाब दिया, 'जरूर युजी। तुम्हारे लिए कुछ भी। आईपीएल खत्म होने के बाद, तुम्हें जो भी मैच पसंद हो। मुझे यकीन है कि प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या को इससे कोई आपत्ति नहीं होगी।' पंजाब की मौजूदा सलामी जोड़ी प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या बेहतरीन फॉर्म में है। दोनों ने टीम को मजबूत शुरुआत दी। इस सीजन में इस जोड़ी ने 57.4 की औसत और 192.61 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं। प्रियांश आर्या अब तक 254 रन बना चुके हैं, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 7 मैचों की 6 पारियों में 192.62 की स्ट्राइक रेट से 287 रन बनाए हैं। इसी वजह से टीम ने अब तक अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया है। पंजाब किंग्स आईपीएल इतिहास की पहली ऐसी टीम बन गई है, जिसने एक सीजन के शुरुआती 7 मैचों में अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया।

भारत के मुकाबले से पहले परेशान पाकिस्तान हॉकी टीम

खिलाड़ियों का फूटा गुस्सा, जताई नाराजगी

कराची, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। एफआईएच मेन्स प्रो लीग 2026 में भारत के खिलाफ जून में होने वाले मुकाबलों से पहले पाकिस्तान हॉकी टीम के अंदर नाराजगी बढ़ती दिख रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खिलाड़ी अपनी फेडरेशन से बेहद निराश हैं, क्योंकि टीम के लिए अभी तक न कोई ट्रेनिंग कैंप लगाया गया है और न ही कोई हाई-प्रोफाइल कोच नियुक्त किया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच प्रो लीग के मुकाबले 23 जून और 26 जून को यूनाइटेड किंगडम में खेले जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों का मानना है कि भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए बेहतर तैयारी जरूरी थी, लेकिन फेडरेशन ने इस दिशा में कोई गंभीर कदम नहीं उठाया। न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने सूत्रों के हवाले से कहा है, 'पाकिस्तान ने 2016 के बाद भारत को नहीं हराया है, इसलिए खिलाड़ी पूरी तैयारी चाहते थे, लेकिन अब तक किसी कैंप या अंतरराष्ट्रीय कोच के संकेत नहीं हैं। भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ यह चुनौती आसान नहीं है।' पाकिस्तान इस बार पहली बार नौ टीमों वाली प्रो लीग में खेल रहा है। उसे न्यूजीलैंड के हटने के बाद मौका मिला था। लेकिन मैदान पर टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पाकिस्तान अब तक अपने सभी मुकाबले हार चुका है। टीम को नीदरलैंड, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसी टीमों ने हराया है। ऐसे में भारत और इंग्लैंड के खिलाफ अगला चरण पाकिस्तान के लिए करो या मरो जैसा हो सकता है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खिलाड़ियों ने फेडरेशन से विदेशी कोच नियुक्त करने की मांग की थी। खास तौर पर रोलेंट ओल्टमंस जैसे अनुभवी कोच का नाम सामने आया, जिन्हें भारतीय खिलाड़ियों और टीम संरचना की अच्छी समझ है, लेकिन फेडरेशन ने यह मांग नहीं मानी और पूर्व ओलंपियन मंजूरुल हसन को मुख्य कोच बना दिया। सूत्रों ने कहा, 'मंजूरुल पुराने दौर के कोच हैं। उन्हें आधुनिक हॉकी और मौजूदा खिलाड़ियों की पर्याप्त जानकारी नहीं है, इसलिए यह नियुक्ति ज्यादा उपयोगी नहीं दिखती।'

खिलाड़ियों ने भुगतान और सुविधाओं को लेकर भी नाराजगी जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों से 120 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन भत्ते का वादा किया गया था, लेकिन मिस्र में क्वालीफाइंग दौर के दौरान उन्हें सिर्फ 40 डॉलर मिले। इसके अलावा खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध और मैच फीस भी नहीं मिल रही है। एक खिलाड़ी ने कहा, 'हॉकी खिलाड़ियों की हालत नहीं बदल रही, क्योंकि कोई सुनने वाला नहीं है।

30 साल के खिलाड़ी ने मजबूरी में किया संन्यास का ऐलान, एक चोट ने खत्म किया पूरा करियर

लंदन, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है. 30 साल का एक खिलाड़ी ने अचानक संन्यास का ऐलान कर दिया है. इस खिलाड़ी को साल 2024 में एक चोट का सामना करना पड़ा था. जिसके बाद उसे 2 बार सर्जरी भी करवानी पड़ी, लेकिन इस खिलाड़ी की वापसी कुछ खास नहीं रही और अब मेडिकल सलाह पर उसने प्रोफेशनल क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है. सरे काउंटी के ऑलराउंडर कैमरन स्टील को गंभीर एंकल इंजरी के कारण प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास लेना पड़ा है. बता दें, स्टील को 2024 में बाएं टखने में चोट लगी थी. इसके बाद फरवरी 2025 में उनकी ब्रोस्टॉम रिपेयर सर्जरी कराई गई. फिर मई 2025 में वह मैदान पर लौटे, लेकिन इसी इंजरी के चलते उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ा.

मनु भाकर से वैभव सूर्यवंशी पर पूछा गया सवाल, भड़क गए लोग, सोशल मीडिया पर बवाल

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। डबल ओलंपिक मेडल विजेता निशानेबाज मनु भाकर हाल ही में भारतीय शूटिंग संघ की 75वीं वर्षगांठ समारोह में पहुंची. इस दौरान मनु भाकर ने मीडिया से बातचीत की, लेकिन इस दौरान उनसे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के बारे में भी सवाल पूछा गया. वैभव सूर्यवंशी इन दिनों खेल जगत में छाए हुए हैं. हालांकि, सोशल मीडिया पर एक बहस छिड़ गई है. कई लोगों ने इसे मनु भाकर की उपलब्धियों के साथ साफ अन्याय बताया है.

समारोह में शूटिंग लीग ऑफ इंडिया, ग्रासरूट प्रोग्राम और LA 2028 ओलंपिक से जुड़े एथलीट ऐप के अनावरण जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही थी. इसी

दौरान पत्रकारों ने मनु भाकर से युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पर उनकी राय मांगी. मनु भाकर ने सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'अगर वैभव सूर्यवंशी को सही मेंटरशिप मिले, उनके आसपास अच्छा माहौल हो और सही लोग उनका मार्गदर्शन करें, तो उम्र सिर्फ एक नंबर है. मुझे विश्वास है कि वह भारतीय खेलों का अगला बड़ा स्टार बन सकते हैं.'

लेकिन सोशल मीडिया पर मनु भाकर से तरह के सवाल पूछने की भारी आलोचना हो रही है. यूजर्स ने कहा कि एक ओलंपिक मेडलिस्ट शूटर से शूटिंग कार्यक्रम के दौरान क्रिकेटर के बारे में पूछना गलत है. कई ने लिखा कि भारत में क्रिकेट का जुनून इतना ज्यादा है कि बाकी खेलों के खिलाड़ियों को अकसर कम आंका जाता है. कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व टीम डायरेक्टर जय भट्टाचार्या ने भी इस घटना पर तीखा पलटवार किया.

जय भट्टाचार्या ने भी की आलोचना

जय भट्टाचार्या ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'दोस्तों, वो एक ओलंपिक पदक विजेता हैं. उनसे ये पूछना कि वो वैभव सूर्यवंशी के बारे में क्या सोचती हैं, उनकी उपलब्धियों और उनके खेल के साथ नाइंसाफी है. वैसे भी क्रिकेट इस देश का सबसे बड़ा जुनून है, आपके खेल संपादकों को सूर्यवंशी पर हेडलाइन बनाने के लिए किसी और सेलिब्रिटी के बयान की जरूरत नहीं है. इससे अलग, अगली बार वैभव सूर्यवंशी से मनु भाकर के बारे में पूछकर देखिए और उनके चेहरे के भाव देखिएगा.'

बता दें, मनु भाकर भारत की पहली शूटर हैं, जिन्होंने एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीते हैं. उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल और मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए थे.

तेलंगाना देश का प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा : जूपल्ली कृष्ण राव

> पर्यटन परामर्श समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने कहा है कि राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और इसे देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन अवसंरचना के विकास, स्थलों की पहचान एवं प्रचार-प्रसार के लिए एक व्यापक और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। मंत्री मंगलवार को हैदराबाद के बेगमपेट स्थित पर्यटन प्रांगण में आयोजित पर्यटन परामर्श समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य की समृद्ध विरासत, संस्कृति, मंदिरों, प्राकृतिक पर्यटन स्थलों, वनों, जलाशयों और आतिथ्य क्षमता का उपयोग करते हुए तेलंगाना को एक सजीव पर्यटन केंद्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। जूपल्ली कृष्ण राव ने अधिकारियों की बैठक में प्राप्त सभी सुझावों पर निरंतर कार्यवाही करने और उनके क्रियान्वयन के लिए स्पष्ट जिम्मेदारियां निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख पर्यटन स्थलों पर शौचालय, अस्थायी आवास, तंबू, कांच गृह, मार्ग किनारे सुविधाएं तथा अन्य आवश्यक आधारभूत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। मंत्री ने नवंबर-दिसंबर के दौरान हैदराबाद में एक भव्य वार्षिक उत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा, जिससे देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को धीरे-धीरे प्रायोजन के माध्यम से आत्मनिर्भर स्वरूप में विकसित किया जाना चाहिए। साथ ही शहर के सौंदर्यीकरण के लिए मूर्तियां, हरित सज्जा तथा सृजनात्मक सार्वजनिक स्थलों के विकास का भी सुझाव दिया। उन्होंने वारंगल, रामप्पा मंदिर, यादाद्री मंदिर, गोलकोंडा दुर्ग, तारामती बारादरी और नागार्जुन सागर जैसे पर्यटन स्थलों के विकास में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

साथ ही प्रमुख पर्यटन केंद्रों पर नियमित साप्ताहांत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया, ताकि पर्यटकों की सहभागिता बढ़े। बैठक में समिति के सदस्यों ने हैदराबाद को वैश्विक पर्यटन तथा विवाह आयोजन के प्रमुख स्थल के रूप में विकसित करने, चिकित्सा, आरोग्य, धार्मिक, गोल्फ तथा चलचित्र पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके अलावा देशीय, मध्य-पूर्व और मध्य एशिया के क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। विशेष मुख्य सचिव वाणी प्रसाद ने बताया कि सुविधाओं के विकास, पर्यटन परियोजनाओं, चलित आवास, किलों तथा निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पहले से ही कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने सुदृढ़ पहचान निर्माण और योजनाओं के तीव्र क्रियान्वयन की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला मंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी रचनात्मक सुझावों पर सकारात्मक रूप से विचार कर उन्हें राज्य की पर्यटन रूपरेखा में सम्मिलित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को अगली समीक्षा बैठक में ठोस प्रस्ताव प्रस्तुत करने तथा प्राथमिकता वाली योजनाओं में स्पष्ट प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक गौतमी, पर्यटन निदेशक लक्ष्मण रंजीत नाइक तथा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आज घोषित होंगे माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र परीक्षा परिणाम

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी परीक्षा निदेशालय द्वारा माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (एसएससी) सार्वजनिक परीक्षाओं के परिणाम बुधवार को दोपहर दो बजे घोषित किए जाएंगे। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यार्थी आधिकारिक सरकारी परीक्षा निदेशालय की बेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकेंगे। इसके अतिरिक्त, अंकपत्र की डिजिटल प्रति सीधे विद्यार्थियों के पंजीकृत दूरभाष संख्याओं पर भेजी जाएगी। यह सुविधा उन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगी जिन्होंने पूर्व में अपने प्रवेश पत्र को मीसेवा तेलंगाना संवाद सुविधा के माध्यम से डाउनलोड किया था। नए उपयोगकर्ताओं को पहले संबंधित दूरभाष संख्या को सुरक्षित करना होगा। इसके पश्चात उन्हें व्हाट्सऐप के माध्यम से नमस्ते संदेश भेजकर संवाद सेवा प्रारंभ करनी होगी और माध्यमिक परीक्षा परिणाम विकल्प का चयन करना होगा। अपना प्रवेश पत्र क्रमांक तथा जन्मतिथि दर्ज कर तुरंत अपना परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। इस वर्ष कुल 5,28,239 विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया, जिनमें 2,67,954 छात्र तथा 2,60,285 छात्राएं शामिल हैं।

राज्यों को समान रूप से मिलना चाहिए धन : वाकिटी श्रीहरि

मंत्री ने केंद्र से तेलंगाना को सहयोग देने का किया आग्रह

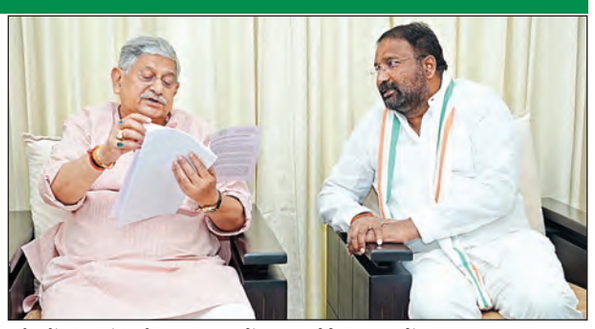

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पशुपालन, मत्स्य पालन, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरि ने मंगलवार को राजेंद्रनगर स्थित राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के कार्यालय में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुग्ध विकास मंत्री राजीव रंजन सिंह से भेंट की। बैठक में मत्स्य विभाग की निदेशक निखिला, पशुपालन विभाग के अधिकारी लक्ष्मी नारायण तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान वाकिटी श्रीहरि ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना में पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी केंद्रीय मंत्री को दी। उन्होंने इन योजनाओं के परिणामों को भी विस्तार से बताते हुए केंद्र सरकार से निरंतर सहयोग और समर्थन का आग्रह किया।

बैठक में जलीय कृषि को प्रोत्साहन, जीवन विज्ञान क्षेत्र में बीमा सुविधा तथा संसाधनों के न्यायसंगत वितरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने इन प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए विचार करने का आश्वासन दिया। वाकिटी श्रीहरि ने कहा कि केंद्र राज्यों का संघ है, इसलिए सभी राज्यों के बीच धन का समान वितरण होना चाहिए।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार तेलंगाना के लिए केंद्र से पर्याप्त धनराशि प्राप्त करने में विफल रही। राज्य की विकास प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए मंत्री ने बताया कि सरकार गोदावरी और कृष्णा नदियों के बीच स्थित 46,000 बड़े जलाशयों, 26,000 छोटे जलाशयों तथा 100 प्रमुख जल भंडारण परियोजनाओं के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। बैठक में राजेंद्रनगर से राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड को स्थानांतरित किए जाने की आशंका का विषय भी उठाया गया। इस पर राजीव रंजन सिंह ने स्पष्ट किया कि बोर्ड को स्थानांतरित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है और यह यथावत राजेंद्रनगर में ही कार्य करता रहेगा। इस अवसर पर वाकिटी श्रीहरि ने केंद्रीय मंत्री का शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया।

क्रेन दुर्घटना के घायलों से मिले मंत्री विवेक वेंकटस्वामी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खनन मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने मंगलवार को शंकरपल्ली के निकट हुई क्रेन दुर्घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। सोमवार को हुई इस दुखद घटना में पांच प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, तेज हवाओं के कारण एनसीसी लिमिटेड की एक निर्माणाधीन क्रेन पास स्थित एक शेड पर गिर गई। उस समय कई श्रमिक वर्षा से बचने के लिए शेड के भीतर शरण लिए हुए थे। क्रेन गिरने से पांच श्रमिकों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि 12 अन्य को गंभीर चोटें और अस्थि भंग हुआ।

मंत्री ने विधायक काले यादैया के साथ अस्पताल पहुंचकर घायलों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को घटना पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार पीड़ितों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्रेन डेड व्यक्ति के अंगदान से कई मरीजों को मिला जीवन

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नालगोंडा जिले के गुर्रमपोडे निवासी 56 वर्षीय पेरिका अंजैया के परिवार ने उनके ब्रेन डेड होने के बाद अंगदान कर मानवता की मिसाल पेश की है।

उनके इस फैसले से कई जरूरतमंद मरीजों को नई जिंदगी मिली है। जानकारी के अनुसार, 24 अप्रैल को अंजैया सड़क पर जा रहे थे, तभी कनागल स्टेज के पास एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल और फिर हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चार दिन तक आईसीयू में इलाज के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और 27 अप्रैल को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद अंजैया के बेटे पेरिका श्रीनाथ ने उनके अंग दान करने का फैसला लिया।

डॉक्टरों ने उनके गुर्दे, यकृत और कॉर्निया सहित पांच अंग निकालकर जरूरतमंद मरीजों को प्रत्यारोपित किए। जीवंदन के अधिकारियों ने इस मानवीय पहल के लिए परिवार का आभार जताया और कहा कि इस निर्णय से कई लोगों को नया जीवन मिला है।

पिता ने दो मासूम बेटों की हत्या के बाद खुद दी जान

महबूबाबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के महबूबाबाद जिले के थोरूर मंडल में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने दो नाबालिग बेटों की हत्या करने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। मंगलवार को थोरूर कृषि मंडी के पास एक खेत में नीम के पेड़ से तीन शव लटके देख स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान किन्नरा गुमशावली (35) के रूप में हुई है, जो अमापुरम गांव के निवासी थे। उनके दोनों बेटों विलास (5) और विकेश (3) की भी मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल इस घटना के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोफा निर्माण इकाई में भीषण आग, लाखों का नुकसान

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बहादुरपुरा क्षेत्र के किशन बाग में मंगलवार को एक सोफा निर्माण इकाई में भीषण आग लग गई, जिससे भारी नुकसान हुआ। जानकारी के अनुसार, आग ने यूनिट में रखे फर्नीचर और प्लाईवुड को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग फैल गई और कई लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। निवासियों ने दमकल विभाग के पहुंचने में देरी का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। उनका कहना है कि अगर समय पर कार्रवाई होती तो नुकसान कम हो सकता था।

दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से युवक की मौत

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के केपीएचबी क्षेत्र के निजामपेट क्रॉस रोड पर मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अभिनव कुमार मिश्रा के रूप में हुई है। वह अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार पानी के टैंकर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही केपीएचबी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी में नेतृत्व संकट

कई महीनों से नहीं है पूर्णकालिक सचिव

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी (टीजीएसडब्लूआरईआईएस) इन दिनों गंभीर नेतृत्व संकट से जूझ रही है। 268 संस्थानों का संचालन करने वाली इस संस्था में पिछले कई महीनों से कोई पूर्णकालिक सचिव नहीं है, जिससे प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अधिकारियों के बार-बार तबादले और लंबी छुट्टियों के कारण यह स्थिति बनी है। कर्मचारियों का कहना है कि कई अधिकारी इस पद पर लंबे समय तक काम करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जिससे संस्था का कामकाज प्रभावित हो रहा है। दिसंबर 2023 में नई सरकार बनने के बाद से अब तक छह अधिकारियों को इस पद पर तैनात किया जा चुका है, लेकिन कोई भी लंबे समय तक नहीं टिक सका। एक अधिकारी तो केवल आठ दिन ही इस पद पर रहे। सामान्य तौर पर इस तरह के पद पर दो से तीन साल की तैनाती होती है। पहले यह संस्था अपनी उपलब्धियों के लिए जानी जाती थी और इसकी सफलता पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान गया था। 2019 में हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन ने इस पर एक केस स्टडी भी की थी। हालांकि, पिछले कुछ समय से लगातार हो रहे बदलावों के कारण संस्था का कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जिससे वे इस संस्था पर पूरा ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। शिक्षक संगठनों ने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द एक पूर्णकालिक सचिव की नियुक्ति की जाए, ताकि संस्था का संचालन सुचारु रूप से हो सके।

हरीश राव का आरोप : बीआरएस नेताओं के फोन टैप कर रही पुलिस

संगारेड्डी, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ आईपीएस अधिकारी कांग्रेस सरकार के इशारे पर बीआरएस नेताओं के फोन टैप कर रहे हैं और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। मंगलवार को संगारेड्डी सेंट्रल जेल में बीआरएस नेता मन्ने कृशांक और अन्य से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए हरीश राव ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि नेताओं के घरों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल उनकी निगरानी के लिए किया जा रहा है। हरीश राव ने यह भी दावा किया कि हैदराबाद स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को इस तरह की गतिविधियों का केंद्र बनाया गया है और इसके लिए बाहर से लोगों की मदद ली जा रही है।

उन्होंने कहा कि उनके पास इन आरोपों से जुड़े सबूत मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि सत्ता में आने के बाद इन मामलों की जांच कराई जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी ऐसे अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके अलावा हरीश राव ने मुख्यमंत्री पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार जनता के मुद्दों को नजरअंदाज कर रही है और चुनावी वादों को पूरा नहीं कर पाई है।

उपराष्ट्रपति ने श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर में किए दर्शन

तिरुपति, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को तिरुचानूर स्थित श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर में दर्शन किए। मंदिर पहुंचने पर पुजारियों द्वारा उनका पारंपरिक रीति से स्वागत किया गया।

उन्होंने ध्वजस्तंभ पर पूजा अर्चना की तथा श्री पद्मावती अम्मावरु के दर्शन किए। बाद में आस्थान मंडप में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी एम. रविचंद्र ने उन्हें श्रीवारी प्रसाद प्रदान किया तथा शेष वस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर चंद्रगिरि के विधायक पुलिवार्थी नानी, देवस्थानम मंडल सदस्य जी. भानु प्रकाश रेड्डी, संयुक्त कार्यकारी अधिकारी वी. वीरब्रह्मम, जिला कलेक्टर वेंकटेश्वरलु, जिला पुलिस अधीक्षक एल. सुब्बारायुडु, मुख्य सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी मुरलीकृष्ण, तिरुचानूर मंदिर के उप कार्यकारी अधिकारी हरींद्रनाथ तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

धान खरीद की नई व्यवस्था के खिलाफ किसानों और बीआरएस का प्रदर्शन

करीमनगर, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के करीमनगर जिले के चोप्पाडंडी में मंगलवार को किसानों और बीआरएस नेताओं ने धान खरीद की नई व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से इस प्रणाली को तुरंत वापस लेने की मांग की। बताया गया कि सरकार ने धान खरीद के लिए नई व्यवस्था लागू की है, जिसमें फसल का विवरण तुरंत ऑनलाइन अपलोड करना और जीपीएस से लैस वाहनों में परिवहन अनिवार्य किया गया है। किसानों का कहना है कि इससे उनकी परेशानियां और बढ़ेंगी। पूर्व विधायक सुनके रविशंकर के नेतृत्व में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर प्रतिमा के पास धरना दिया और रास्ता जाम कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान रविशंकर ने कहा कि पहले ही खरीद में देरी से किसान परेशान हैं, ऐसे में नई व्यवस्था उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन जाएगी। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में किसानों को हर ट्रैक्टर पर करीब 4,000 रुपये खर्च करने पड़ेंगे और खरीद पूरी होने में ज्यादा समय लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस दौरान बारिश हो गई तो किसानों की फसल खराब हो सकती है। उन्होंने सरकार से पुरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हस्तक्षेप कर रास्ता खुलवाया और कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में बड़ा बदलाव, एनएमसी ने हटाई जनसंख्या सीमा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और विस्तार को लेकर बड़ा फैसला लिया है। नए नियमों के तहत अब जनसंख्या के आधार पर सीटों की सीमा को हटा दिया गया है, जिससे खासकर दक्षिणी राज्यों को राहत मिलने की उम्मीद है। 27 अप्रैल को जारी अधिसूचना के अनुसार, पहले मेडिकल कॉलेजों के लिए प्रति 10 लाख आबादी पर 100 एमबीबीएस सीटों का अनुपात जरूरी था, जिसे अब समाप्त कर दिया गया है। इस बदलाव से मेडिकल शिक्षा में निवेश और विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही एनएमसी ने कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की अधिकतम सीमा को भी हटा दिया है। पहले एक कॉलेज में 150 से ज्यादा छात्रों का दाखिला सीमित था, लेकिन अब संस्थान अपनी क्षमता और जरूरत के अनुसार सीटें बढ़ा सकेंगे। नए नियमों में मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े अस्पताल के बीच दूरी को लेकर भी बदलाव किया गया है। पहले दोनों के बीच 30 मिनट की यात्रा समय सीमा तय थी, जिसे अब बदलकर अधिकतम 10 किलोमीटर की दूरी कर दिया गया है।

फर्जी नंबर प्लेट का उपयोग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद यातायात पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नगर यातायात पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट के उपयोग में संलिप्त एक आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के आधार पर खैरताबाद थाना पुलिस ने आपराधिक मामला दर्ज करते हुए आरोपी डी. रॉबर्ट सैमुअल (41 वर्ष), पुत्र रॉबर्ट विलियम, निवासी आनंद नगर कॉलोनी, खैरताबाद, हैदराबाद को गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता टी. श्रीकांत, निवासी बौरमपेट, बाचुपल्ली, मेदक-मलकाजगिरि जिले के वैध वाहन स्वामी हैं, जिनके दोपहिया वाहन (हीरो डेस्टिनी) के पंजीकरण संख्या टीएस08एच एस7658 पर अवैध यातायात चालान जारी होने की शिकायत उन्होंने यातायात पुलिस से की थी, जिससे उन्हें आर्थिक हानि हो रही थी। जांच एवं सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि आरोपी डी. रॉबर्ट सैमुअल ने सरकारी प्राधिकरणों एवं प्रवर्तन एजेंसियों को भ्रमित कर यातायात चालानों से बचने के उद्देश्य से उसी पंजीकरण संख्या टीएस08एचएस7658 की फर्जी नंबर प्लेट अपने दोपहिया वाहन पर लगाई हुई थी इस संबंध में खैरताबाद थाने में प्राथमिकी संख्या 118/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 192 के अंतर्गत मामला पंजीकृत किया गया है। आरोपी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी किया गया है तथा मामले की आगे की जांच जारी है। यह प्रकरण हैदराबाद यातायात पुलिस और खैरताबाद पुलिस के समन्वित प्रयासों से उजागर हुआ।

हैदराबाद यातायात पुलिस ने आम नागरिकों को चेतावनी दी है कि फर्जी, समान या छेड़छाड़ किए गए नंबर प्लेट का उपयोग गंभीर और दंडनीय अपराध है तथा ऐसे मामलों में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तनाव में छात्र ने उठाया खौफनाक कदम, इलाज के दौरान मौत

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय में एक छात्र द्वारा आत्मदाह करने की दुखद घटना सामने आई है।

19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र विनेश ने कथित रूप से भावनात्मक तनाव के चलते खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह एक असफल प्रेम संबंध के कारण काफी परेशान था। यह घटना सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में रेणुका येल्लम्मा मंदिर के पास हुई। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र को तुरंत गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, छात्र के शरीर का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा जल चुका था और चेहरे पर भी गंभीर चोटें थीं। इलाज के दौरान उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई और आधी रात के आसपास उसकी मौत हो गई। पुलिस को घटनास्थल से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह एक प्रेम संबंध के टूटने से काफी तनाव में था। नोट में उसने अपने माता-पिता से माफी भी मांगी थी। विनेश महबूबाबाद जिले के गोविंदपुर का रहने वाला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.